RNI NO-UPHIN/2023/84340

सबसे तेज प्रयागराज

सब पर नजर, सटीक खबर

नगर संस्करण | sabsetejprj2023@gmail.com | गुरुवार, 10 सितंबर 2026 | वर्ष: 04, अंक: 170 पृष्ठ: 08, मूल्य: 2 रू. | प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

कैबिनेट का बड़ा फैसला: सात रेलवे प्रोजेक्ट को फोर लेन करने की मंजूरी दी

कैबिनेट के अहम फैसले: रेलवे के सात हाई-डेंसिटी कॉरिडोर होंगे फोर-ट्रैक; कई रूटों पर बढ़ेगी क्षमता

नई दिल्ली /एजेंसी

केंद्र सरकार ने बुधवार को 10,783 करोड़ रुपये की लागत वाली रेलवे की तीन मल्टीट्रैकिंग परियोजनाओं को मंजूरी प्रदान की। इससे पश्चिम बंगाल, झारखंड, ओडिशा, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में रेल नेटवर्क में करीब 656 किलोमीटर की वृद्धि होगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति की बैठक में इन परियोजनाओं को मंजूरी दी गई। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने राष्ट्रीय मीडिया केंद्र में आयोजित पत्रकार वार्ता में कैबिनेट के फैसलों की जानकारी दी। वैष्णव ने बताया कि मंजूर परियोजनाओं में खड़गपुर-झारसुगुड़ा (बागदेही) चौथी लाइन, कटनी-पेंड्रा रोड चौथी लाइन और बिलासपुर (उसलापुर)-पेंड्रा रोड तीसरी लाइन शामिल हैं। परियोजनाओं को 2029-30 तक पूरा करने का लक्ष्य है। इससे 14 जिलों के करीब 4,790 गांवों और 56 लाख लोगों को बेहतर रेल संपर्क मिलने की उम्मीद है। वैष्णव ने कहा कि झारसुगुड़ा से आगे छत्तीसगढ़ के हिस्से में रेल मार्गों पर गंभीर भीड़भाड़ है। पिछले 50-60 वर्षों में इस क्षेत्र में रेल नेटवर्क का पर्याप्त विकास नहीं हुआ। पिछले 12 वर्षों में छत्तीसगढ़ में कई नई रेल परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। आदिवासी बहुल यह क्षेत्र आर्थिक और देश की ऊर्जा सुरक्षा के लिहाज से भी महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि बिलासपुर से पेंड्रा और आगे कटनी तक के मार्ग को चार लाइन का किया जा रहा है। कुछ हिस्सों में पहले से तीन लाइनें हैं, जबकि कुछ में दो लाइनें हैं। यह मार्ग अनूपपुर जैसे महत्वपूर्ण जंक्शन से होकर गुजरता है, जहां से झारखंड के अलावा बिहार और उत्तर प्रदेश की ओर रेल यातायात संचालित होता है।

मार्ग की क्षमता बढ़ने से यात्री और माल परिवहन दोनों को लाभ मिलेगा तथा भीड़भाड़ कम होगी

इस मार्ग की क्षमता बढ़ने से यात्री और माल परिवहन दोनों को लाभ मिलेगा तथा भीड़भाड़ कम होगी। सरकार के अनुसार, परियोजनाओं को प्रधानमंत्री गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के तहत तैयार किया गया है। इनसे मल्टी-मॉडल संपर्क और लॉजिस्टिक दक्षता बढ़ेगी तथा लोगों, वस्तुओं और सेवाओं की आवाजाही सुगम होगी। परियोजनाओं से तारातारिणी मंदिर, श्री क्षेत्र जगन्नाथ मंदिर, बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व, अमरकंटक मंदिर, अचानकमार टाइगर रिजर्व और रतनपुर महामाया मंदिर समेत कई प्रमुख पर्यटन एवं धार्मिक स्थलों की कनेक्टिविटी बेहतर होगी। ये मार्ग कोयला, सीमेंट, लौह एवं इस्पात जैसी वस्तुओं के परिवहन के लिए भी महत्वपूर्ण हैं। क्षमता विस्तार से सालाना करीब 2.7 करोड़ टन अतिरिक्त माल ढुलाई होने का अनुमान है। इससे करीब 12 करोड़ लीटर तेल आयात और 62 करोड़ किलोग्राम कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन कम होने की उम्मीद है।

रेल राज्यमंत्री सोमन्ना ने दिल्ली मंडल के नियंत्रण कार्यालय का किया निरीक्षण

नई दिल्ली। रेल राज्यमंत्री वी. सोमन्ना ने बुधवार को दिल्ली मंडल के नियंत्रण कार्यालय का दौरा कर रेलवे परिचालन, सुरक्षा, ट्रेनों के समयपालन और यात्रियों की शिकायतों से जुड़े विभिन्न पहलुओं की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों से बातचीत कर रेलवे परिचालन में सुधार के लिए तकनीक के अधिक इस्तेमाल और कर्मचारियों की कार्यस्थितियों को बेहतर बनाने पर भी चर्चा की। सोमन्ना ने दिल्ली मंडल के मंडल रेल प्रबंधक पुष्पेश आर. त्रिपाठी और उनकी टीम के साथ विस्तृत चर्चा की। उन्होंने नियंत्रण कार्यालय में सेक्शन कंट्रोलरों के कामकाज के अलावा इंजीनियरिंग, कोचिंग, माल, ट्रैक्शन और सुरक्षा नियंत्रण से जुड़ी गतिविधियों का जायजा लिया।

देश की पहली बुलेट ट्रेन का उद्घाटन 2027 में होगा: वैष्णव

नई दिल्ली। सूचना एवं प्रसारण और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को कहा कि देश की पहली बुलेट ट्रेन का उद्घाटन 2027 में होगा। उन्होंने कहा कि स्वदेशी रूप से निर्मित बुलेट ट्रेन का मई-जून 2027 में ट्रैक पर परीक्षण शुरू होने की उम्मीद है और परीक्षण के बाद इसका उद्घाटन किया जाएगा। कैबिनेट के फैसलों की जानकारी देने के लिए आयोजित संवाददाता सम्मेलन में वैष्णव ने कहा कि बुलेट ट्रेन का उद्घाटन 2027 में तय है। पहले सूरत से बिलिमोरा के करीब 50 किलोमीटर के खंड को शुरू करने की योजना थी, लेकिन अब इसे बढ़ाकर सूरत से वापी तक करीब 100 किलोमीटर के पहले खंड को 2027 में खोलने की योजना है। इस खंड का निर्माण दिसंबर 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य है। मंत्री ने कहा कि भारत में निर्मित की जा रही बुलेट ट्रेन के एक कोच का निर्माण पिछले सप्ताह पूरा हो गया है। इसके बाद उस पर दबाव और जलवायु संबंधी परीक्षण किए जाएंगे तथा आंतरिक साज-सज्जा सहित अन्य काम पूरे किए जाएंगे।

ट्रेन के परीक्षण के लिए अगले वर्ष मई-जून तक इसे ट्रैक पर लाने की योजना: रेल मंत्री

ट्रेन के परीक्षण के लिए अगले वर्ष मई-जून तक इसे ट्रैक पर लाने की योजना है।

परीक्षण पूरा होने के बाद प्रधानमंत्री इसका उद्घाटन करेंगे। उल्लेखनीय है कि वैष्णव ने एक दिन पहले वडोदरा में भी कहा था कि देश की स्वदेशी बुलेट ट्रेन मई-जून 2027 में परीक्षण के लिए ट्रैक पर आ जाएगी और परीक्षण के बाद दो से चार महीने में इसका उद्घाटन किया जा सकता है। उन्होंने बताया था कि ट्रेन के पहले बॉडी फ्रेम का निर्माण पूरा हो चुका है और उसे परीक्षण के लिए भेजा गया है। मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर की कुल लंबाई 508 किलोमीटर है। इस परियोजना पर काम गुजरात, महाराष्ट्र और केंद्रशासित प्रदेश दादरा एवं नगर हवेली में चल रहा है। प्रस्तावित बुलेट ट्रेन की अधिकतम गति 320 किलोमीटर प्रति घंटा होगी।

वित्त मंत्री का इस्तीफा लेकर पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराए भगवंत मान सरकार: राहुल गांधी

नई दिल्ली/एजेंसी

कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने पंजाब में किसान गुलजार सिंह की आत्महत्या के मामले को लेकर राज्य की भगवंत मान सरकार से वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा का तत्काल इस्तीफा लेने और मामले की स्वतंत्र एवं निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। राहुल गांधी ने बुधवार को एक्स पोस्ट में आरोप लगाया कि दलित समुदाय से आने वाले गुलजार सिंह ने अपने बेटे के नशे का शिकार होने के बाद वित्त मंत्री से सरकार की ओर से ड्रग्स के कारोबार को रोकने में कथित नाकामी को लेकर सवाल किया था। इसके बाद गुलजार सिंह पर माफी मांगने के लिए दबाव बनाया गया और उन्हें प्रताड़ित तथा अपमानित किया गया। उन्होंने कहा कि इस घटनाक्रम के बाद गुलजार सिंह ने जहर खा लिया। गुलजार सिंह को एक अस्पताल से दूसरे अस्पताल ले जाया गया और इलाज नहीं मिलने के कारण आखिरकार उनकी मौत हो गई। उन्होंने कहा कि पंजाब में ऐसा यह पहला मामला नहीं है। पिछले सप्ताह उन्होंने मोहनजीत सिंह से भी बात की थी, जिन्हें मुख्यमंत्री मान के खिलाफ प्रदर्शन करने के कारण प्रताड़ित किया गया। राहुल ने कहा कि सरकार का काम जनता के सवालों का जवाब देना है, सवाल पूछने वालों को कुचलना नहीं। गुलजार के परिवार को जल्द न्याय दिलाने की मांग करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री को मामले की स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करनी चाहिए ।

तथा जांच की प्राथमिकी में वित्त मंत्री का नाम दर्ज किया जाना चाहिए।

सत्य निकेतन हादसा: दीवार हटाने, बेसमेंट में मलबा भरने से कमजोर हो गई थी इमारत

नई दिल्ली

दिल्ली के सत्य निकेतन में पांच मंजिला पीजी इमारत गिरने के मामले की जांच में पुलिस ने पीजी संचालक सुधांशु लोवनीश को भी गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार इमारत में करीब 10 दिन से मरम्मत और निर्माण का काम चल रहा था। बेसमेंट को भूतल के बराबर करने के लिए उसमें करीब तीन ट्रक मलबा भरा गया था। हादसे वाले दिन भूतल पर दुकान के लिए जगह बनाने के उद्देश्य से एक दीवार हटा दी गई। इसके बाद इमारत भार नहीं सह सकी और भरभराकर गिर गई। पुलिस ने मामले में श्रमिक ठेकेदार सनोज कुमार (35) को उत्तर प्रदेश के कासगंज से पकड़ा। वह दिल्ली के मोती बाग स्थित जेजे कैंप में रहता है और मूलरूप से बिहार के बांका जिले का रहने वाला है। पूछताछ में उसने बताया कि करीब 10 दिन पहले महेश गुप्ता ने उसे इमारत में नवीनीकरण का काम सौंपा था। बेसमेंट को भूतल के बराबर करने के लिए वहां करीब तीन ट्रक मलबा डाला गया। इसके बदले उसे प्रतिदिन 2800 रुपये मजदूरी मिल रही थी।

चौपाल लगाकर साइबर अपराध, यातायात एवं महिला सुरक्षा के प्रति किया गया जागरूक

सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी । जनपद में प्रत्येक बुधवार को चलाए जाने वाले विशेष जन-जागरूकता अभियान के तहत समस्त थाना पुलिस द्वारा अपने-अपने थाना क्षेत्रों में विभिन्न स्थानों पर चौपाल लगाकर आमजन को साइबर अपराध से बचाव, यातायात नियमों के पालन एवं महिला सुरक्षा के संबंध में विस्तृत जानकारी देकर जागरूक किया गया ।
चौपाल के दौरान पुलिस टीमों द्वारा आमजन को साइबर अपराध के विभिन्न तरीकों जैसे डळढ, ढक्ठ, उश्श एवं बैंक संबंधी गोपनीय जानकारी साझा न करने, अनजान लिंक पर क्लिक न करने, फर्जी कॉल/मैसेज एवं ऑनलाइन ठगी से सावधान रहने के संबंध में जानकारी दी गई । किसी भी प्रकार की साइबर ठगी होने पर तत्काल साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 अथवा ६६६.ूट्री१ू१ीं.ङ्क५.ल्ल पर शिकायत दर्ज कराने एवं साइबर अपराध की सूचना अपने नजदीकी थाना अथवा साइबर थाना पुलिस को देने के लिए जागरूक किया गया ।
इसके साथ ही महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा के संबंध में जागरूक करते हुए वूमेन पॉवर हेल्पलाइन 1090, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, आपातकालीन पुलिस सेवा 112, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 तथा महिला हेल्पलाइन 181 के बारे में जानकारी दी गई। महिलाओं एवं बालिकाओं को किसी भी प्रकार की समस्या, उत्पीड़न, छेड़छाड़ अथवा असुरक्षा की स्थिति में तत्काल संबंधित हेल्पलाइन अथवा पुलिस को सूचना देने के लिए प्रेरित किया गया ।

यातायात जागरूकता के दौरान आमजन को यातायात नियमों का पालन करने, दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट तथा चारपहिया वाहन में सीट बेल्ट का प्रयोग करने, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का प्रयोग न करने, निर्धारित गति सीमा का पालन करने तथा नशे की हालत में वाहन न चलाने के संबंध में जागरूक किया गया । साथ ही सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए स्वयं यातायात नियमों का पालन करने एवं दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करने की अपील की गई ।
थानाध्यक्ष सैनी त्रिलोकी नाथ पांडेय एवं साइबर क्राइम थाना द्वारा संयुक्त रूप से करनपुर थाना सैनी में जन चौपाल लगाकर लगभग 200 आम जनमानस को विभिन्न प्रकार के साइबर अपराध से सम्बन्धित अपराध के बारे में बताया व जागरूक किया गया और गृह मंत्रालय भारत सरकार द्वारा चलाई जा रही साइबर हेल्प लाईन नंबर 1930 वा ६६६.ूट्री१-ू१ीं.ङ्क५.ल्ल के बारे में जानकारी दी गई,
पुलिस द्वारा चौपाल में उपस्थित लोगों से अपील की गई कि साइबर अपराध के प्रति सतर्क रहें, महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा को प्राथमिकता दें तथा यातायात नियमों का पालन कर स्वयं एवं अपने परिवार को सुरक्षित रखें ।
किसी भी आपात स्थिति में तत्काल 112, साइबर अपराध की स्थिति में 1930 तथा महिलाओं से संबंधित सहायता के लिए 1090/181 पर संपर्क करें।

अध्यक्ष,जिला पंचायत एवं जिलाधिकारी ने पोषण रैली व पोषण रथ को हरी झण्डी दिखाकर किया रवाना

रैली के माध्यम से आमजन को सही पोषण एवं संतुलित खानपान के प्रति किया गया जागरूक

सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी। राष्ट्रीय पोषण माह के अन्तर्गत आज अध्यक्ष, जिला पंचायत कल्पना सोनकर एवं जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल ने कलेक्ट्रेट परिसर से पोषण रैली एवं पोषण रथ को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी विनोद राम त्रिपाठी एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी संतोष श्रीवास्तव सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहे।
पोषण रैली कलेक्ट्रेट परिसर से प्रारम्भ होकर मंझनपुर चौराहा होते हुए विकास खण्ड मंझनपुर तक निकाली गई। रैली में शामिल प्रतिभागियों द्वारा विभिन्न नारों एवं संदेशों के माध्यम से आमजन को संतुलित एवं पौष्टिक आहार अपनाने, स्वस्थ जीवनशैली अपनाने तथा कुपोषण से बचाव के प्रति जागरूक किया गया। पोषण रथ के माध्यम से भी ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में लोगों को पोषण, स्वास्थ्य, स्वच्छता, संतुलित आहार तथा कुपोषण से बचाव से सम्बन्धित महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान कर जागरूक किया जाएगा।
जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल ने कहा कि स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए सही पोषण और संतुलित खानपान के प्रति जन-जागरूकता अत्यंत आवश्यक है। बच्चों, गर्भवती एवं धात्री महिलाओं के पोषण पर विशेष ध्यान देकर कुपोषण की समस्या को प्रभावी ढंग से दूर किया जा सकता है।

नाबालिग से दुष्कर्म का वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज
फतेहपुर। पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक के निर्देशन में वांछित/वारण्टियों की गिरफ्तारी व अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक फतेहपुर के मार्गदर्शन तथा क्षेत्राधिकारी थरियांव के कुशल पर्यवेक्षण में बुधवार को थाना राधानगर पुलिस द्वारा पाक्सो एक्ट से संबंधित वांछित अभियुक्त कुनाल उर्फ सुभाष पुत्र नरपत निवासी उधन्नापुर थाना कोतवाली नगर जनपद फतेहपुर उम्र 19 वर्ष को गिरफ्तार कर आवश्यक विधिक कार्यवाही करते हुए माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया।

10 किलो 730 ग्राम गांजा सहित 2 अंतर्राज्यीय गांजा तस्कर गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज
बुलंदशहर। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार सिंह के कुशल निर्देशन में जनपद में अपराधों पर अंकुश लगाये जाने हेतु अपराधियो के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत बुधवार को थाना कोतवाली नगर पुलिस द्वारा अलग-अलग स्थानों से चैकिंग के दौरान 02 अभियुक्त को 10 किलो 730 ग्राम अवैध गांजा सहित गिरफ्तार किया गया है।
गिरफ्तार अभियुक्तों का नाम पता
सुजानदास पुत्र कालूदास निवासी ग्राम अजीमगंज थाना जियागंज जनपद मुर्शिदाबाद राज्य पश्चिम बंगाल. फूल सिंह पुत्र मुक्ती निवासी ग्राम आजिमगंज थाना जियागंज जनपद मुर्शिदाबाद राज्य पश्चिम बंगाल।

बीएसए ने बच्चों के साथ बैठकर किया मध्यान्ह भोजन, परखी भोजन की गुणवत्ता

सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी। जिलाधिकारी के निर्देशानुसार जनपद में विद्यालयों में संचालित मध्यान्ह भोजन योजना के प्रभावी क्रियान्वयन एवं भोजन की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से अधिकारियों द्वारा विद्यालयों का निरीक्षण कर बच्चों के साथ बैठकर मध्यान्ह भोजन किया गया।
जिला बेसिक शिक्षाधिकारी कमलेन्द्र कुमार कुशवाहा ने कम्पोजिट विद्यालय पुनवार में बच्चों के साथ बैठकर मध्यान्ह भोजन किया। इसी प्रकार खण्ड शिक्षाधिकारी मंझनपुर ने प्राथमिक विद्यालय समदा, खण्ड शिक्षाधिकारी नेवादा ने कम्पोजिट विद्यालय कोटिया, खण्ड शिक्षाधिकारी कौशाम्बी ने कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय कौशाम्बी, खण्ड शिक्षाधिकारी कड़ा ने प्राथमिक विद्यालय कसिया पूर्व तथा खण्ड शिक्षाधिकारी सिराथू ने पीएमश्री विद्यालय कसिया में बच्चों के साथ बैठकर मध्यान्ह भोजन किया।
अधिकारियों ने भोजन की गुणवत्ता एवं स्वच्छता को परखा तथा बच्चों से भोजन के संबंध में जानकारी भी ली। निरीक्षण के दौरान मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता ठीक पाई गई।
अधिकारियों ने विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों को निर्देशित किया कि बच्चों को निर्धारित मानकों के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण, पौष्टिक एवं स्वच्छ मध्यान्ह भोजन नियमित रूप से उपलब्ध कराया जाए तथा भोजन तैयार करने एवं परोसने के दौरान स्वच्छता का विशेष ध्यान रखा जाए।

निरीक्षण में खामियां मिलने पर मेट्रो हॉस्पिटल का पंजीकरण निलंबित, अवैध अस्पताल सील

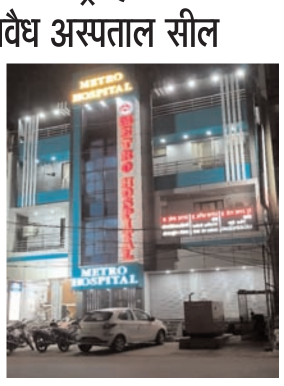

सबसे तेज प्रयागराज
प्रयागराज। आईजीआरएस शिकायत के निस्तारण के क्रम में मुख्य चिकित्साधिकारी (सीएमओ) प्रयागराज की टीम ने बुधवार को करेली स्थित मेट्रो हॉस्पिटल का निरीक्षण किया। जांच के दौरान अस्पताल में पैनल में दर्ज कोई भी चिकित्सक और पैरामेडिकल स्टाफ मौके पर मौजूद नहीं मिला। इसके बाद सीएमओ ने तत्काल प्रभाव से अस्पताल का पंजीकरण निलंबित कर दिया।
निरीक्षण रिपोर्ट के अनुसार अस्पताल में कई गंभीर अनियमितताएं पाई गईं। अस्पताल प्रबंधन को 15 दिनों के भीतर चिकित्सकीय योग्यता एवं आवश्यक अभिलेख प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। निर्धारित समय में संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर संबंधित धाराओं में एफआईआर दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।
कार्रवाई के दौरान मेट्रो हॉस्पिटल की बायीं पटरी पर संचालित एक अन्य मेट्रो हॉस्पिटल भी अवैध रूप से चलता मिला, जिसे टीम ने मौके पर सील कर दिया। साथ ही संबंधित बीयूएमएस चिकित्सक से यह स्पष्टीकरण मांगा गया है कि वह किन परिस्थितियों में स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ के रूप में पर्चे लिख रहे थे।

बाइक सवार चाचा भतीजे को फॉर्च्यूनर ने मारी टक्कर भतीजे की मौत चाचा घायल

सबसे तेज प्रयागराज
कौशाम्बी। पश्चिम शरीरा थाना क्षेत्र के बराइन का पुरवा के पास बुधवार सुबह फॉर्च्यूनर कार ने बाइक में टक्कर मार दी है जिससे बाइक सवार चाचा भतीजे सड़क पर गिर पड़े हैं इस दुर्घटना में घायल भतीजे की अस्पताल में दर्दनाक मौत हो गई है और चाचा गंभीर घायल हैं दुर्घटना देखकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे मामले की सूचना पुलिस को दी गई दुर्घटना की जानकारी मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को इलाज के लिए एंबुलेंस से जिला अस्पताल भेजा है दुर्घटना की जानकारी मिलते ही घर परिवार के लोग रोते बिलखते मौके पर पहुंच गए हैं दुर्घटना के बाद फॉर्च्यूनर कार चालक मौके से फरार हो गया है जिसकी तलाश पुलिस कर रही है।
जानकारी के मुताबिक बुधवार की सुबह लगभग 9:00 भवनी का पुरवा निवासी बाइक चालक रामआसरे उम्र 39 वर्ष पुत्र धारदास सरोज अपने चाचा बचान सरोज उम्र 57 वर्ष पुत्र तिरु सरोज के साथ बाइक से सोनौली गांव की ओर से मजदूरी के लिए चांदेराई डिग्री कॉलेज के पास जा रहे थे। जैसे ही बाइक सवार चाचा भतीजे पश्चिम शरीरा थाना क्षेत्र के बराइन का पुरवा के पास पहुँचे उसी दौरान उसी गांव के रहने वाला सूरज पाल पुत्र कल्लू पाल परई गांव की तरफ से फॉर्च्यूनर कार लेकर आ रहा था। बरइन का पुरवा पुल के पास फॉर्च्यूनर कार चालक ने बाइक सवार को जोरदार टक्कर मार दी टक्कर इतनी जोरदार थी कि एक ही बाइक पर सवार दोनों लोग सड़क पर घिसटते हुए धान के खेत में जा गिरे। हादसे के बाद कार चालक मौके से फरार हो गया। बताया जा रहा है कि कार चालक तेज रफ्तार से भागा, जिससे दो-तीन अन्य लोग भी हादसे का शिकार होते-होते बच गए। दुर्घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर थाना पुलिस पहुंची है और घायलों को इलाज के लिए एंबुलेंस से जिला अस्पताल पहुंचाया है लेकिन अस्पताल में भतीजे राम आसरे की मौत हो गई है मौत की जानकारी मिलते ही घर परिवार में कोहराम मच गया है पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

मीडिया क्लब में अनिल त्रिपाठी की माता जी और पत्रकार रिजवान के लिए शोक सभा हुई आयोजित

सबसे तेज प्रयागराज
प्रयागराज। संगम नगरी प्रयागराज में मीडिया क्लब के हर्ष नारायण सभागार में शोक सभा का आयोजन किया गया। यह शोक सभा मीडिया क्लब के अध्यक्ष अनुपम शुक्ला, सचिव अरुण सोनकर की मौजूदगी में आयोजित की गई। कार्यक्रम की शुरूआत शोक सभा से हुई, जिसमें सभी पत्रकारों ने 2 मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि दी।

इस दौरान वरिष्ठ पत्रकार अनिल त्रिपाठी की माता जी और वरिष्ठ पत्रकार रिजवान अंसारी को भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई।
इसके बाद मीडिया क्लब के अध्यक्ष अनुपम शुक्ला और सचिव अरुण कुमार सोनकर की मौजूदगी में पत्रकारों के लिए बेहतर कार्य करने पर जोर दिया गया।
शोक सभा में शामिल होने वाले पत्रकारों में कोषाध्यक्ष टी के पांडे, वरिष्ठ उपाध्याय इमरान यूसुफी, उपाध्यक्ष प्रशांत शर्मा, प्रकाशन मंत्री दिलीप जायसवाल, कार्यकारिणी सदस्य सलमान अहमद, सैयद मोहम्मद आमिर, आदित्य विक्रम सिंह, अनुराग दूबे, हिमांशु त्रिपाठी, श्यामू कुशवाहा, सदस्य सुधाकर सिंह, सहबाज, हारिश, मेहताब समेत कई पत्रकार में मौजूद रहे।

हथगाँव पुलिस द्वारा गोकशी के दो वांछित अभियुक्तों को किया गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज
फतेहपुर । देर रात्रि जनपदीय सर्विलांस सेल से प्राप्त तकनीकी सूचना के आधार पर थाना हथगांव पुलिस द्वारा ग्राम पट्टीशाह धोबी तालाब के निकट आम के बाग की घेराबंदी कर गैंगस्टर एक्ट में वांछित इनामिया अभियुक्त रियाज कुरैशी एवं उसके सहयोगियों को पकड़ने का प्रयास किया गया। पुलिस टीम को देखकर अभियुक्तों द्वारा फायरिंग की गई, जिसके जवाब में आत्मरक्षार्थ की गई पुलिस फायरिंग में रियाज कुरैशी एवं इसरार कुरैशी घायल हो गए। मौके से रियाज कुरैशी, इसरार कुरैशी, शंकर शाहू, रेहान उर्फ छोटू एवं हनीफ को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्तों से पूछताछ करने पर आदिल पुत्र रईस अहमद, शोएब पुत्र मो० लतीफ, निवासीगण आबूनगर इमामगंज, थाना कोतवाली फतेहपुर तथा 3. शानू, ढाबा अम्बापुर, थाना थरियांव, जनपद फतेहपुर के नाम प्रकाश में आये।
पुलिस अधीक्षक फतेहपुर के निर्देशन में जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में, अपर पुलिस अधीक्षक के पर्यवेक्षण तथा क्षेत्राधिकारी थरियांव के कुशल नेतृत्व में थाना हथगांव पुलिस द्वारा पशुक्रूरता अधिनियम की विवेचनात्मक कार्यवाही के दौरान प्रकाश में आए वांछित अभियुक्त मो0 आदिल पुत्र रईश अहमद निवासी ग्राम आबूनगर थाना कोतवाली जनपद फतेहपुर उम्र करीब 32 वर्ष, मो0 शोएब पुत्र लतीफ अहमद निवासी ग्राम आबूनगर थाना कोतवाली जनपद फतेहपुर उम्र करीब 36 वर्ष को गिरफ्तार किया गया।

तीन थानों की पुलिस ने तीन वारण्टी अभियुक्त को किया गिरफ्तार

स्वाती मिश्रा
कौशांबी। एसपी के निर्देशन में जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये गये अभियान के क्रम में थाना मंझनपुर पुलिस टीम द्वारा वारण्टी अभियुक्त सफीउर रहमान उर्फ बबलू पुत्र स्व0 छग्गन निवासी चक नगर थाना मंझनपुर जनपद कौशाम्बी को गिरफ्तार किया गया ।
थाना कोखराज पुलिस टीम द्वारा वारण्टी अभियुक्त वीर सिंह पुत्र राजा सिंह निवासी ग्राम शहजादपुर थाना कोखराज जनपद कौशाम्बी को गिरफ्तार किया गया ।
थाना सराय अकिल पुलिस टीम द्वारा लोक सम्पत्ति क्षति निवारण अधिनियम थाना मंझनपुर जनपद कौशाम्बी से सम्बन्धित वारण्टी अभियुक्त अमर सिंह पुत्र श्याम लाल निवासी जठिया थाना सराय अकिल को किया गिरफ्तार।

मारपीट के चार दोषियों को न्यायालय उठने तक की सजा, 1500-1500 रुपये जुमार्ना

सबसे तेज प्रयागराज
फतेहपुर। ऑपरेशन कन्विक्शन के तहत दोषी अभियुक्तों को अधिकतम और त्वरित सजा दिलाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत हुसैनगंज थाने से जुड़े मारपीट के एक मामले में न्यायालय ने चार अभियुक्तों को दोषी करार दिया है। सभी दोषियों को न्यायालय उठने तक की सजा सुनाने के साथ प्रत्येक पर 1500 रुपये का अर्थदंड लगाया गया है।
मामला वर्ष 2016 का है। हुसैनगंज थाने में वादी की तहरीर के आधार पर एनसीआर संख्या 135/16 के तहत धारा 323 व 504 भादवि में गोवर्धन पुत्र कुंजबिहारी, पप्पू पुत्र बैजनाथ, दिनेश पुत्र रामकिशुन और सूरजभान पुत्र कुंजबिहारी, निवासी ग्राम गढ़ी, थाना हुसैनगंज, के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था।
विवेचना के बाद मामला न्यायालय में विचारण के लिए भेजा गया।
पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश के निर्देश और पुलिस अधीक्षक फतेहपुर अभिमन्यु मांगलिक के निर्देशन में चलाए जा रहे ऑपरेशन कन्विक्शन के तहत मामले में प्रभावी पैरवी की गई। पुलिस के अनुसार वैज्ञानिक विवेचना, साक्ष्यों के संकलन तथा मॉनिटरिंग सेल और अभियोजन पक्ष की प्रभावी पैरवी के परिणामस्वरूप चारों अभियुक्तों को दोषसिद्ध किया गया।
विशेष न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत ने 9 सितंबर 2026 को चारों दोषियों को धारा 323 व 504 भादवि के तहत न्यायालय उठने तक की सजा तथा प्रत्येक को 1500 रुपये के अर्थदंड से दंडित किया।
मामले की पैरवी में मॉनिटरिंग सेल प्रभारी निरीक्षक श्रवण कुमार सिंह, उपनिरीक्षक अश्विनी वर्मा, आरक्षी रोहित राजावत, जितेन्द्र सिंह व विवेक कुमार, विवेचक उपनिरीक्षक रामप्रसाद, पैरोकार आरक्षी नीरज, कोर्ट मुहर्रिर आरक्षी धीरज कुमार तथा अभियोजक उपेन्द्रप्रताप नरायन की भूमिका रही।

जिलाधिकारी ने की जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक

चिकित्सकों एवं स्वास्थ्यकर्मियों की समय से उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश

सबसे तेज प्रयागराज
कौशांबी। जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल की अध्यक्षता में आज उदयन सभागार में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक सम्पन्न हुई।
जिलाधिकारी ने चिकित्सकों एवं अन्य स्टॉफ की उपस्थिति की समीक्षा के दौरान मुख्य चिकित्साधिकारी एवं सभी प्रभारी चिकित्साधिकारियों को निर्देशित किया कि यह सुनिश्चित किया जाए कि सभी चिकित्सक एवं स्टाफ निर्धारित समय पर अस्पतालों में उपस्थित रहें तथा मरीजों को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जाएं। उन्होंने उप स्वास्थ्य केन्द्रों के निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा के दौरान मुख्य चिकित्साधिकारी को आवश्यक कार्यवाही शीघ्र पूर्ण कराने तथा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं को सुदृढ़ करने के लिए किए जा रहे कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए।
जिलाधिकारी ने विगत माह हुई मातृ मृत्यु एवं नवजात शिशु मृत्यु के कारणों की जानकारी प्राप्त करते कहा कि मातृ एवं नवजात शिशु मृत्यु को रोकने के लिए सभी स्तरों पर विशेष सतर्कता एवं प्रभावी निगरानी सुनिश्चित की जाए तथा मृत्यु दर को शून्य करने के लिए ठोस प्रयास किए जाएं। इस दौरान प्रभारी चिकित्साधिकारी मंझनपुर, नेवादा एवं सराय अकिल से स्पष्टीकरण प्राप्त करने के भी निर्देश दिए गए।

जिलाधिकारी ने परिवार कल्याण कार्यक्रमों की समीक्षा करते हुए सभी प्रभारी चिकित्साधिकारियों को निर्धारित लक्ष्यों के सापेक्ष शत-प्रतिशत प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने 102 एवं 108 एम्बुलेंस सेवाओं तथा ए.एन.सी. रजिस्ट्रेशन की स्थिति की समीक्षा के दौरान आवश्यक सुधार लाने के निर्देश दिए। उन्होंने नियमित टीकाकरण कार्यक्रम की समीक्षा के दौरान ड्यूलिस्ट के अनुसार छूटे हुए बच्चों को चिन्हित कर उनका शत-प्रतिशत टीकाकरण सुनिश्चित करने तथा एचपीवी टीकाकरण कार्यक्रम में भी अपेक्षित प्रगति लाने पर विशेष जोर दिया।
जिलाधिकारी ने आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत आयुष्मान कार्ड बनाए जाने की प्रगति अपेक्षित न पाए जाने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए सभी प्रभारी चिकित्साधिकारियों को पात्र लाभार्थियों के आयुष्मान कार्ड बनाने में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने ई-कवच पोर्टल पर फीडिंग कार्य में लापरवाही पाए जाने पर डीपीएम का वेतन रोकने के निर्देश दिए। उन्होंने जननी सुरक्षा योजना के अंतर्गत लाभार्थियों को समय से भुगतान सुनिश्चित करते हुए शत-प्रतिशत प्रगति लाने के भी निर्देश दिए। उन्होंने राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत चिन्हित जन्मजात दोष से ग्रसित बच्चों के उपचार की समीक्षा के दौरान सभी चिन्हित बच्चों का शीघ्र उपचार सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए।
बैठक में मुख्य विकास अधिकारी विनोद राम त्रिपाठी, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. संजय कुमार, प्रधानाचार्य मेडिकल कॉलेज डॉ. हरिओम सिंह सहित स्वास्थ्य विभाग एवं अन्य संबंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

फूलपुर विधायक दीपक पटेल का जन्मदिन धूमधाम से मना, आवास पर समर्थकों का उमड़ा सैलाब

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। फूलपुर विधायक दीपक पटेल का जन्मदिन बुधवार को बेहद धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। उनके आवास पर सुबह से ही बधाई देने वालों का तांता लगा रहा विधायक आवास पर तड़के से ही ढोल-नगाड़ों की गूंज और समर्थकों की नारेबाजी शुरू हो गई थी। भाजपा पदाधिकारियों, वरिष्ठ नेताओं और कार्यकताओं ने विधायक दीपक पटेल को विशाल गेंदे व गुलाब के फूलों का हार पहनाकर और स्मृति चिह्न भेंट कर जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। इसके बाद समर्थकों की भारी मौजूदगी में केक काटा गया। उपस्थित सभी लोगों में मिठाइयां बांटकर विधायक के दीघार्यु व उत्तम स्वास्थ्य की कामना की गई।

विधायक मीडिया प्रभारी उमेश तिवारी ने बताया कि अपने संबोधन में विधायक दीपक पटेल भावुक नजर आए। उन्होंने दूर-दराज से पहुंचे प्रत्येक कार्यकर्ता और आम नागरिक का दिल से आभार व्यक्त किया। विधायक ने कहा, "क्षेत्र की जनता का यह अपार स्नेह, विश्वास और आशीर्वाद ही मेरी सबसे बड़ी पूंजी है। फूलपुर के चौमुखी विकास, जन-जन की समस्याओं के निस्तारण और समाज के अंतिम व्यक्ति तक सरकार की योजनाओं को पहुंचाने के लिए मैं सदैव तत्पर रहूंगा।"

इस अवसर पर मुख्य रूप से पूर्व सांसद फूलपुर केशरी देवी पटेल जिला अध्यक्ष गंगापार निर्मला पासवान , जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ बी के सिंह,पूर्व जिला अध्यक्ष अश्वनी द्विवेदी पूर्व जिलाध्यक्ष कन्हैया लाल पांडेय, उपेंद्र पांडे,पार्षद अनुपमा पांडेय, पार्षद मंफोर्डगंज विजय विश्वास,मीडिया प्रभारी उमेश तिवारी, आनंद त्रिपाठी, अभिषेक सिंह,गुड्डू राजा प्रिंस गिरी भूपेंद्र पांडेय चंद्रिका पेटल सहित जिले व क्षेत्र के कई प्रमुख भाजपा नेता, ब्लॉक प्रमुख, जिला पंचायत सदस्य, ग्राम प्रधान, युवा मोर्चा के पदाधिकारी तथा हजारों की संख्या में स्थानीय नागरिक मौजूद रहे।

इसी प्रकार झूंसी स्थित पैराडाइज गार्डन में विधायक दीपक पटेल का जन्मदिन धूमधाम के साथ मनाया इस मौके पर ने 51 किलो का केक कटा गया तथा विधायक दीपक पटेल को फूल मालाओं से लाद दिया गया

कार्यक्रम संयोजक पार्षद अरुण कुमार मिश्रा 'पिंटू नेता' ने विधायक को गदा एवं स्मृति चिह्न भेंट कर उनका स्वागत किया।

कार्यक्रम के सह संयोजक प्रधान आदित्य सिंह, पूर्व विधायक प्रभा शंकर पांडेय लक्ष्मीकांत मिश्रा 'काका' विधायक फूलपुर के मीडिया प्रभारी उमेश तिवारी विनय, आनंद त्रिपाठी, अभिषेक सिंह,सहित बड़ी संख्या में स्थानीय जन प्रतिनिधि, भाजपा पदाधिकारी व समर्थक उपस्थित रहे।

नाबालिग को बहला-फुसलाकर भगाने का आरोपी गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज

बहरिया। बहरिया पुलिस ने नाबालिग को बहला-फुसलाकर भगाने के मामले में वांछित आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर अग्रिम विधिक कार्रवाई की है।

पुलिस के मुताबिक फाजलाबाद उर्फ कालूपुर निवासी अजय सोनी ने थाने में तहरीर देकर आरोप लगाया था कि 27 जून को प्रतापगढ़ के कोहड़ौर थाना क्षेत्र के सतेवर गांव निवासी शशि कुमार गौतम उर्फ साहिल कुमार उसकी बहन की नाबालिग पुत्री को बहला-फुसलाकर अपने साथ भगा ले गया। तहरीर के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी की गिरफ्तारी और नाबालिग की बरामदगी के लिए टीम गठित की थी।

पुलिस के अनुसार बुधवार को थाना बहरिया क्षेत्र के सेठ गयादीन इंटरमीडिएट स्कूल मैलहा के पास से आरोपी शशि कुमार गौतम उर्फ साहिल कुमार को गिरफ्तार किया गया। उसकी उम्र करीब 19 वर्ष बताई गई है।

पुलिस ने बताया कि पीड़िता के बयान और साक्ष्य संकलन के आधार पर मुकदमे में पॉक्सो एक्ट समेत अन्य प्रावधानों की बढ़ोतरी की गई है। मामले में अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

गिरफ्तारी करने वाली टीम में उपनिरीक्षक चंदन कुमार यादव, उपनिरीक्षक बालकेश और हेड कांस्टेबल ओमप्रकाश मौर्या शामिल रहे।

फूलपुर के सांसद प्रवीण पटेल को दूसरी बार मिला सांसद रत्न पुरस्कार

सबसे तेज प्रयागराज

फूलपुर। फूलपुर के लोकप्रिय संसद प्रवीण पटेल को दूसरी बार 9 सितंबर 2026 को संसद रत्न पुरस्कार से नवाजे गए इसके पहले उन्हें पूर्व में 2025 में पहली बार एवं 2026 में दूसरी बार सांसद रत्न पुरस्कार मिला पुरस्कार मिलने पर फूलपुर संसदीय क्षेत्र के समर्थकको और कार्यकताओं ने खुशी जताई सांसद कार्यालय प्रभारी शिवनारायण सिह गप्पू ने कहा कि प्रवीण पटेल ने संसद में लगातार क्षेत्र की समस्याओं किसानो युवाओं और आम जनता के मुद्दों को मजबूती से उठाया है पुरस्कार मिलने पर ब्लाक प्रमुख फूलपुर निपेंद्र सिंह पटेल,भाजपा नेता अशोक चौधरी,भाजपा नेता विजय पाल, जिला महामंत्री अनिरुद्ध सिंह पटेल, संदीप दुबे, पिंटू दुबे, भूपेद मिश्रा, द्वरिका मौर्य, पुष्कर सिंह पटेल मंडल अध्यक्ष, प्रताप बहादुर सिंह, हरिश्चंद्रपटेल, पवन शुक्ला मंडल महामंत्री, बृजेंद्र मिश्रा, बब्बू मिश्रा, आदि लोग पुरस्कार मिलने पर खुशी जताई है।

इफको इकाई प्रमुख पीके सिंह ने सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने पर दिया जोर

इफको फूलपुर में केंद्रीय सुरक्षा समिति की समीक्षा बैठक, संभावित जोखिमों की पहचान कर रोकथाम के निर्देश

मौजी लाल रावत

फूलपुर। इफको फूलपुर इकाई में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर केंद्रीय सुरक्षा समिति की वर्ष 2026 की तृतीय समीक्षा बैठक हुई। इकाई प्रमुख पीके सिंह की अध्यक्षता में बुधवार को हुई बैठक में कार्यस्थल पर सुरक्षा मानकों के पालन से लेकर सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली की स्थिति पर चर्चा की गई। अधिकारियों ने संभावित जोखिमों को समय रहते चिह्नित कर दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए प्रभावी कदम उठाने पर जोर दिया।

पीके सिंह ने कहा कि औद्योगिक इकाई में उत्पादन के साथ कर्मचारियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। कार्यस्थल पर सुरक्षा नियमों का पालन किसी औपचारिकता तक सीमित न रहे, बल्कि इसे कार्य संस्कृति का हिस्सा बनाया जाए। उन्होंने सुरक्षित और स्वस्थ वातावरण बनाए रखने के लिए लगातार निगरानी, सतर्कता और सामूहिक जिम्मेदारी पर जोर दिया।

बैठक में इकाई में संचालित सुरक्षा पहलों की प्रगति की समीक्षा की गई। सुरक्षा व्यवस्था में संभावित कमियों को चिह्नित कर उनके तत्काल निराकरण, आपात स्थितियों से निपटने की तैयारियों और सुरक्षा उपायों को और प्रभावी बनाने पर विचार-विमर्श हुआ। अधिकारियों ने कार्यस्थल पर जोखिम वाले क्षेत्रों की नियमित निगरानी और सुरक्षा मानकों के अनुपालन को प्राथमिकता देने की बात कही। अग्नि एवं सुरक्षा अधिकारी विवेक यादव समेत सुरक्षा से जुड़े अधिकारियों ने भी सुरक्षा व्यवस्था को लेकर आवश्यक बिंदुओं पर चर्चा की। बैठक में सुरक्षा को लेकर कर्मचारियों में निरंतर जागरूकता बनाए रखने और निर्धारित मानकों का सख्ती से पालन कराने पर जोर दिया गया। बैठक में उपमहाप्रबंधक कार्मिक एवं प्रशासन शंभू शेखर, मुख्य सुरक्षा अधिकारी गोरख सिंह सेंगर, अग्नि एवं सुरक्षा अधिकारी विवेक यादव, पीके पटेल, एके गुप्ता, रत्नेश कुमार, संजय अग्रवाल, संयुक्त महाप्रबंधक आशीष कुमार, एसके मिश्रा, अखिलेश निगम, इफको अधिकारी संघ के अध्यक्ष अनुराग तिवारी, महामंत्री स्वयं प्रकाश समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

दहेज के लिए विवाहिता की हत्या करने वाला दूसरा आरोपी गिरफ्तार

सबूत मिटाने के लिए चुराया था सीसीटीवी का ऊश्फ

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। सोरांव पुलिस टीम ने दहेज हत्या के मामले में फरार चल रहे दूसरे वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार कर भेजा जेल, आरोपी के कब्जे से घटना से जुड़ा 1 ऊश्फ भी बरामद किया गया है। थाना सोरांव क्षेत्र के अहिवीपुर निवासी अब्बास अली पुत्र स्व0 अब्दुल गफ्फार ने तहरीर दी थी कि उनकी पुत्री की शादी अफसार अहमद निवासी महरौड़ा, थाना मऊआइमा से हुई थी। शादी के बाद से ससुरालीजन अतिरिक्त दहेज की मांग को लेकर उनकी पुत्री को प्रताड़ित करते थे और अंत में उसकी हत्या कर दी गई। तहरीर के आधार पर थाना सोरांव पर मु0अ0सं0 268/2026 के तहत 1. अफसार अहमद 2. वकार अहमद 3. नूरजहां 4. बबई 5. अब्दुल्ला सभी निवासी महरौड़ा, मऊआइमा के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत किया गया था। थाना सोरांव पुलिस टीम ने बुधवार को मुखबिर की सूचना पर ग्राम भोपतपुर सड़क तिराहे के पास से वांछित अभियुक्त मो0 अब्दुल पुत्र वकार अहमद निवासी ग्राम महरौड़ा, थाना मऊआइमा को गिरफ्तार किया।

पूछताछ में जुर्म कबूलाझ्र गिरफ्तार अभियुक्त ने पूछताछ में बताया कि बड़े भाई अफसार अहमद की पत्नी परिवार से अलग रहने का दबाव बना रही थी, जिसको लेकर पति-पत्नी में विवाद व घर में कलह रहता था। कुछ समय बाद झगड़ा होने पर भाभी बच्चों के साथ थाना सोरांव क्षेत्र के पसियापुर में जाकर रहने लगी। इसी रंजिश में अभियुक्त, उसके पिता व बड़े भाई ने योजना बनाकर पसियापुर जाकर उसकी हत्या कर दी। हत्या के बाद जब पता चला कि आने-जाने की फोटो पड़ोस में लगे उउळश कैमरे में कैद हो गई है तो सबूत मिटाने के लिए अभियुक्त ने अपने दोस्त मोहिद उर्फ अल्ताफ के साथ मिलकर ऊश्फ को जबरदस्ती निकाल लिया और प्रयागराज ले जाकर फॉर्मेट करा दिया था। पुलिस ने उसी ऊश्फ को बरामद कर लिया है। पुलिस ने बरामदगी के आधार पर उक्त मुकदमे में बढ़ोत्तरी की है। पुलिस टीम ने बताया कि इस मामले में पूर्व में 01 अभियुक्त को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा जा चुका है, शेष अभियुक्तों की तलाश जारी है।

गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में नि0 श्रवण कुमार यादव, उ0नि0 जय प्रकाश सिंह, उ0नि0 सूरज राठी, रि0का0 शिवम उपाध्याय थाना सोरांव कमिश्नरेट प्रयागराज।

आपत्तिजनक फोटो-वीडियो वायरल करने की धमकी देकर 50 हजार वसूलने वाला गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। नवाबगंज थाना पुलिस ने आपत्तिजनक फोटो और वीडियो वायरल करने की धमकी देकर रुपये वसूलने के मामले में एक वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से घटना से संबंधित एक मोबाइल फोन के साथ .315 बोर का अवैध देशी तमंचा और दो कारतूस बरामद किए हैं।

पुलिस के मुताबिक, नवाबगंज थाना क्षेत्र के ग्राम झोखरी आदमपुर निवासी विनोद केसरवानी ने शिकायत दर्ज कराई थी कि घाटमपुर निवासी सुचित मौर्य ने उनकी पुत्री को कॉलेज से लाते समय कोल्ड ड्रिंक में नशीला पदार्थ पिलाकर उसकी आपत्तिजनक फोटो और वीडियो बना लिए।

आरोप है कि आरोपी ने किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी भी दी।

शिकायत के अनुसार, पुत्री की 15 नवंबर 2026 को प्रस्तावित सगाई की जानकारी होने पर आरोपी ने उसके होने वाले दामाद को आपत्तिजनक फोटो और वीडियो भेज दिए।

इसके बाद शादी करने पर जान से मारने और फोटो-वीडियो वायरल करने की धमकी देते हुए कथित तौर पर 50 हजार रुपये वसूल लिए तथा 10 लाख रुपये की और मांग की।

तहरीर के आधार पर नवाबगंज थाने में मुकदमा अपराध संख्या 388/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं और आईटी एक्ट की धारा 67(ए) में मुकदमा दर्ज किया गया था। अभियुक्त की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम गठित की गई थी।

पुलिस ने बताया कि अभियान के तहत कार्रवाई करते हुए सुचित मौर्य (22) पुत्र राम नरेश मौर्य, निवासी ग्राम घाटमपुर, थाना नवाबगंज को बुधवार को नवाबगंज स्थित नो-एंट्री प्वाइंट के पास से गिरफ्तार किया गया। उसके पास से मुकदमे से संबंधित मोबाइल फोन, .315 बोर का अवैध देशी तमंचा और दो कारतूस बरामद हुए। बरामदगी के आधार पर मुकदमे में आयुध अधिनियम की धारा 3/25 की बढ़ोतरी की गई है।

गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक राजेन्द्र कुमार पाल, उपनिरीक्षक रजनेश कुमार शर्मा, उपनिरीक्षक विजेन्द्र नाथ राय, उपनिरीक्षक राम अचल सिंह, हेड कांस्टेबल सौरभ सिंह और कांस्टेबल दीपक कुमार शामिल रहे।

डीएम की अध्यक्षता में जिला नगरीय विकास अभिकरण (डूडा) द्वारा संचालित योजनाओं की शासी निकाय की बैठक संपन्न

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज । डीएम मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में बुधवार को एनआईसी कक्ष में जिला नगरीय विकास अभिकरण (डूडा) द्वारा संचालित योजनाओं की शासी निकाय की बैठक आयोजित हुई।

बैठक में मुख्यमंत्री अल्पविकसित व मलिन बस्ती विकास योजनान्तर्गत शासन द्वारा स्वीकृत कार्यों के सापेक्ष डी पी आर प्रेषित किए जाने हेतु सभी सदस्यों के द्वारा सर्वसहमति व्यक्त की गई।

प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 1.0 के अन्तर्गत बचे हुए अवासो को जल्द पूर्ण कराए जाने के निर्देश संबंधित संस्था को दिए गए।

प्रधानमंत्री आवास योजना- शहरी 2.0 के अन्तर्गत जिन लाभार्थियों के खाते में आवास निर्माण कार्य कराए जाने हेतु प्रथम किश्त की धनराशि अंतरित की गई है, उनके अवासो का जियोटैग और ससमय आवास निर्माण पूर्ण कराए जाने हेतु समस्त जोनल अधिकारी, नगर निगम प्रयागराज को निर्देशित किया गया। स्वनिधी योजना के अंतर्गत लंबित लोन आवेदन के सापेक्ष वेंडर्स को लोन दिए जाने के निर्देश सहायक अग्रणी जिला प्रबंधक को दिए गए।

उक्त बैठक में जनपद की नगर पंचायतों के अध्यक्ष, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट, अपर नगर आयुक्त, समस्त अधिशासी अधिकारी, परियोजना अधिकारी, समस्त जोनल अधिकारी, समस्त जनपद स्तरीय अधिकारी व अन्य उपस्थित रहे।

सीएमओ ने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, शंकरगढ़ का औचक निरीक्षण किया गया

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा बुधवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र (सीएचसी) शंकरगढ़ का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान चिकित्सीय सेवाओं, साफ-सफाई, मानव संसाधन की उपस्थिति, प्रयोगशाला, प्रसव कक्ष तथा राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों की व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। निरीक्षण में विभिन्न स्तरों पर कमियां एवं लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए।

निरीक्षण में पाया गया कि आरबीएसके की दोनों टीमें वाहन उपलब्ध न होने के कारण फील्ड विजिट नहीं कर रही थीं, जबकि दोनों वाहनों का भुगतान अगस्त 2026 तक किया जा चुका है। इस पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने चिकित्सा अधीक्षक, सीएचसी शंकरगढ़ को निर्देशित किया कि उक्त दोनों वाहनों के स्थान पर तत्काल नए वाहनों की व्यवस्था सुनिश्चित करें, ताकि आरबीएसके टीमों की फील्ड गतिविधियां नियमित एवं निर्बाध रूप से संचालित हो सकें।

बीपीएचयू के निरीक्षण के दौरान बेसिन में बड़ी संख्या में उपयोग की गई स्लाइड्स पड़ी हुई मिलीं। इनके उचित निस्तारण की व्यवस्था न किए जाने पर एलटी योगेश को स्पष्टीकरण पत्र जारी करने के निर्देश दिए गए। बीपीएचयू एवं अस्पताल परिसर में साफ-सफाई की स्थिति भी संतोषजनक नहीं मिली। डस्टबिन में काफी मात्रा में अपशिष्ट पाया गया। प्रयोगशाला कक्ष में मरीजों एवं अन्य लोगों की लंबी भीड़ भी पाई गई। संबंधित अधिकारियों को साफ-सफाई एवं मरीजों की सुविधा की व्यवस्था तत्काल दुरुस्त करने के निर्देश दिए गए।

प्रसव कक्ष के निरीक्षण में पाया गया कि अंतिम प्रसव प्रातः लगभग 09:00 बजे हुआ था, जबकि जच्चा-बच्चा को लगभग 12:30 बजे ही डिस्चार्ज कर दिया गया। प्रसव कक्ष में एक्सपायरी निडिल भी पाई गई। इस पर स्टाफ नर्स रूपा पाण्डेय एवं सरिता को कठोर चेतावनी पत्र जारी करने के निर्देश दिए गए। साथ ही प्रसव कक्ष में दवाओं एवं उपभोग्य सामग्री की नियमित जांच तथा मरीजों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

उपस्थिति पंजिका की जांच में प्रदुम्न सिंह (बीएचडब्लू), धर्मेंद्र एवं अमित कुमार सिंह (वार्ड ब्वॉय), जयपाल सिंह (हेल्थ सुपरवाइजर), उदय प्रताप सिंह (डीआरए), अरुण कुमार (एआरओ), सिराजुद्दीन (LT-NTEP) तथा आरती सिंह (कोल्ड चेन हैंडलर) अनुपस्थित पाए गए। मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा इन सभी का आज का वेतन रोकते हुए स्पष्टीकरण पत्र जारी करने के निर्देश दिए गए।

निरीक्षण के दौरान चिकित्सालय की समग्र व्यवस्थाओं में अपेक्षित सुधार न पाए जाने पर चिकित्सा अधीक्षक, सीएचसी शंकरगढ़ को चेतावनी देते हुए निर्देशित किया गया कि वे स्वयं चिकित्सालय का प्रतिदिन नियमित राउंड करें तथा चिकित्सालय में साफ-सफाई, स्टाफ की उपस्थिति, मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही सेवाओं, दवाओं एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं की नियमित निगरानी करते हुए सभी व्यवस्थाओं को सुचारू रूप से संचालित कराना सुनिश्चित करें। निर्देशित किया कि स्वास्थ्य स्वास्थ्य इकाइयों में मरीजों को गुणवत्तापूर्ण एवं सुरक्षित स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता है। अनधिकृत अनुपस्थिति, साफ-सफाई में लापरवाही, जैव-चिकित्सीय अपशिष्ट के अनुचित निस्तारण, एक्सपायरी सामग्री के उपयोग/भंडारण तथा स्वास्थ्य सेवाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही को स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निरीक्षण में पाई गई कमियों का तत्काल निराकरण कर अनुपालन आख्या प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

मानवाधिकार भारत के राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल भारतीय ने अरविन्द्र को प्रयागराज का जिलाध्यक्ष मनोनीत किया

नियुक्ति पर समर्थकों और शुभचिंतकों में खुशी की लहर, दी गई बधाई

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। मानवाधिकार भारत संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल भारतीय ने संगठन को और अधिक मजबूत एवं प्रभावी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए अरविन्द्र कुमार सरोज को जनपद प्रयागराज का जिलाध्यक्ष मनोनीत किया है।

अरविन्द्र कुमार सरोज की नियुक्ति के बाद संगठन के पदाधिकारियों, कार्यकताओं एवं उनके शुभचिंतकों में खुशी की लहर दौड़ गई। लोगों ने उन्हें नई जिम्मेदारी मिलने पर बधाई देते हुए उम्मीद जताई कि उनके नेतृत्व में प्रयागराज जनपद में संगठन और अधिक मजबूत होगा तथा मानवाधिकारों की रक्षा एवं सामाजिक न्याय के लिए प्रभावी ढंग से कार्य करेगा।

राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल भारतीय ने कहा कि संगठन का उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक न्याय, समानता और मानवाधिकारों के प्रति जागरूकता पहुंचाना है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि अरविन्द्र कुमार सरोज अपनी जिम्मेदारियों का पूरी निष्ठा, ईमानदारी और सक्रियता के साथ निर्वहन करेंगे।

नवनियुक्त जिलाध्यक्ष अरविन्द्र कुमार सरोज ने राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल भारतीय एवं संगठन के शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें जो महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है, उसका वे पूरी निष्ठा और ईमानदारी से निर्वहन करेंगे।

उन्होंने कहा कि संगठन की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने तथा जरूरतमंद और पीड़ित लोगों की आवाज को मजबूती से उठाने का प्रयास किया जाएगा।

अरविन्द्र कुमार सरोज की नियुक्ति पर संगठन के पदाधिकारियों एवं सामाजिक कार्यकताओं ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दी हैं।

डीएम ने स्वरूपरानी चिकित्सालय का किया औचक निरीक्षण, उपलब्ध व्यवस्थाओं का लिया जायजा

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा बुधवार को स्वरूपरानी चिकित्सालय का औचक निरीक्षण कर मरीजों को उपलब्ध हो रही सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए सभी सम्बंधित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए है। जिलाधिकारी न्यूरोसर्जरी, नेफ्रोलॉजी ओपीडी कक्ष में पहुंचकर सम्बंधित चिकित्सकों से ओपीडी में आने वाले मरीजों के बारे में जानकारी लेते हुए प्रतिदिन होने वाली ओपीडी की संख्या के बारे में भी पूछा। इसके साथ ही साथ उन्होंने सिटी स्कैन कक्ष, दवा वितरण केन्द्र, जन औषधि केन्द्र, ट्रामासेंटर, एक्सरे रूम सहित अन्य चिकित्सा कक्षों का निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने आर्थो के वार्ड नम्बर-1 में सोम सिंह-वार्ड ब्वाय एवं आर्थो के वार्ड नम्बर-2 में शाहिद अली के अनुपस्थित पाये जाने पर उनके स्पष्टीकरण लिए जाने के लिए कहा है। उन्होंने अस्पताल परिसर में कार्मिक उपलब्ध करा रही सेवा प्रदाता एजेंसियों को रोस्टर के अनुसार कार्मिकों की ड्यूटी लगाने तथा उनकी उपस्थिति सुनिश्चित किए जाने के लिए निर्देशित किया।

निरीक्षण में जिलाधिकारी ने सख्त हिदायत देते हुए कहा कि किसी भी स्थिति में पर्चे पर बाहर की दवा न लिखी जाये। उन्होंने कहा कि अस्पताल में उपलब्ध दवाओं को ही लिखा जाये। यदि अस्पताल में सम्बंधित दवा न उपलब्ध हो, तो जनऔषधि केन्द्र पर मिलने वाली दवाओं को लिखे जाने के लिए कहा। उन्होंने दवा औषधि वितरण काउंटर पर पहुंचकर वहां पर खड़े मरीजों से पर्चा लेकर स्वयं काउंटर पर दवाओं की उपलब्धता के बारे में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कहा कि जो दवाएं अस्पताल के काउंटर में नहीं उपलब्ध हो, उन दवाओं के लिए मरीजों को अस्पताल परिसर में स्थित जनऔषधि केन्द्र पर दवा लेने के लिए गाइड करें। साथ ही साथ जिलाधिकारी ने यह भी निर्देशित किया कि जो दवाएं न उपलब्ध हो, उसके लिए पर्चे पर जनऔषधि केन्द्र की मोहर लगाते हुए जन औषधि केन्द्र पर दवा के लिए मरीजों को भेजे। जिलाधिकारी ने ड्रग इस्पेक्टर को जनऔषधि केन्द्र में उपलब्ध दवाओं का नियमित रूप से निरीक्षण करने के निर्देश दिए है। उन्होंने जनऔषधि केन्द्र के प्रभारी को मानक के अनुरूप ही दवाएं रखने के निर्देश दिए है। जिलाधिकारी ने कहा कि अस्पताल परिसर में कोई भी अनाधिकृत व्यक्ति घूमते हुए न मिले। प्रधानाचार्य के द्वारा बताया गया कि अस्पताल में एक ही एमआरआई की मशीन है। उन्होंने कहा कि एक एमआरआई मशीन की और आवश्यकता है। जिलाधिकारी ने एक और एमआरआई मशीन के लिए प्रस्ताव बनाकर उपलब्ध कराये जाने के लिए कहा है।

जिलाधिकारी ने एक्सरे कक्ष में जाकर वहां पर कितने मरीजों का एक्सरे किया गया, के बारे में जानकारी लेते हुए कहा कि मरीजों को एक्सरे फिल्म के साथ-साथ उसकी रिपोर्ट भी दी जाये। ट्रामासेंटर के निरीक्षण में जिलाधिकारी ने वहां की व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने अस्पताल में साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था बनाये रखने तथा अस्पताल में भर्ती मरीजों की बेडशीट को नियमित रूप से बदलने के लिए कहा है।

जिलाधिकारी ने कहा कि मरीजों व उनके तीमारदारों के साथ अच्छा व्यवहार हो, मरीजों को किसी भी प्रकार की परेशानी न होने पाये तथा उनका समुचित उपचार की व्यवस्था सुनिश्चित की जाये। जिलाधिकारी ने अस्पताल में मां की रसोई को भी देखा। वहां की साफ-सफाई की व्यवस्था एवं खाने की गुणवत्ता की प्रशंसा की। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी हर्षिका सिंह, नगर मजिस्टेज्ट विनय सिंह सहित अन्य सम्बंधित चिकित्सकगण उपस्थित रहे।

संपादकीय

जिंदगी ना मिलेगी दोबारा: जिंदादिली से जीने की सीखें कला

जीवन का वास्तविक मूल्य इस बात से समझा जा सकता है कि ब्रह्मांड की संपूर्ण संपत्ति, आधुनिक चिकित्सा विज्ञान, सरकारें और धार्मिक अनुष्ठान मिलकर भी किसी मृत शरीर में एक क्षण के लिए भी प्राण नहीं फूंक सकते। यह जीवन अत्यंत अनमोल है और इसे समाप्त करने का अधिकार किसी को नहीं है। प्रतिवर्ष 10 सितंबर को 'विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस' मनाया जाता है, जिसका मुख्य उद्देश्य निराशा और नकारात्मकता को दूर कर समाज में एक सकारात्मक वातावरण का निर्माण करना है। वर्ष 2024 से 2026 की अवधि के लिए इसकी निर्धारित थीम "आत्महत्या के बारे में सोच बदलना और बातचीत शुरू करना" रखी गई है।

वर्तमान दौर में आत्महत्या की बढ़ती घटनाएं संकेत देती हैं कि हमारी जीवनशैली और सामाजिक ताना-बाना कहीं न कहीं असंतुलित हो चुका है। मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं, अकेलापन, कमजोर सामाजिक रिश्ते, असफलता, करियर का दबाव, आर्थिक अस्थिरता, भावनात्मक आघात और झूठे दिखावे की होड़ इंसान को अंदर से खोखला कर रही हैं। किसी एक व्यक्ति की आत्महत्या केवल एक जीवन का अंत नहीं होती, बल्कि पूरे परिवार, कार्यस्थल और समाज में कभी न भरने वाला एक खालीपन छोड़ जाती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट दशार्ती है कि युवाओं में मृत्यु का तीसरा सबसे बड़ा कारण आत्महत्या ही है। भारत में, विशेषकर किसानों और मजदूरों के बीच यह समस्या बेहद गंभीर रूप धारण कर चुकी है।

अधिकांश परिस्थितियों में इंसान अपनी ही कुछ आदतों और अनुचित निर्णयों के कारण मानसिक तनाव के जाल में फंसता चला जाता है। जल्द गुस्सा होना, समाधान के बजाय समस्याओं पर ध्यान केंद्रित करना, दूसरों से अत्यधिक अपेक्षाएं रखना, बुरी संगत, ईर्ष्या और लगातार प्रतिस्पर्धा की दौड़ में भागना जैसी बातें व्यक्ति को निराशा की ओर धकेलती हैं। यदि मनुष्य स्वयं पर थोड़ा नियंत्रण रखे, अपनी इच्छाओं को सीमित करे, दिखावे से दूर रहे और जीवन में संतोष को अपनाए, तो इस स्थिति में बड़ा बदलाव लाया जा सकता है।

एक सुखद और तनावमुक्त जीवन जीने के लिए आत्म-मंथन और जीवनशैली में सकारात्मक बदलाव अत्यंत आवश्यक हैं। अंधविश्वास और दूसरों पर अंधा भरोसा करने से बचें। आधुनिक तकनीक और सोशल मीडिया का सीमित प्रयोग करें तथा पछतावे में समय गंवाने के बजाय वर्तमान में बेहतर करने की सोच रखें। शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य के लिए दैनिक व्यायाम, प्रकृति से जुड़ाव और दूसरों की मदद करने की भावना बहुत कारगर सिद्ध होती है। जब तक आप सही मार्ग पर हैं, तब तक इस बात की चिंता बिल्कुल छोड़ दें कि लोग आपके बारे में क्या सोचते हैं।

इतिहास और वर्तमान ऐसे उदाहरणों से भरे पड़े हैं, जहाँ लोगों ने अत्यंत विपरीत परिस्थितियों के बावजूद कभी हार नहीं मानी। अब्राहम लिंकन, डॉ. बी. आर. अंबेडकर, ए. पी. जे. अब्दुल कलाम, सावित्रीबाई फुले, निक वुजिचिक और दशरथ मांझी जैसे व्यक्तित्वों का जीवन इस बात का प्रमाण है कि हौसला बुलंद हो तो पहाड़ जैसी रुकावटों को भी रास्ता बनाया जा सकता है। संघर्ष जीवन का अभिन्न अंग है और समय हमेशा एक समान नहीं रहता। जब भी मन में निराशा या बुरे विचार आएं, तो यह याद रखना चाहिए कि परिस्थितियां परिवर्तनशील हैं और धैर्य व प्रयास से हर मुश्किल वक्त को बदला जा सकता है। जिंदगी काटने के लिए नहीं, बल्कि जिंदादिली के साथ पूरी क्षमता से जीने के लिए है।

स्थानीय निकाय चुनाव के बाद होगी गांवों की सरकारों के लिए मशक्कत

एन जी भट्ट

राजस्थान में स्थानीय निकाय चुनाव की प्रक्रिया आगे बढ़ने के साथ ही राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो गई हैं। शहरी निकायों में चुनावी तस्वीर साफ होने के बाद अब सियासी दलों और जनप्रतिनिधियों की नजर गांवों की सरकार पर टिकेगी। नगर निकाय चुनाव केवल स्थानीय सत्ता के समीकरण तय नहीं करेंगे, बल्कि इनके परिणाम आगामी पंचायत चुनावों की रणनीति और राजनीतिक माहौल को भी प्रभावित करेंगे। यही वजह है कि स्थानीय निकाय चुनाव के बाद गांवों की सरकार बनाने की मशक्कत किसी बड़े राजनीतिक अभियान से कम नहीं होगी।

राज्य में 309 नगरीय निकायों के चुनाव में 10,245 पार्षद पदों के लिए मुकाबला हो रहा है। नगरीय निकाय चुनावों में मतदान से पहले कुल 77 पार्षद निर्विरोध निर्वाचित हों गए हैं। निर्विरोध निर्वाचित पार्षदों में भाजपा के 44 कांग्रेस के 16 और निर्दलीय 17 पार्षद शामिल हैं । राजस्थान में नगर निकायों के लिए दो चरणों में 9 एवं 11 सितंबर को मतदान होगा और इसके बाद 14 सितंबर को मतगणना के बाद निकायों में बहुमत जुटाने और बोर्ड बनाने की कवायद शुरू होगी। 21 सितंबर को महापौर/सभापति/अध्यक्ष तथा 22 सितंबर को उपमहापौर/उपसभापति/उपाध्यक्ष का चुनाव होगा। राजस्थान में 10 निगम, 47 नगर परिषद और 252 नगर पालिकाए है । नगर निकायो के चुनावों के उपरान्त राजनीतिक दलों के सामने अगली बड़ी चुनौती पंचायत राज संस्थाओं के चुनाव होंगे। गांवों में सरपंच, पंचायत समिति और जिला परिषद स्तर पर राजनीतिक प्रभाव स्थापित करना प्रदेश की राजनीति में हमेशा से महत्वपूर्ण रहा है।

राजस्थान में इस बार 14,403 ग्राम पंचायतें, 457 पंचायत समितियां और 41 जिला परिषदें चुनाव होंगें हैं। १्नट की 14,403 ग्राम पंचायतों में 1,30,282 वार्ड हैं, जबकि 457 पंचायत समितियों में 8,221 और 41 जिला परिषदों में 1,403 वार्ड हैं। इस बार एक महत्वपूर्ण बात यह है कि सरपंच और वार्ड पंच के चुनाव मतपत्र से, जबकि पंचायत समिति और जिला परिषद सदस्यों के चुनाव ईवीएम से कराने की तैयारी है।

प्रस्तावित कार्यक्रम के अनुसार पंचायत चुनाव की प्रक्रिया 23 सितंबर से शुरू होकर 15 नवंबर 2026 तक पूरी करने का प्रस्ताव है। पंचायत समिति और जिला परिषद सदस्यों के चुनाव चार चरणों में 13, 23, 29 अक्टूबर और 3 नवंबर को प्रस्तावित हैं।

इसके बाद प्रधान और जिला प्रमुख के चुनाव 14 नवंबर, जबकि उपप्रधान और उपप्रमुख के चुनाव 15 नवंबर को प्रस्तावित हैं। यानी राजस्थान में इस बार 14,403 गांवों की सरकार चुनने के साथ-साथ 41 जिला प्रमुख और 457 प्रधान चुने जाएंगे। यानी प्रदेश में पंचायती राज संस्थाओं के प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष कुल 1,54,907 पदों के लिए चुनाव होने है।यही वजह है कि नगरीय निकाय चुनाव के बाद राजस्थान की राजनीति का पूरा फोकस गांवों की ओर मुड़ना तय है।

राजस्थान में पंचायतीराज संस्थाओं के चुनाव की तैयारियों के बीच आरक्षण लॉटरी की नई तारीखें तय कर दी गई हैं। संशोधित कार्यक्रम के अनुसार प्रधान, पंचायत समिति सदस्य और जिला परिषद सदस्यों के लिए आरक्षण लॉटरी 17 सितंबर 2026 को निकाली जाएगी, जबकि सरपंच और वार्ड पंच पदों के लिए आरक्षण की लॉटरी 18 सितंबर 2026 को होगी।

17 सितंबर को जिला स्तर पर लॉटरी ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग के संशोधित कार्यक्रम के मुताबिक 17 सितंबर को जिला स्तर पर आरक्षण प्रक्रिया आयोजित होगी। इसमें प्रमुख रूप से
जिला परिषद सदस्य,पंचायत समिति सदस्य
और प्रधान पद के लिए आरक्षण और लॉटरी की प्रक्रिया पूरी की जाएगी।इसके अगले दिन यानी 18 सितंबर को उपखंड स्तर पर सरपंच और वार्ड पंच पदों की आरक्षण लॉटरी निकाली जाएगी। इसके बाद यह स्पष्ट हो जाएगा कि संबंधित ग्राम पंचायतों और वार्डों में कौन-सी सीट सामान्य, महिला, एससी, एसटी या अन्य आरक्षित वर्गों के लिए निर्धारित होगी। आरक्षण लॉटरी की प्रक्रिया पहले अगस्त में प्रस्तावित थी, लेकिन इसे स्थगित कर संशोधित कार्यक्रम जारी किया गया।

अब 17 और 18 सितंबर को प्रदेशभर में पंचायत चुनाव से जुड़े राजनीतिक और स्थानीय समीकरण काफी हद तक साफ हो जाएंगे।सरपंच, वार्ड पंच, पंचायत समिति और जिला परिषद चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे दावेदारों के लिए आरक्षण लॉटरी बेहद अहम है।

अंतर्विरोधों से घिरा वचन भागवत

तनवीर जाफरी

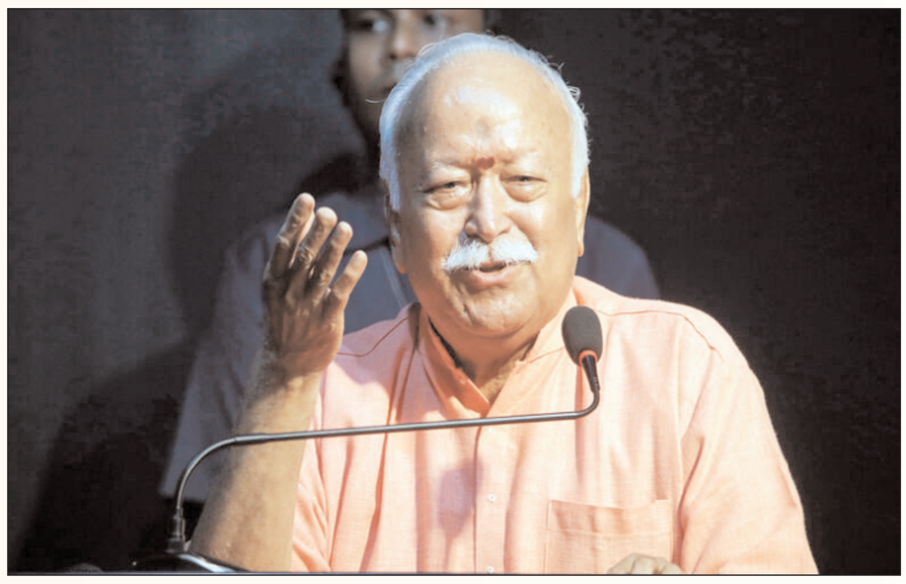

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना के 100 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में सरसंघचालक मोहन भागवत ने पिछले दिनों अमेरिका,कनाडा व ब्रिटेन की 17 दिवसीय यात्रा की। इस त्रिदेशीय यात्रा में जहाँ एक तरफ बड़ी संख्या में स्थानीय हिंदू और प्रवासी भारतीय संगठनों द्वारा उनका स्वागत किया गया वहीं दूसरी तरफ कई संगठनों द्वारा उनका कड़ा विरोध भी किया गया। विरोध करने वाले समूहों व प्रदर्शनकारी संगठनों का आरोप है कि आरएसएस एक अति-दक्षिणपंथी और बहुसंख्यकवादी विचारधारा को बढ़ावा देने वाला संगठन है, जो भारत के धर्मनिरपेक्ष लोकतांत्रिक मूल्यों के विपरीत है। कई सिविल सोसाइटी समूहों ने संघ के ढांचे को तानाशाही और सैन्यवादी करार देते हुए इसके वैश्विक प्रभाव पर चिंता जताई। मोहन भागवत का विरोध मुख्य रूप से मानवाधिकार संगठनों, प्रवासी भारतीय अल्पसंख्यक समुहों और कुछ विदेशी राजनेताओं द्वारा किया गया। हिंदूज फॉर ूमन राइट्स, इंडियन अमेरिकन मुस्लिम काउंसिल साउथ एशिया सॉलिडेरिटी ग्रुप और कई अन्य मानवाधिकार संगठनों ने इन विरोध प्रदर्शनों का नेतृत्व किया। इसके अतिरिक्त न्यूयॉर्क के मेयर जोहरान ममदानी, अमेरिकी सांसद रशीदा तालेब व जिम मैकगवर्न, और ब्रिटिश लेबर पार्टी की सांसद नादिया व्हिटोम ने सार्वजनिक रूप से इस यात्रा का विरोध व आलोचना की। इस विरोध के बीच संघ समर्थकों का कहना है कि मोहन भागवत की यात्रा का उद्देश्य वैश्विक कल्याण, सामाजिक सद्भाव और वसुधैव कुटुम्बकम् के संदेशों का प्रसार करना है।

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने न्यूयॉर्क में बीबीसी द्वारा आयोजित फेथ लीडर्स कॉन्फ्रेंस के दौरान यह कहा कि जो हिंदू यह मानता है कि मुसलमानों को भारत से बाहर निकाल देना चाहिए, वह हिंदू नहीं रह सकता।उन्होंने कहा कि मुसलमानों को देश से बाहर करने की सोच रखना पूरी तरह से हिंदुत्व के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि हिंदू होने का मतलब सभी धार्मिक रास्तों को एक ही लक्ष्य की ओर जाने वाला मानना और हर इंसान की गरिमा को स्वीकार करना है। उन्होंने वसुधैव कुटुम्बकम और डल्ली ६ङ्ग१-डल्ली ऌ४ेंल्ल३८ का नारा देते हुए कहा कि विविधता से हमारी साझा पहचान को कोई खतरा नहीं होना चाहिए। परन्तु भारत में मोहन भागवत के इस बयान के बाद राजनीतिक बहस छिड़ गई है। जहाँ भाजपा ने इसे हिंदू धर्म की सहिष्णुता और वास्तविक संदेश के रूप में सराहा, वहीं कांग्रेस, और अन्य विपक्षी दलों ने सवाल उठाया कि आरएसएस प्रमुख ऐसा ही कड़ा संदेश भारत में अपने कार्यकताओं को क्यों नहीं देते। एक सवाल यह भी है कि आखिर भागवत को अमेरिका में जाकर यह बात कहनी ही क्यों पड़ी ?

दरअसल आलोचकों द्वारा भागवत के बयान को मूल रूप से दो सन्दर्भों में देखा जा रहा है। पहला संघ के मुस्लिम विरोधी वह सिद्धांत जो और किसी के द्वारा नहीं बल्कि स्वयं आरएसएस के दूसरे सरसंघचालक एम. एस. गोलवलकर (गुरुजी) द्वारा लिखित किताब बंच ऑफ थॉट्स में मुसलमानों,ईसाईयों और कम्युनिस्टों को लेकर व्यक्त किये गए हैं। उन्होंने इस पुस्तक के एक विशेष अध्याय, जिसका शीर्षक आंतरिक खतरे है, में मुसलमानों को लेकर गोलवलकर ने लिखा कि भारत में रहने वाले कई मुसलमानों की निष्ठा भारत के बजाय उन मुस्लिम देशों के प्रति अधिक है जिन्हें वे पवित्र मानते हैं। उन्होंने दावा किया कि देश के कई हिस्सों में मुस्लिम आबादी भारत विरोधी और पाकिस्तान समर्थक गतिविधियों में शामिल रहती है।

उनका मानना था कि मुस्लिम समुदाय खुद को भारत की मुख्य सांस्कृतिक और राष्ट्रीय धारा से अलग रखता है, जो देश की अखंडता के लिए चुनौती है। उन्होंने इतिहास का हवाला देते हुए कहा कि मुस्लिम आक्रमणकारियों ने भारत की संस्कृति और मंदिरों को नष्ट किया, और वह मानसिकता आज भी पूरी तरह खत्म नहीं हुई है। गोलवलकर के इन विचारों की वजह से ही बंच ऑफ थॉट्स की हमेशा तीखी आलोचना होती रही है। सवाल यह है कि इन साहित्यों व संस्कारों के मध्य पला बढ़ा कोई भी स्वयं सेवक और गोलवलकर की विचारधारा का अनुसरण करने वाले लोग उनके इस साम्प्रदायिकतावादी नफरती विचारों से स्वयं को दूर कैसे कर सकते हैं?

दूसरा यह कि आज प्रधानमंत्री से लेकर देश के अनेक भाजपाई मंत्रियों मुख्यमंत्रियों बड़े नेताओं व जिम्मेदार लोगों द्वारा देश की संसद से लेकर जनसभाओं तक में सरे आम अल्पसंख्यकों को अपमानित किया जा रहा हैं। उन्हें धमकाया जाता है,समुदाय विशेष के लोगों की मॉब लिंचिंग की जाती है,उनके घर मदरसे,चर्च।मस्जिद आदि गिराए जाते हैं या उनमें तोड़ फोड़ की जाती है। कभी मौलवियों कभी पादरियों तो कभी नन्स पर हमले होते हैं। दुनिया भर के अखबारों में इस संबंध में खबरें व लेख प्रकाशित होते हैं। इससे निश्चित रूप से हमारे धर्मनिरपेक्ष देश की बदनामी होती है। सवाल यह है कि इस तरह के कृत्य में शामिल लोगों के लिये क्या आज तक संघ ने कोई सीधा कड़ा सन्देश दिया ? किसी को ऐसी गैर जिम्मेदाराना बातों के लिये भाजपा या संघ से बाहर निकाला गया ? प्रधानमंत्री स्वयं शमशान व कब्रिस्तान में अंतर का सन्देश देते हैं। लोकसभा में एक भाजपाई सांसद एक मुस्लिम सांसद को धर्म सूचक गलियां देता है। विश्व हिन्दू परिषद की फायरब्रांड नेता साध्वी प्राची यह कहती हैं कि जिस दिन भारत में मस्जिदें और मदरसे बंद हो जाएंगे, उस दिन लव जिहाद खत्म हो जाएगा और पूरी दुनिया में शांति आ जाएगी। उन्होंने हिंदुओं से अधिक बच्चे पैदा करने का आान करते हुए नारा दिया, हिंदू घटेंगे तो कटेंगे, जिसमें उन्होंने मुस्लिम आबादी के बढ़ने को हिंदुओं के अस्तित्व के लिए खतरा बताया। संघ,परिषद,भाजपा व बजरंग दल के पदाधिकारी अक्सर रैलियों, शौर्य यात्राओं और गो-रक्षण प्रदर्शनों के दौरान सीधे तौर पर मुसलमानों को चेतावनी देते हैं। शौर्य सभाओं के दौरान बजरंग दल के वक्ताओं ने कथित तौर पर खुले मंचों से चेतावनी दी कि यदि हमारी बेटियों या गायों को नुक़्सान पहुंचाया गया, तो 2002 के गुजरात जैसा जवाब दिया जाएगा। समय-समय पर धार्मिक जुलूसों और विरोध प्रदर्शनों में बजरंग दल के कार्यकताओं द्वारा मुस्लिम समुदाय और इस्लामिक जिहाद के खिलाफ अत्यधिक भड़काऊ और हिंसक नारेबाजी की जाती है। भारत हेट लैब और सिटिजेंस फॉर जस्टिस एंड पीस जैसी संस्थाओं की रिपोर्टों के अनुसार, देश में होने वाली मुस्लिम विरोधी हेट स्पीच की घटनाओं में एक बड़ा हिस्सा संघ,विश्व हिन्दू परिषद और बजरंग दल से जुड़े संगठनों या नेताओं का होता है।

इन बयानों के कारण सुप्रीम कोर्ट को भी कई बार हस्तक्षेप करना पड़ा है और नफरत भरे भाषणों को रोकने के लिए सख्त निर्देश जारी करने पड़े हैं। कई मामलों में इन नेताओं के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत प्राथमिकियां भी दर्ज की गई हैं। ऐसे हजारों उदाहरण हैं। तो क्या कभी संघ प्रमुख ने कभी ऐसे नेताओं को चेतावनी दी ? या उनके विरुद्ध कोई कार्रवाई की ? दरअसल भारत में भागवत की खामोशी और विदेशों में वसुधैव कुटुम्बकम् का उद्घोष ही यह साबित करता है कि वचन भागवत पूरी तरह अंतर्विरोधों से घिरा हुआ है।

पानी बहे, विवाद नहीं : सोन जल समझौते से सहकारी संघवाद की नई राह

डॉ. सत्यवान सौरभ

अंतरराज्यीय नदियाँ केवल बहते पानी की नदियाँ ही नहीं हैं, बल्कि ये जीवन रेखाएँ हैं जो कृषि उत्पादन, पेयजल आपूर्ति, उद्योगों, पारिस्थितिकी तंत्र और लाखों लोगों की आजीविका को सहारा देती हैं। हालाँकि, नदियों का प्रवाह राज्य की सीमाओं को भी पार कर सकता है, इसलिए इनका प्रबंधन राज्यों के बीच टकराव का कारण बन सकता है। हाल ही में बिहार-झारखंड के बीच सोन नदी को लेकर हुआ समझौता, जिसका उद्देश्य लगभग 25 वर्षों से चले आ रहे जल विवाद को बातचीत के माध्यम से हल करना है, सतत जल प्रबंधन का एक महत्वपूर्ण उदाहरण है झ्र एक ऐसा जल मुद्दा जिसे केवल सहयोग से ही सुलझाया जा सकता है, न कि टकराव से।

अंतरराज्यीय जल संघर्षों के निरंतर बने रहने का मुख्य कारण जल विकास के लिए परस्पर विरोधी हित हैं। एक राज्य सिंचाई के लिए अधिक जल का उपयोग कर सकता है, जबकि दूसरा पेयजल, उद्योग या शहरी विकास के लिए। ये सभी आवश्यकताएँ जायज हैं, लेकिन जल सीमित है। यदि कई राज्य एक ही नदी पर निर्भर हैं, तो संसाधन दुर्लभ हो जाते हैं और इन आवश्यकताओं को संतुलित करना संघीय प्रशासन के लिए एक चुनौती बन जाता है।

विभिन्न क्षेत्रों और ऋतुओं में जल असंतुलन से जटिलताएं और बढ़ जाती हैं। मानसून के मौसम में अच्छी वर्षा प्राप्त करने वाले क्षेत्रों में उस दौरान भारी वर्षा हो सकती है, लेकिन ग्रीष्म ऋतु में वर्षा की कमी हो सकती है। इस प्रकार, एक नदी एक वर्ष भरपूर जल से भरी हो सकती है और दूसरे वर्ष विरल हो सकती है। जलवायु परिवर्तन के कारण यह स्थिति और भी अनिश्चित होती जा रही है। वर्षा के बदलते पैटर्न से नदियों के प्रवाह में परिवर्तन हो रहा है, जबकि लंबे समय तक सूखा पड़ने और चरम मौसम की घटनाएं भी जल उपलब्धता को प्रभावित कर रही हैं और जल उपलब्धता के बारे में अनुमानों को कम विश्वसनीय बना रही हैं।

प्रशासनिक पुनर्गठन से ऐतिहासिक समझौतों पर असहमति भी उत्पन्न हो सकती है। बिहार-झारखंड संबंधों के मामले में भी यही स्थिति है। एक ही प्रशासनिक ढांचे के भीतर हुए समझौतों पर पुनर्विचार करना पड़ सकता है यदि राज्यों का पुनर्गठन हो और उनकी कृषि, जनसंख्या और आर्थिक आवश्यकताएं विकसित हों। दशकों पहले प्रचलित ह्यनिष्पक्षताह्ल की अवधारणा वर्तमान संदर्भ में लागू होना आवश्यक नहीं है।

संघर्ष का एक अन्य बड़ा कारण ऊपरी इलाकों में चल रही परियोजनाओं का विकास और उनका उपयोग है। बांधों, बैराजों और सिंचाई योजनाओं के कारण निचले इलाकों में पानी की मात्रा और निकासी का कार्यक्रम प्रभावित हो सकता है। सूचना साझाकरण और राज्यों के बीच परियोजना समन्वय के अभाव में, तकनीकी कार्य में निपुणता भी अविश्वास का कारण बन सकती है।

पारदर्शी और वास्तविक समय के जलवैज्ञानिक आंकड़ों की अनुपलब्धता विवादों को और बढ़ा देती है। राज्यों के बीच आवंटित जल की मात्रा और उपलब्ध जल की मात्रा को लेकर अलग-अलग लक्ष्य हो सकते हैं। यदि वर्षा की मात्रा, नदी के प्रवाह, जलाशयों के स्तर और जल उपयोग के बारे में कोई साझा, वैज्ञानिक रूप से स्वीकृत जानकारी उपलब्ध नहीं है, तो बातचीत आसानी से परस्पर विरोधी मांगों पर बहस में बदल सकती है।

अगर लोग राजनीतिक रूप से संगठित हो जाते हैं तो स्थिति और बिगड़ सकती है। पानी का मुद्दा भावनात्मक है और इसका किसानों, परिवारों और स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं पर सीधा प्रभाव पड़ता है। अगर तकनीकी समस्या क्षेत्रीय मुद्दा या राजनीतिक विवाद बन जाती है, तो समझौता करना मुश्किल हो जाता है। संस्थागत संवाद का यही उद्देश्य है, ताकि यह एक लंबा संघीय संघर्ष न बन जाए। सोन नदी के लिए बिहार-झारखंड का दर्जा समझौता वार्ता के महत्व का एक उदाहरण है। दोनों राज्यों ने आपसी सहमति से समाधान खोजने के लिए एक-दूसरे से संपर्क साधकर अहिंसक तरीके से विवाद को सुलझाने का प्रयास किया है। रिपोर्ट के अनुसार, बिहार को 575 करोड़ एकड़-फीट (टअऋ) और झारखंड को 2 करोड़ एकड़-फीट (टअऋ) जल आवंटन प्राप्त हुआ है। लेकिन इस समझौते का प्रभाव केवल इन आंकड़ों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इसके दूरगामी परिणाम भी हैं। इसका वास्तविक महत्व यह संदेश देना है कि राज्य अपने हितों की रक्षा करने के साथ-साथ अन्य राज्यों की आवश्यकताओं को भी समझने में सक्षम हैं।बातचीत से साझा अवसंरचना के बेहतर उपयोग के अवसर भी मिल सकते हैं। खंडित जल प्रबंधन की बजाय समन्वित जल प्रबंधन से इंद्रपुरी बैराज और उससे जुड़े नहर नेटवर्क से अधिक लाभ प्राप्त हो सकते हैं।

रास्ते अब मंजिल तक नहीं, जीवन, स्वास्थ्य और प्रकृति से भी जोड़ेंगे

प्रो. आरके जैन 'अरिजीत'

रास्ते अब मंजिल तक नहीं, जीवन, स्वास्थ्य और प्रकृति से भी जोड़ेंगे। सड़कें किसी देश की केवल राहें नहीं, उसके विकास की दिशा भी बताती हैं। भारत में ये अब शहरों और बाजारों को जोड़ने वाले रास्ते भर नहीं रहीं, बल्कि बदलती विकास-दृष्टि की पहचान बन रही हैं। एनएचएआई की ह्यआरोग्य वनह्ल पहल के तहत राजमार्गों के दोनों ओर नीम, आंवला, जामुन, इमली जैसी औषधीय वृक्ष प्रजातियाँ (और उपयुक्त स्थानों पर तुलसी, अश्वगंधा जैसी वनस्पतियाँ) कतारों में दिखें, तो यह केवल सड़क-सौंदर्य नहीं होगा। यह उस समझ का संकेत होगा कि तेज रफ्तार विकास को भी अंततः हवा, पानी और हरियाली की जरूरत है। सड़क किनारे खड़ा एक छोटा पौधा इसलिए मामूली नहीं—वह उस सोच का प्रतीक है, जिसमें विकास प्रकृति को पीछे छोड़कर नहीं, साथ लेकर आगे बढ़ना चाहता है।

इसे सिर्फ हरियाली की सरकारी कवायद मानना, इसके भीतर छिपे बड़े अर्थ को अनदेखा करना होगा। सड़क किनारे औषधीय पौधों की कतारें एक ऐसी मौन स्वास्थ्य-पट्टी बन सकती हैं, जो बिना कुछ कहे यात्री के मन तक पहुंचे। लंबी यात्रा में धूल, धुआं, शोर और तनाव के बीच तुलसी की सुगंध, नीम की छाया या आंवला-जामुन की हरियाली मन को ठहरने का अहसास दे सकती है। साथ ही, ये पौधे प्रकृति के उस पुराने ज्ञान की याद दिलाएंगे, जिसे आधुनिक जीवन सुविधा की दौड़ में पीछे छोड़ आया है। एक ओर वे कार्बन सोखकर हवा को बेहतर बनाएंगे, दूसरी ओर आयुर्वेद की परंपरा को आधुनिक राजमार्गों से जोड़ेंगे। सड़क और स्वास्थ्य का यह संगम विकास को थोड़ा और मानवीय बना सकता है। किसी योजना की उम्र उसके उद्घाटन से नहीं, उसके निभाए जाने से तय होती है। ह्यआरोग्य वनह्ल जैसी पहल तभी सचमुच जीवित रहेगी, जब सरकारी फाइलों से निकलकर स्थानीय समाज की जिम्मेदारी बने। राजमार्ग प्राधिकरण अकेले इसे नहीं संभाल सकता; स्थानीय समुदाय, स्वयंसेवी संस्थाएं, आयुष व वन विभाग और प्रशासन को साथ आना होगा। किसानों के लिए औषधीय पौधों की खेती अतिरिक्त आमदनी का द्वार खोल सकती है। स्कूल-कॉलेज के विद्यार्थियों को इनके संरक्षण और पहचान से जोड़ने पर पर्यावरण शिक्षा किताबों से निकलकर मिट्टी तक पहुंचेगी। तब पौधा किसी सरकारी योजना का आंकड़ा नहीं, गांव, किसान, विद्यार्थी और यात्री—सबकी साझा जिम्मेदारी बनेगा। बड़ी योजनाएं जमीन पर उतरने वाले कदमों से आकार लेती हैं। एनएचएआई की मौजूदा योजना में पहले चरण में टोल प्लाजा और विश्राम स्थलों के पास चुनिंदा भूखंडों पर रोपण हो रहा है।

हिमालय पिघला तो प्रभावित होगा आधा एशिया

महेन्द्र तिवारी

हिमालय को केवल दुनिया की सबसे ऊंची पर्वत श्रृंखला मानना उसके महत्व को बहुत छोटा करके देखना होगा। हिमालय एशिया की जीवन रेखा है। इसकी बफीर्ली चोटियों और हिमनदों से निकलने वाली नदियां करोड़ों नहीं, बल्कि अरबों लोगों के जीवन को सहारा देती हैं। गंगा, ब्रह्मपुत्र और सिंधु जैसी विशाल नदी प्रणालियां हिमालय के हिमनदों, हिमपात और वर्षा से पोषित होती हैं। यही कारण है कि हिमालय में होने वाला कोई भी बड़ा परिवर्तन केवल पहाड़ों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि उसका प्रभाव खेतों, शहरों, उद्योगों, बिजलीघरों और आम लोगों के घरों तक पहुंचता है। आज यही हिमालय जलवायु परिवर्तन के कारण गंभीर बदलाव से गुजर रहा है और इसके हिमनदों का तेजी से पिघलना पूरी दुनिया के लिए चिंता का विषय बन गया है।

हिमालय तथा हिंदूकुश क्षेत्र में हजारों हिमनद मौजूद हैं। यह क्षेत्र ध्रुवीय क्षेत्रों के बाद बर्फ और हिम का सबसे बड़ा भंडार माना जाता है। इन हिमनदों से निकलने वाला पानी एशिया की प्रमुख नदी घाटियों को जीवन देता है। अंतरराष्ट्रीय पर्वतीय विकास केंद्र के अनुसार इस क्षेत्र के हिमनदों और हिमपात पर लगभग 2 अरब लोगों की जल सुरक्षा निर्भर है। हिमनदों का महत्व केवल इसलिए नहीं है कि वे पानी का विशाल भंडार हैं, बल्कि इसलिए भी है कि वे वर्ष भर नदियों में पानी के प्रवाह को संतुलित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। विशेषकर गर्मियों और वर्षा से पहले के महीनों में हिमनदों से मिलने वाला पानी कृषि और घरेलू आवश्यकताओं के लिए बेहद उपयोगी होता है।

लेकिन बढ़ते तापमान ने इस प्राकृतिक व्यवस्था को प्रभावित करना शुरू कर दिया है। तापमान बढ़ने से हिमनदों का बफीर्ला क्षेत्र सिकुड़ रहा है। कई स्थानों पर हिमनद पीछे हट रहे हैं और उनके सामने या आसपास पानी जमा होकर नई झीलें बन रही हैं। कुछ पुरानी हिमनद झीलों का आकार भी लगातार बढ़ रहा है। वैज्ञानिकों के लिए चिंता का सबसे बड़ा कारण यही है कि इन झीलों में जमा पानी प्राकृतिक बांधों पर दबाव बढ़ाता है। यदि बर्फ, पत्थर और मिट्टी से बनी यह प्राकृतिक दीवार टूट जाए तो अचानक बड़ी मात्रा में पानी नीचे की ओर बह सकता है। ऐसी घटना को हिमनद झील विस्फोट बाढ़ कहा जाता है।

हिमनद झील विस्फोट बाढ़ सामान्य बाढ़ से अलग होती है। सामान्य बाढ़ में पानी धीरे-धीरे बढ़ सकता है, जिससे लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने का कुछ समय मिल जाता है। इसके विपरीत हिमनद झील के अचानक टूटने पर पानी अत्यंत तेजी से नीचे की घाटियों में पहुंचता है। रास्ते में आने वाले पुल, सड़कें, घर, खेत, बिजली परियोजनाएं और अन्य निर्माण इसकी चपेट में आ सकते हैं। पर्वतीय क्षेत्रों की संकरी घाटियां इस खतरे को और गंभीर बना देती हैं क्योंकि पानी के बहाव को फैलने के लिए पर्याप्त स्थान नहीं मिलता। हाल के वर्षों में हिमालय में ऐसी घटनाओं ने खतरे की गंभीरता को स्पष्ट किया है। वर्ष 2023 में सिक्किम की दक्षिण ल्होनक झील से जुड़ी हिमनद झील विस्फोट बाढ़ ने व्यापक तबाही मचाई थी। इसके बाद सिक्किम में कई उच्च जोखिम वाली हिमनद झीलों की पहचान की गई। अब वहां जोखिम का आकलन, जल निकासी और प्रारंभिक चेतावनी जैसी व्यवस्थाओं पर अधिक जोर दिया जा रहा है। हाल की घटनाओं ने हिमाचल प्रदेश के लाहौल और स्पीति क्षेत्र में भी चिंता बढ़ाई है। गेपन झील के संभावित खतरे को देखते हुए प्रशासन ने 32 संवेदनशील स्थानों की पहचान की है और प्रारंभिक चेतावनी व्यवस्था मजबूत करने की तैयारी की जा रही है।

नेपाल में हाल की विनाशकारी घटना ने इस संकट को और गंभीर रूप से सामने ला दिया है। हिमालयी क्षेत्र में हिमनद और चट्टानों के अस्थिर होने तथा अचानक आने वाली बाढ़ ने बड़े पैमाने पर जान-माल को नुकसान पहुंचाया। संयुक्त राष्ट्र के अधिकारियों और वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि तापमान में वृद्धि के साथ हिमालयी क्षेत्र में हिमनद झीलों से जुड़ी बाढ़ का खतरा आने वाले वर्षों में और बढ़ सकता है।

वाराणसी के हुकुलगंज में संदिग्ध परिस्थिति में फंदे से लटका मिला युवक का शव, हत्या की आशंका

वाराणसी।
उत्तर प्रदेश में वाराणसी जनपद के लालपुर-पांडेयपुर थाना क्षेत्र के हुकुलगंज (पिपरहवा घाट) में बुधवार सुबह उस वक्त हड़कंप मच गया, जब एक कुंए के अंदर रस्सी के सहारे युवक का शव संदिग्ध परिस्थितियों में लटका मिला। क्षेत्रीय लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने फॉरेंसिक टीम के साथ जांच-पड़ताल कर शव को बाहर निकलवाया। मृतक की पहचान हुकुलगंज निवासी इरफान शाह (24) पुत्र खुर्शीद शाह के रूप में हुई है।
मिली जानकारी के अनुसार, हुकुलगंज पिपरहवा घाट के पास स्थित कुंए में क्षेत्रीय लोग पानी निकालने के लिए पहुंचे तो पानी खींचने वाली रस्सी में एक युवक का शव लटकता देख सन्न रह गए। देखते ही देखते मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई। मौके पर मौजूद लोगों ने पुलिस को सूचना दी। क्षेत्रीय लोगों ने बताया कि इरफान का विवाह नवंबर 2024 में हुआ था। उसकी एक वर्ष की बेटी है, जबकि पत्नी गर्भवती है। वरुणा नदी में आई बाढ़ के चलते परिवार सुरक्षा के लिहाज से मायके गया हुआ था। इलाके में चर्चा रही कि मंगलवार शाम को इरफान को क्षेत्र के ही कुछ आपराधिक व नशा करने वाले युवकों के साथ देखा गया था। कयास है कि बाढ़ के कारण रात में सन्नाटे का फायदा उठाकर किसी बात को लेकर उसकी हत्या की गई और मामले को दूसरा रूप देने के लिए शव कुएं में लटका दिया गया। वहीं, कुछ लोग आत्महत्या की आशंका भी जता रहे हैं। वैसे भी क्षेत्र में आई बाढ़ के कारण रात इलाके में आवागमन न के बराबर रहा। फिलहाल पुलिस ने आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। क्षेत्रीय पुलिस अफसरों के अनुसार फॉरेंसिक साक्ष्य जुटाए गए हैं और मामले की हर पहलू से गहनता से छानबीन जारी है। मौत की असली वजह पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही साफ हो पाएगी।

उप्र में प्रयागराज समेत नौ जिलों में वर्षा की चेतावनी

प्रयागराज।
आगामी चौबीस घंटे के मध्य प्रयागराज सहित उत्तर प्रदेश के कई जनपदों में बारिश के आसार हैं। ऐसा बुधवार सुबह मौसम विभाग ने पूवार्नुमान जारी किया है।
उत्तर प्रदेश में बुधवार को मौसम का मिजाज बदलने के आसार हैं। भारत मौसम विज्ञान विभाग के लखनऊ केंद्र की ओर से जारी तत्कालीन मौसम पूवार्नुमान के अनुसार सोनभद्र, मिजार्पुर, प्रयागराज, संत रविदास नगर, जौनपुर, प्रतापगढ़ और अमेठी सहित आसपास के क्षेत्रों में मध्यम से तेज बारिश हो सकती है। वहीं सोनभद्र, मिजार्पुर, प्रयागराज, संत रविदास नगर, जौनपुर, प्रतापगढ़, अमेठी और बाराबंकी सहित आसपास के इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश की भी संभावना जताई गई है।
मौसम विभाग की ओर से जारी पूवार्नुमा में प्रयागराज और आसपास के कई जिलों को बारिश वाले क्षेत्र में संभावना है।
चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए), कानपुर के मौसम वैज्ञानिक डॉ. एसएन सुनील पांडेय ने बताया कि प्रदेश के कुछ हिस्सों में स्थानीय मौसमीय परिस्थितियों के कारण बारिश की गतिविधियां बढ़ सकती हैं। विशेषकर पूर्वी और दक्षिण-पूर्वी उत्तर प्रदेश के जिलों में हल्की से मध्यम बारिश के साथ कुछ स्थानों पर मध्यम से तेज वर्षा होने की संभावना है। किसानों को मौसम की स्थिति को देखते हुए खेतों में आवश्यक सावधानी बरतने की सलाह दी गई है।
उन्होंने कहा कि बारिश के दौरान लोगों को अनावश्यक रूप से खुले स्थानों पर जाने से बचना चाहिए।

अखिलेश यादव ने सपा छात्र सभा की नई यूनिफॉर्म लॉन्च की, कॉलेज और विश्वविद्यालयों में अभियान चलाकर सदस्य बनाने पर दिया जोर

लखनऊ।
समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने बुधवार को पार्टी प्रदेश मुख्यालय लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम में सपा के छात्र संगठन समाजवादी छात्र सभा के लिए नया यूनिफार्म लॉन्च किया। समाजवादी छात्र सभा के नये यूनिफार्म में नीले रंग की टी-शर्ट और नीले रंग की जींस है। टी शर्ट पर समाजवादी छात्र सभा का लोगो छपा है।
कार्यक्रम में समाजवादी छात्र सभा की राष्ट्रीय एवं प्रदेश कार्यकारिणी के पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी छात्र सभा दो सप्ताह का कार्यक्रम तय कर कॉलेज और विश्वविद्यालयों में छात्र जागरूकता अभियान चलाएगी। छात्रों को सदस्य बनाकर, समाजवादी विचारधारा को छात्रों तक पहुंचायेंगे।
पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) वृक्षारोपण के बाद विश्वविद्यालय और महाविद्यालयों में शिविर लगाकर सम्पर्क कार्यक्रम तथा पर्चा वितरण, विश्वविद्यालय,

महाविद्यालयों में छात्र-छात्राओं से सुझाव पत्र भरवाए जाएंगे। संगोष्ठी में वर्तमान राजनीति में छात्र-छात्राओं एवं युवाओं की भूमिका पर चर्चा होगी जबकि मेधावी छात्र-छात्राओं का सम्मान समारोह आयोजित होगा।
अखिलेश यादव ने कहा कि नई पीढ़ी की सोच नई होती है। उसी दिशा में काम कर समाजवादी पार्टी छात्रसभा को नई यूनिफार्म देकर छात्रों के बीच समाजवादी विचारधारा को पहुंचाने का काम करेगी। उन्होंने कहा कि यूनिफार्म सिर्फ यूनिफार्म नहीं होती है, इससे गैरबराबरी खत्म होती है। सब एक तरह से दिखाई देता है। यूनिफार्म यूनिफॉर्मिटी लाती है। इसीलिए छात्रसभा के नौजवान नई सोच, नई विचारधारा के साथ काम करते हुए कालेज-विश्वविद्यालयों में छात्रों को जोड़ेंगे। सपा छात्रसभा के पदाधिकारी छात्रों के बीच समाजवादी विचारों और मूल्यों को लेकर जाएंगे।
अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी अपनी प्रोगेसिव एप्रोच, पॉजिटिव सोच, लोकतांत्रिक तरीका, अपने अफरमेटिव और डेमोक्रेटिक एक्शन, सोशलिस्ट विचारधारा को छात्रों के बीच पहुंचाने और पीडीए आंदोलन से छात्रों नौजवानों को जोड़ने के लिए कार्य करेगी। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी का पीडीए पॉजिटिव, डेमोक्रेटिक और अफरमेटिव एक्शन के लिए जाना जाता है। वहीं हमारा पीडीए भाजपा सरकार से पीड़ित, दुखी, अपमानित लोगों को जोड़कर काम कर रहा है। हम सब एक सकारात्मक सोच के साथ एकजुट होकर जमीन पर समाजवादी विचारधारा के लिए काम करेंगे।
अखिलेश यादव ने कहा कि पीडीए का मतलब प्रेम, दया, अपनापन भी है। हम लोग जितने प्रेम से व्यवहार, दया और अपनापन से काम करेंगे, उसी से समाजवादी छात्रसभा और लोगों को जोड़ेगी। उन्होंने कहा कि सामाजिक न्याय की बात वर्षों पुरानी है। सिर्फ न्याय से बात नहीं बनेगी इसलिए पीडीए के लोगों को जोड़कर सामाजिक न्याय के राज की स्थापना का काम करेंगे। सपा के सामाजिक न्याय के राज में किसी के साथ भेदभाव, पक्षपात नहीं होगा। इसमें कोई नकारात्मक चीज नहीं होगी। अखिलेश यादव ने कहा कि हमारे देश की पहचान अनेकता में एकता है। अनेक जाति धर्म के लोग मिलकर कर एक साथ रहते हैं।

गर लापरवाही साबित न हो तो किराये के घर में हुई एक्सीडेंटल मौत के लिए मकान मालिक ज़िम्मेदार नहीं : हाईकोर्ट

प्रयागराज।
इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने कहा कि किसी जगह का मालिक होने मात्र से मकान मालिक पर एक्सीडेंटल मौत के लिए आपराधिक ज़िम्मेदारी नहीं डाली जा सकती, जब तक कि अभियोजन पक्ष के सबूतों से मालिक की ओर से कोई कानूनी रूप से साबित होने वाली लापरवाही या चूक का पता न चले। जस्टिस सौरभ श्रीवास्तव की बेंच ने यह टिप्पणी तब की, जब वह एक मकान मालिक के खिलाफ चार्जशीट, संज्ञान/समन आदेश और पूरी आपराधिक कार्यवाही रद्द कर रहे थे। यह मामला जनवरी 2025 में एक युवा छात्र आई आई टी एस्पिरेंट की मौत से जुड़ा था, जो उस मकान में किराये पर रहता था और जिसके बाथरूम में गैस गीजर लगा हुआ था।
यह मामला जनवरी 2025 में कानपुर नगर के एक पुलिस स्टेशन में मकान मालिक (आवेदक) के खिलाफ बीएनएस की धारा 106 (लापरवाही से मौत का कारण बनना) के तहत दर्ज किया गया। आवेदक ने 7 सितंबर 2025 की चार्जशीट और 15 नवंबर 2025 के संज्ञान/समन आदेश को रद्द करने के लिए हाईकोर्ट में याचिका दायर की। मामले का संक्षिप्त विवरण एफआईआर के अनुसार, मृतक आईआईटी परीक्षा की तैयारी के दौरान लगभग आठ महीनों से आवेदक के घर में किरायेदार के तौर पर रह रहा था।
9 जनवरी, 2025 को कथित तौर पर उसके पिता को बेटे की मौत की सूचना मिली और वे घटना स्थल पर पहुंचे, जहां उन्हें बताया गया कि शव बाथरूम के अंदर संदिग्ध परिस्थितियों में मिला। एफआईआर में आरोप लगाया गया कि बाथरूम में गैस गीजर लगा था और उससे कार्बन मोनोऑक्साइड गैस निकली होगी। यह भी आरोप लगाया गया कि बाथरूम में हवा आने-जाने का कोई खास इंतजाम (वेंटिलेशन) नहीं था और गैस अंदर लेने के कारण मृतक की मौत हो गई। जांच के बाद पुलिस ने मकान मालिक के खिलाफ बीएनएस की धारा 106 के तहत चार्जशीट दाखिल की, जिसके बाद मजिस्ट्रेट ने मामले का संज्ञान लिया।
हाईकोर्ट के सामने मकान मालिक के वकील ने तर्क दिया कि आवेदक अवधेश सिंह की ओर से कोई घोर लापरवाही या असावधानीपूर्ण कार्य नहीं किया गया और अभियोजन पक्ष के सबूतों से कथित अपराध में उसकी कोई विशिष्ट भागीदारी साबित नहीं होती। राज्य सरकार ने याचिका का विरोध करते हुए पोस्टमार्टम करने वाले डॉक्टर के बयान का हवाला दिया कि मौत कार्बन मोनोऑक्साइड गैस निकलने के कारण हुई।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ वाराणसी में करेंगे पोषण माह का शुभारंभ

वाराणसी।
उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार को वाराणसी पहुंच रहे हैं। वह सिगरा स्थित रुद्राक्ष कन्वेंशन सेंटर में आयोजित प्रदेशव्यापी पोषण माह के शुभारंभ कार्यक्रम में शामिल होंगे। मुख्यमंत्री कुछ ही देर में कार्यक्रम स्थल पहुंच जाएंगे।
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सुपोषित भारत के विजन के तहत आयोजित इस कार्यक्रम का शुभारंभ केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी करेंगी। प्रदेश की महिला कल्याण एवं बाल विकास मंत्री बेबी रानी मौर्य भी कार्यक्रम में मौजूद रहेंगी। इस वर्ष पोषण माह की थीम हमारी आंगनबाड़ी-हमारी जिम्मेदारी रखी गई है।
कार्यक्रम के दौरान चार प्रमुख थीम—आहार विविधता एवं पर्याप्त प्रोटीन, आंगनबाड़ी केंद्रों पर ताजा पका भोजन, सामुदायिक स्वामित्व एवं जवाबदेही तथा बाल विकास के लिए पोषण एवं प्रारंभिक उद्दीपन—को प्रमुखता से आगे बढ़ाया जाएगा।
मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को देखते हुए रुद्राक्ष कन्वेंशन सेंटर और आसपास के क्षेत्रों में सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। वाराणसी के पुलिस कमिश्नर ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश मंगलवार रात ही जारी कर दिए थे। मुख्यमंत्री के आगमन और कार्यक्रम को देखते हुए शहर के विभिन्न मार्गों पर यातायात डायवर्जन भी लागू किया गया है।
पोषण माह के शुभारंभ कार्यक्रम में शामिल होने के बाद मुख्यमंत्री श्री कालभैरव मंदिर और श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन-पूजन करेंगे। इसके बाद वह सर्किट हाउस लौटेंगे।
मुख्यमंत्री बाद में बाबतपुर स्थित आशा एजुकेशन ग्रुप में आयोजित कामकाजी महिला सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे।

पांडु नदी का जलस्तर बढ़ने से पनकी सुंदर नगर में जलभराव, नगर आयुक्त ने दिए तत्काल राहत के निर्देश

कानपुर।
जलभराव प्रभावित क्षेत्रों में साफ-सफाई, जल निकासी और अन्य नागरिक सुविधाओं में किसी तरह की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। प्रभावित लोगों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए संबंधित विभाग तत्काल प्रभाव से काम करें। यह बातें मंगलवार को नगर आयुक्त अर्पित उपाध्याय ने कहीं।
नगर आयुक्त ने आज पनकी-सुंदर नगर क्षेत्र के जलभराव प्रभावित इलाकों का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने क्षेत्रीय पार्षद के साथ पैदल भ्रमण कर जलभराव वाले स्थानों की स्थिति देखी और स्थानीय नागरिकों से भी समस्याओं की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान जोनल अधिकारी, जोनल स्वच्छता अधिकारी, जोनल अभियंता, जलकल विभाग और मार्ग प्रकाश विभाग के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।
निरीक्षण में सामने आया कि पांडु नदी का जलस्तर बढ़ने के कारण क्षेत्र के कुछ हिस्सों में जलभराव हुआ है। इससे स्थानीय लोगों को आवागमन के साथ दैनिक

कामकाज में भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।
नगर आयुक्त ने अधिकारियों को प्रभावित क्षेत्रों में सघन सफाई कराने, जमा स्लज और सिल्ट हटाने तथा जल निकासी की व्यवस्था दुरुस्त रखने के निर्देश दिए। इसके साथ ही मार्ग प्रकाश व्यवस्था को भी सुचारु रखने को कहा, ताकि जलभराव वाले क्षेत्रों में लोगों को आवागमन में दिक्कत न हो।
उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रभावित इलाकों में नगर निगम की ओर से किए जाने वाले कार्यों में किसी तरह की शिथिलता नहीं होनी चाहिए। अधिकारियों को जल निकासी, सफाई और अन्य नागरिक सुविधाओं की लगातार निगरानी करने के निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान मुख्य मार्गों और संपर्क मार्गों पर गड्ढों तथा क्षतिग्रस्त सड़कों की स्थिति का भी नगर आयुक्त ने संज्ञान लिया। उन्होंने जोनल अभियंता को मार्गों की मरम्मत, रखरखाव और सुधार से संबंधित प्रस्ताव तत्काल प्रस्तुत करने के निर्देश दिए, ताकि आवश्यक कार्रवाई की जा सके।
नगर आयुक्त ने अधिकारियों से जलभराव प्रभावित क्षेत्रों में नागरिक सुविधाओं और जनसुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए विभागों के बीच समन्वय के साथ प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा।

मधुमक्खी पालन प्रशिक्षण के लिए 16 सितंबर तक करें आवेदन

प्रयागराज।
कृषि के साथ अतिरिक्त आय और स्वरोजगार का अवसर तलाश रहे लोगों के लिए मधुमक्खी पालन बेहतर विकल्प बन सकता है। उद्यान विभाग की ओर से राजकीय मौन पालन प्रशिक्षण केन्द्र, कम्पनीबाग, प्रयागराज में तीन माह का निःशुल्क मधुमक्खी पालन प्रशिक्षण शुरू किया जा रहा है। इसके लिए इच्छुक अभ्यर्थी 16 सितंबर तक आवेदन कर सकते हैं। प्रशिक्षण सत्र 16 सितंबर से 15 दिसंबर तक चलेगा। 90 दिन के इस प्रशिक्षण में पुरुष और महिलाएं दोनों

भाग ले सकेंगे। आवेदन के लिए न्यूनतम शैक्षिक योग्यता कक्षा आठ पास निर्धारित की गई है। प्रशिक्षण पूरी तरह निःशुल्क रहेगा। हालांकि अभ्यर्थियों को अपने रहने और भोजन की व्यवस्था स्वयं करनी होगी। इच्छुक अभ्यर्थी अधीक्षक, राजकीय उद्यान के कार्यालय से निर्धारित प्रारूप में आवेदन पत्र प्राप्त कर 16 सितंबर तक जमा कर सकते हैं। आवेदन के साथ दो संभ्रांत व्यक्तियों अथवा किसी राजपत्रित अधिकारी द्वारा जारी चरित्र प्रमाण पत्र लगाना अनिवार्य है। उद्यान अधीक्षक जगदीश प्रसाद ने बताया कि मधुमक्खी पालन कम भूमि और सीमित संसाधनों में शुरू किया जा सकने वाला लाभकारी व्यवसाय है। वैज्ञानिक तरीके से प्रशिक्षण प्राप्त कर युवा, किसान और महिलाएं इसे अतिरिक्त आय के साथ-साथ स्वरोजगार का मजबूत माध्यम बना सकते हैं।
मधुमक्खी पालन से शहद, मोम सहित अन्य उत्पादों से आय के अवसर मिलते हैं, वहीं फसलों में परागण बढ़ने से कृषि उत्पादन में भी सकारात्मक प्रभाव पड़ता है।
उन्होंने कहा कि विभाग का उद्देश्य इच्छुक लोगों को मधुमक्खी पालन की आधुनिक और वैज्ञानिक तकनीकों से परिचित कराकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने में सहयोग करना है।

गंगा का जलस्तर फिर बढ़ा, चेतावनी निशान से 60 सेंटीमीटर ऊपर

कानपुर।
कानपुर में गंगा का जलस्तर एक बार फिर तेजी से बढ़ा है। बैराज पर बुधवार को अपस्ट्रीम में जलस्तर 114.600 मीटर दर्ज किया गया, जो चेतावनी निशान 114 मीटर से 60 सेंटीमीटर ऊपर है। यह खतरे के निशान 115 मीटर से 40 सेंटीमीटर नीचे है। बैराज से गंगा में पानी का डिस्चार्ज भी बढ़कर 4,04,405 क्यूसेक पहुंच गया है। मंगलवार की तुलना में कानपुर बैराज के अपस्ट्रीम जलस्तर में 19 सेंटीमीटर की बढ़ोतरी हुई है। मंगलवार को यह 114.410 मीटर था। इसी तरह डाउनस्ट्रीम जलस्तर 114.090 मीटर से बढ़कर 114.270 मीटर पहुंच गया है। इसमें 18 सेंटीमीटर की वृद्धि हुई है। बैराज से पानी का डिस्चार्ज भी

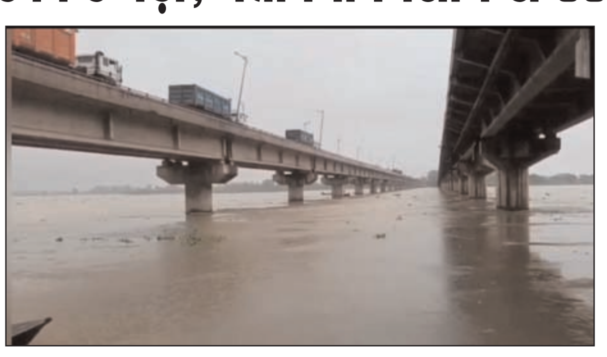

मंगलवार के 3,82,701 क्यूसेक के मुकाबले 21,704 क्यूसेक बढ़ गया है।
जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि गंगा के बढ़ते जलस्तर को देखते हुए जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। तटीय और बाढ़ संभावित क्षेत्रों में लगातार निगरानी की जा रही है। सभी संबंधित विभागों को आवश्यक तैयारियां बनाए रखने और किसी भी स्थिति से निपटने के लिए मुस्तैद रहने के निर्देश दिए गए हैं।
शुक्लागंज में भी गंगा का जलस्तर बढ़ा है। यहां जलस्तर 112.960 मीटर दर्ज किया गया, जो मंगलवार के 112.820 मीटर के मुकाबले 14 सेंटीमीटर अधिक है। हालांकि यह चेतावनी स्तर 113 मीटर से अभी चार सेंटीमीटर नीचे है और खतरे के निशान 114 मीटर से 1.04 मीटर नीचे है।
हरिद्वार बैराज से पानी के डिस्चार्ज में कमी दर्ज की गई है। मंगलवार को 1,12,979 क्यूसेक के मुकाबले बुधवार को 93,512 क्यूसेक पानी छोड़ा गया, यानी 19,467 क्यूसेक की कमी हुई। वहीं नरोरा बैराज से डिस्चार्ज 1,05,633 क्यूसेक से बढ़कर 1,11,969 क्यूसेक पहुंच गया है। इसमें 6,336 क्यूसेक की बढ़ोतरी हुई है।
गंगा के जलस्तर में लगातार हो रही बढ़ोतरी को देखते हुए प्रशासन की ओर से तटीय इलाकों और संभावित बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में निगरानी बढ़ा दी गई है।

अवध प्रान्त में साढ़े आठ लाख सदस्य बनायेगी एबीवीपी

लखनऊ।
अखिल भारतीय विद्यार्थी (अभाविप) परिषद इस समय देशभर में सदस्यता अभियान चला रही है। अभाविप कार्यकर्ता इण्टर कालेज, महाविद्यालय व विश्वविद्यालयों में जाकर सदस्यता करा रहे हैं। अभाविप के प्रान्त संगठन मंत्री अभिलाष ने हिन्दुस्थान समाचार को बताया कि अवध प्रान्त में सदस्यता के लिए 3242 कैंपस चिन्हित किये गये है। इन स्थानों पर परिषद के 4000 कार्यकर्ता जाकर सदस्यता करायेंगे।

सदस्यता का दूसरा चरण शुरू
अभाविप कार्यकर्ता इस बार सदस्यता दो चरणों में करा रहे हैं। इसमें पहला चरण 18 अगस्त से 30 अगस्त तक रहा। इस दौरान

प्रान्त के इण्टर कालेजों में अभाविप की सदस्यता कराई गयी। अब सदस्यता के दूसरे चरण में महाविद्यालयों व विश्वविद्यालयों के छात्रों की सदस्यता कराई जा रही है। 05 अक्टूबर तक सदस्यता चलेगी।
अभाविप के प्रान्त मंत्री अर्पण कुशवाहा के अनुसार गत वर्ष 05 लाख 92 हजार सदस्यता थी। इस बाद साढ़े आठ लाख का लक्ष्य लिया गया है। उन्होंने बताया कि विद्यार्थी सदस्यता शुल्क पांच रुपए व शिक्षक सदस्यता शुल्क 100 रुपए है।
प्रांत संगठन मंत्री अभिलाष ने कहा कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद छात्रों के लिए काम करने वाला देशव्यापी संगठन है। समय-समय पर शैक्षणिक अव्यवस्था को लेकर भी परिषद के कार्यकर्ता आवाज उठाते हैं। कालेज व विश्वविद्यालयों के परिसर में नशे की प्रवृत्ति पर चिंता जाहिर करते हुए उन्होंने कहा कि युवाओं को इससे बचाने की आवश्यकता है।

चंदौली में कार से 3.92 करोड़ का सोना बरामद, दो तस्कर गिरफ्तार

चंदौली/वाराणसी।
उत्तर प्रदेश के चंदौली जिले में कोतवाली पुलिस और एओजी, स्वाट टीम को बड़ी सफलता मिली है। संयुक्त टीम ने नवही नहर पुलिया के पास घेराबंदी कर बिहार की ओर से दिल्ली जा रही एक लक्जरी कार से 2 किलो 565.720 ग्राम सोना बरामद किया। बरामद सोने की अनुमानित बाजार में कीमत करीब 3.92 करोड़ रुपये है। पुलिस ने कार सवार दो कथित तस्करों को गिरफ्तार किया है। बरामद सोने के संबंध में आयकर विभाग और राजस्व आसूचना निदेशालय (डीआरआई) को भी सूचना दी गई है।
मंगलवार को यह जानकारी पुलिस अधीक्षक कार्यालय ने दी। बताया गया कि स्वाट टीम और चंदौली

पुलिस को सूचना मिली थी कि सफेद रंग की एक लक्जरी कार में अवैध रूप से सोना छिपाकर बिहार से दिल्ली ले जाया जा रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने नवही नहर पुलिया के पास घेराबंदी कर वाहनों की सघन चेकिंग शुरू कर दी।
इसी दौरान संदिग्ध लक्जरी कार हाईवे पर आती दिखाई दी। पुलिस टीम ने चालक को रुकने का इशारा किया, लेकिन पुलिस को देखते ही चालक ने कार को तेज गति से भगाने का प्रयास किया। पुलिस टीम ने तत्परता दिखाते हुए अन्य वाहनों की मदद से घेराबंदी कर कार को रोक लिया। इसके बाद कार में सवार दोनों व्यक्तियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई।
पकड़े गए आरोपितों की पहचान जुबेर मुबारक शेख, निवासी सांगली (महाराष्ट्र) और मनीष कुमार, निवासी फतेहाबाद (हरियाणा) के रूप में हुई है।
पूछताछ के दौरान आरोपितों ने बताया कि कार के गियर बॉक्स के नीचे विशेष तरीके से एक गुप्त केबिन बनाया गया है, जिसमें सोना छिपाकर रखा गया था। पुलिस ने गुप्त केबिन को खोलकर तलाशी ली तो भूरे रंग के टेप से लिपटी सोने की दो सिल्लियां बरामद हुईं।
पुलिस के मुताबिक, सोने से संबंधित कोई वैध दस्तावेज आरोपितों के पास नहीं मिला। इसके बाद आयकर विभाग और राजस्व आसूचना निदेशालय को मामले की जानकारी दी गई। सरकारी वैल्यूअर की मौजूदगी में पैकेट खोले जाने पर उसमें 2,565.720 ग्राम शुद्ध सोना पाया गया। प्रारंभिक जांच में सोना विदेश निर्मित है।
पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से सोना और लक्जरी कार के अलावा पांच मोबाइल फोन भी जब्त किए हैं। दोनों आरोपितों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई की जा रही है। बरामद सोने को आगे की जांच और आवश्यक कागजी प्रक्रिया के लिए राजस्व आसूचना निदेशालय को सौंप दिया गया है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि सोना कहां से लाया गया था, इसे दिल्ली में

नोएडा में अवैध रूप से पटाखा का भंडारण करने वाला गिरफ्तार

नोएडा।
थाना बिसरख पुलिस ने अवैध रूप से पटाखा का भंडारण करने वाले एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर उनके पास से दर्जनों पेटियों में भरे हुए लाखों रुपये कीमत का विस्फोटक बरामद किया है। पुलिस ने विभिन्न जगहों से चार बदमाशों को गिरफ्तार किया है।
थाना बिसरख के प्रभारी निरीक्षक रंजीत कुमार सिंह ने बताया कि उप निरीक्षक विपिन कुमार ने आज सुबह एक सूचना के आधार पर नितिन गर्ग पुत्र मुकेश कुमार गर्ग को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि इसके पास से पुलिस ने पेटियों के अंदर भरे हुए अवैध पटाखे बरामद किया है। बरामद पटाखे की कीमत लाखों रुपये है। उन्होंने बताया कि पूछताछ के दौरान पुलिस को पता चला है कि आरोपित आगामी त्योहारों के

मद्देनजर पटाखों का अवैध भंडारण करने के लिए पटाखे लेकर आया था।
थाना प्रभारी ने बताया कि एक अन्य मामले में उप निरीक्षक सुशील कुमार ने दीपू कुमार पुत्र संजय सिंह को गिरफ्तार किया है। इसके पास से पुलिस ने 24 पाउच देशी शराब बरामद किया है। उन्होंने बताया कि एक अन्य मामले में उप निरीक्षक निशांत मलिक ने बादल यादव पुत्र सुंदर यादव को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि इसके पास से पुलिस ने एक अवैध चाकू बरामद किया है। थाना प्रभारी ने बताया कि एक अन्य मामले में थाना पुलिस ने राम लखन पुत्र राम प्रकाश को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि पुलिस ने इसके पास से 65 पाउच देशी शराब बरामद किया है। थाना प्रभारी ने बताया कि एक अन्य

कानपुर में 256 नवनियुक्त आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को मिले नियुक्ति पत्र, बढ़े मानदेय का भी लाभ : सीडीओ

कानपुर।
आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां बच्चों और महिलाओं के पोषण, स्वास्थ्य और देखभाल से जुड़ी योजनाओं को घर-घर तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। शासन की ओर से मानदेय में वृद्धि और कैशलेस चिकित्सा सुविधा की घोषणा से कार्यकत्रियों और सहायिकाओं को आर्थिक मजबूती के साथ सामाजिक सुरक्षा भी मिलेगी। यह बातें मंगलवार को मुख्य विकास अधिकारी अभिनव जे. जैन ने कहीं।

मर्चेंट चैंबर हॉल में आयोजित कार्यक्रम में सीडीओ ने 30 नवनियुक्त आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को नियुक्ति पत्र सौंपे। जिले में कुल 256 पदों पर कार्यकत्रियों का चयन किया गया है। घाटमपुर, बिल्हौर और नर्वल तहसील के साथ कल्याणपुर विकासखंड में भी कार्यक्रम आयोजित कर नवनियुक्त कार्यकत्रियों को नियुक्ति पत्र दिए गए।

कार्यक्रम में अयोध्या में आयोजित आंगनबाड़ी सम्मान समारोह का प्रसारण भी देखा गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों और सहायिकाओं के मानदेय तथा सामाजिक सुरक्षा को लेकर चार घोषणाएं कीं। इसका लाभ कानपुर नगर की 4,104 आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों और सहायिकाओं को मिलेगा।

घोषणा के तहत आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों के मानदेय में चार हजार रुपये प्रतिमाह की वृद्धि की गई है। अब उन्हें 12 हजार रुपये प्रतिमाह मानदेय मिलेगा। सहायिकाओं के मानदेय में दो हजार रुपये की बढ़ोतरी कर छह हजार रुपये प्रतिमाह किया गया है। कार्यकत्रियों और सहायिकाओं को हर वर्ष पांच लाख रुपये तक की कैशलेस चिकित्सा सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी।

इसके अलावा कार्यकत्रियों को पहले मिलने वाली दो साड़ियों के स्थान पर अब तीन साड़ियों के लिए 1,500 रुपये की धनराशि सीधे उनके खातों में भेजी जाएगी। डिजिटल कामकाज को सुगम बनाने के लिए सभी आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को स्मार्टफोन उपलब्ध कराने की भी घोषणा की गई है।

मर्चेंट चैंबर हॉल में उत्कृष्ट कार्य करने वाली सात आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इनमें बिधनू की आशा देवी और चन्द्रवती देवी, शहर प्रथम की अन्नू, वन्दना साहू और वन्दना सविता तथा शहर द्वितीय की शांति और पार्वती देवी शामिल हैं। इन्हें गंभीर कुपोषित बच्चों की पहचान, नियमित स्वास्थ्य परीक्षण, प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा गतिविधियों तथा आंगनबाड़ी केंद्रों के नियमित संचालन में बेहतर कार्य के लिए सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ योजना के तहत नवजात बालिकाओं आरती, दीपाली, कीर्ति, रवीना और आयशा को पोषण किट व उपहार दिए गए। मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना की लाभार्थियों को प्रमाण पत्र भी वितरित किए गए। बालिका अलिना अंसारी का जन्मदिन मनाया गया, जबकि कृष्णा और मृदुल का अन्नप्राशन संस्कार कराया गया।

भर्ती विज्ञापन में नकारात्मक शर्त हो तो कटऑफ के बाद पात्रता प्रमाण पत्र नहीं दिया जा सकता : हाईकोर्ट

प्रयागराज।
इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने भर्ती प्रक्रिया से जुड़े एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा कि यदि भर्ती विज्ञापन या उससे संबंधित नोटिस में दस्तावेज अपलोड करने की स्पष्ट अंतिम तिथि तय की गई हो और यह भी कहा गया हो कि समय सीमा तक दस्तावेज जमा नहीं करने वाले अभ्यर्थी को शॉर्टलिस्ट नहीं किया जाएगा, तो कटऑफ तिथि के बाद पात्रता प्रमाणपत्र दाखिल करने की अनुमति नहीं दी जा सकती।

जस्टिस सौमित्र दयाल सिंह और जस्टिस स्वरूपमा चतुर्वेदी की खंडपीठ ने स्पष्ट किया कि ऐसे मामलों में यह दलील अभ्यर्थी की मदद नहीं कर सकती कि पात्रता वास्तव में पहले से मौजूद थी और केवल उसका प्रमाण बाद में पेश किया गया। जब भर्ती प्रक्रिया में दस्तावेज जमा करने की समय-सीमा के साथ स्पष्ट नकारात्मक शर्त जुड़ी हो, तो समय बढ़ाने या देरी को माफ करने की गुंजाइश नहीं रहती।

मामला उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग की ओर से 6 जनवरी 2022 को जारी विज्ञापन संख्या 2-परीक्षा/2022 के तहत कॉस्मेटोलॉजी ट्रेड में इंस्ट्रक्टर पद की भर्ती से जुड़ा था। इस पद के लिए उम्मीदवार के पास बेसिक कॉस्मेटोलॉजी में तीन साल का अनुभव होना जरूरी था। यह अनुभव संबंधित पाठ्यक्रम पूरा करने के बाद का होना चाहिए। परीक्षा में देरी के बाद आयोग ने 3 फरवरी 2023 को इसी विज्ञापन के तहत नोटिस जारी किया। इसमें सभी अभ्यर्थियों को 28 फरवरी 2023 की मध्यरात्रि तक अपने दस्तावेज अपलोड करने का निर्देश दिया गया। कई अनुभव प्रमाणपत्र होने की स्थिति में उन्हें एक ही पीडीएफ में अपलोड करना था। नोटिस में साफ कहा गया कि जो अभ्यर्थी तय समय तक दस्तावेज अपलोड नहीं करेगा, उसे शॉर्टलिस्टिंग के लिए पात्र नहीं माना जाएगा और बाद में दस्तावेज जमा करने का कोई और अवसर नहीं दिया जाएगा।

अपीलकर्ता ने 8 जनवरी 2015 को अपनी योग्यता हासिल की थी।

उसने 19 सितंबर 2017 का एक अनुभव प्रमाणपत्र अपलोड किया, जिसमें 1 सितंबर 2014 से 31 अगस्त 2017 तक का अनुभव दर्ज था।

प्रयागराज कोर्ट में भावुक हुई जया पाल, बोली- पति की भांति मेरी भी हो सकती है हत्या

प्रयागराज।
उमेश पाल हत्याकांड की सुनवाई के दौरान मंगलवार को उनकी पत्नी जया पाल एससी/एसटी कोर्ट पहुंचीं और अपना बयान दर्ज कराया। अदालत से बाहर निकलने के बाद वह भावुक हो गईं। उन्होंने अपनी जान को खतरा बताते हुए कहा कि उन्हें सामाजिक माध्यमों पर जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं। धमकी में उन्हें विस्फोटक से उड़ाने की बात कही गई है।

जया पाल ने आरोप लगाया कि अतीक अहमद गिरोह से जुड़े कुछ लोग अब भी सक्रिय हैं और उनकी निगरानी कर रहे हैं। उन्होंने फरार आरोपितों गुड्डू मुस्लिम, साबिर और अरमान की गिरफ्तारी पर भी सवाल उठाए। जया पाल अपने साथ धमकी से संबंधित सोशल मीडिया के माध्यमों पर प्रसारित पोस्ट के चित्र भी लेकर पहुंची थीं।

उन्होंने कहा कि उन्हें वर्ष 2023 में अपने पति उमेश पाल की हत्या का दृश्य बार-बार याद आ रहा है। उन्होंने आशंका जताई कि जिस तरह उमेश पाल की हत्या की गई, उसी तरह उनकी भी हत्या हो सकती है। जया पाल ने परिवार को लगातार परेशान किए जाने का आरोप लगाते हुए न्याय की मांग की।

सुरक्षा बढ़ाने की मांग

जया पाल ने अपनी सुरक्षा बढ़ाने के लिए अदालत में प्रार्थना पत्र दिया और निगरानी से संबंधित सीसीटीवी फुटेज भी उपलब्ध कराए। अदालत ने पुलिस आयुक्त को उनकी सुरक्षा तत्काल बढ़ाने के निर्देश दिए।

ठाकुर श्रीबांके बिहारीजी मंदिर हाई पावर्ड मैनेजमेंट कमेटी की 19वीं बैठक संपन्न

मथुरा
उत्तर प्रदेश के मथुरा जनपद में वृंदावन के लक्ष्मण शहीद स्मारक भवन के सभागार में मंगलवार शाम ठाकुर श्रीबांके बिहारी मंदिर हाई पावर्ड मैनेजमेंट कमेटी की 19वीं बैठक आयोजित की गई। इलाहाबाद उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति अशोक कुमार की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में मंदिर की व्यवस्थाओं, श्रद्धालुओं की सुविधाओं और पुजारियों-सेवाइट्स के साथ विभिन्न महत्वपूर्ण एजेंडों पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक के पहले एजेंडे के रूप में सफाई कर्मचारियों के पिछले समय के अवशेष भुगतान की प्रक्रिया निर्धारित करने को लेकर विचार-विमर्श किया गया। आगामी पर्वों और त्योहारों के दौरान मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को नियंत्रित करने और बेहतर व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने पर मंथन हुआ। ठाकुर श्री बांके बिहारी जी के दर्शन के सजीव प्रसारण के लिए प्रसार भारती के आवेदन और इसके लिए विज्ञापन नीति तय करने को लेकर विचार किया गया।

बैठक का एक अहम मुद्दा यह रहा कि श्रद्धालुओं द्वारा मंदिर में दान किए गए बहुमूल्य सामान - जैसे स्वर्ण-रजत हिंडोला (झूला), रथ, रजत शेष सिंहासन, स्वर्ण-रजत नौका, हाथी सूँढ़ सिंहासन, सूर्यप्रभा और चंद्रप्रभा सिंहासन आदि का इस वर्ष परंपरा के अनुरूप ठाकुर जी की सेवा में प्रयोग न किए जाने की शिकायतें प्राप्त हुई थीं, जिस पर गंभीर परिचर्चा की गई। वहीं हाई पावर्ड मैनेजमेंट कमेटी के सदस्यों ने मंदिर परिसर में फूलों की सजावट को निरंतर जारी रखने पर भी विचार-विमर्श किया गया तथा बैंकों के प्रबंधकों के साथ पिछली बैठक में दिए गए निदेर्शों के अनुपालन की स्थिति और समिति द्वारा कार्यभार संभालने के बाद से अब तक बैंकों द्वारा मंदिर एवं श्रद्धालुओं के हित में कराए गए कार्यों (लागत सहित) की समीक्षा की गई।

इस महत्वपूर्ण बैठक में अध्यक्ष सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति अशोक कुमार के साथ-साथ मुकेश मिश्रा (सेवानिवृत्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश/सदस्य) विकास कुमार (जिला एवं सत्र न्यायाधीश, मथुरा/सदस्य) प्रत्यूष आनन्द मिश्रा (मुंसिफ/सिविल जज, मथुरा/सदस्य), चन्द्र प्रकाश सिंह (जिला मजिस्ट्रेट/कलेक्टर/सदस्य सचिव) लक्ष्मी एन (उपाध्यक्ष, मथुरा वृन्दावन विकास प्राधिकरण/सदस्य), डॉ. स्मिता एस. कुमार (अधीक्षण पुरातत्वविद्, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण आगरा/सदस्य), राजभोग समूह से शैलेन्द्र गोस्वामी एवं रजत गोस्वामी, शयनभोग समूह से गोपेश गोस्वामी एवं हिमांशु गोस्वामी सदस्य एवं प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

मथुरा : एनएसयूआई कार्यकताओं और विद्यार्थियों ने किया प्रदर्शन

मथुरा।
दिल्ली के सत्य निकेतन में हुए दर्दनाक इमारत हादसे के विरोध में मथुरा में मंगलवार एनएसयूआई कार्यकताओं और विद्यार्थियों ने प्रदर्शन किया। बीएसए रोड स्थित कॉलेज के बाहर छात्रों ने नारेबाजी करते हुए राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन सौंपा और मामले की उच्चस्तरीय जांच के साथ दोषियों पर कठोर कार्रवाई की मांग की।

एनएसयूआई कार्यकर्ता और छात्र मंगलवार सुबह करीब 10 बजे बीएसए रोड स्थित कॉलेज के बाहर एकत्र हुए। प्रदर्शनकारियों ने हादसे को प्रशासनिक लापरवाही का परिणाम बताते हुए मृतकों को श्रद्धांजलि अर्पित की और पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। छात्रों ने राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपकर घटना की निष्पक्ष जांच, दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई और जर्जर भवनों की पहचान कर तत्काल कार्रवाई की मांग की। उनका कहना था कि असुरक्षित भवनों की अनदेखी के कारण मासूम छात्रों की जान नहीं जानी चाहिए।

एनएसयूआई नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि जर्जर भवनों के सर्वे और सुरक्षा मानकों के पालन को लेकर ठोस कदम नहीं उठाए गए तो आंदोलन को व्यापक स्तर पर चलाया जाएगा। छात्रों ने देशभर के शिक्षण संस्थानों के आसपास खतरनाक इमारतों पर तत्काल कार्रवाई की मांग की।

गंभीर बीमारी से हुई चार मासूम की मौत, डेंगू की पुष्टि

इटावा।
उत्तर प्रदेश में इटावा जनपद के चकरनगर तहसील क्षेत्र के अंतर्गत गढ़ा कासदा गांव में गंभीर बीमारी की चपेट में आकर चार बच्चों की मौत हो गई है। 24 से अधिक बच्चे बीमार हैं।स्वास्थ्य विभाग की टीम ने गांव में शिविर लगाकर लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण कराया जा रहा है। शुरूआती जांच रिपोर्ट में बच्चों को डेंगू होने की पुष्टि हुई है।

इसके बाद से गांव में साफ सफाई अभियान चलाकर गंदगी को साफ किया गया है। स्वास्थ्य विभाग की ओर से एंटी लार्वा का छिड़काव करवाया गया है।

बीएसए के निरीक्षण में खुली स्कूलों की पोल, एक विद्यालय के पूरे स्टाफ का वेतन–मानदेय रोका

जौनपुर।
उत्तर प्रदेश के जौनपुर जनपद में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी समीर ने मंगलवार को विकासखंड सिरकोनी के चार परिषदीय विद्यालयों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान साफ-सफाई, शौचालय, जलभराव, शिक्षण व्यवस्था और मध्याह्न भोजन में कई खामियां मिलीं। गंभीर लापरवाही पर प्राथमिक विद्यालय कुड़वा परियावां के प्रधानाध्यापक सहित पूरे स्टाफ का सितंबर 2026 का वेतन एवं मानदेय अग्रिम आदेश तक रोक दिया गया।

बीएसए ने प्राथमिक विद्यालय कुद्दूपुर प्रथम, प्राथमिक विद्यालय सैदाबाद, प्राथमिक विद्यालय कुड़वा परियावां और कंपोजिट विद्यालय परियावां में छात्र उपस्थिति, शिक्षण व्यवस्था, निपुण भारत मिशन, डीबीटी, मध्याह्न भोजन और विभिन्न योजनाओं की स्थिति परखी।कुड़वा परियावां में मिली गंभीर खामियांप्राथमिक विद्यालय कुड़वा परियावां में 91 नामांकित बच्चों के सापेक्ष 67 उपस्थित मिले। परिसर में गंदगी और शौचालयों में सफाई का अभाव मिला। मध्याह्न भोजन के दौरान बच्चे अव्यवस्थित बैठे थे और शिक्षकों की निगरानी भी संतोषजनक नहीं मिली। कक्षा पांच के बच्चे हिंदी और अंग्रेजी के पाठ का संतोषजनक वाचन नहीं कर सके। इसे गंभीरता से लेते हुए बीएसए ने पूरे स्टाफ का वेतन-मानदेय रोकने के निर्देश दिए।

अन्य विद्यालयों में भी मिली कमियांकुद्दूपुर प्रथम में 148 में से 107 बच्चे उपस्थित मिले। निपुण भारत के पोस्टर नहीं लगे थे और चहारदीवारी का अभाव मिला। जर्जर कमरों में बच्चों को न बैठाने के निर्देश दिए गए।सैदाबाद में 126 में से 79 बच्चे उपस्थित मिले। प्रधानाध्यापक आकस्मिक अवकाश पर थे।

साइबर ठगी के 28 .51 लाख रुपये पुलिस ने कराए वापस, पीड़ित के चेहरे पर लौटी खुशी

झांसी।
साइबर अपराध के खिलाफ झांसी पुलिस की मुहिम में एक और बड़ी सफलता मिली है। नवाबाद थाना क्षेत्र की साइबर सेल टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए साइबर ठगी के शिकार व्यक्ति की 28 लाख 51 हजार 864 रुपये की पूरी धनराशि वापस करा दी। रकम वापस मिलने पर पीड़ित ने पुलिस की कार्रवाई की सराहना करते हुए आभार जताया।

थाना प्रभारी निरीक्षक रवि श्रीवास्तव के अनुसार, नवाबाद थाना क्षेत्र निवासी अजय कुमार सिंह साइबर ठगी का शिकार हुए थे। मामले की जानकारी मिलने के बाद पीड़ित ने साइबर सेल में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत मिलते ही साइबर सेल टीम सक्रिय हुई और ठगी की रकम जिन बैंक खातों में पहुंची थी, उन्हें तत्काल होल्ड कराया गया।

इसके बाद पुलिस टीम ने आवश्यक वैधानिक कार्रवाई पूरी करते हुए ठगी गई पूरी रकम को पीड़ित के पक्ष में सफलतापूर्वक रिफंड करा दिया। पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई से पीड़ित को उसकी पूरी धनराशि वापस मिल गई। रकम वापस मिलने के बाद पीड़ित ने पुलिस अधिकारियों और साइबर सेल टीम को धन्यवाद दिया।

झांसी पुलिस ने लोगों से अपील की है कि साइबर अपराधियों से सतर्क रहें। किसी अनजान व्यक्ति के साथ ओटीपी, एटीएम पिन, बैंक खाते की जानकारी, पासवर्ड या अन्य गोपनीय जानकारी साझा न करें। ऑनलाइन ठगी होने पर बिना देरी किए साइबर हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत करें, ताकि रकम को समय रहते होल्ड कराकर वापस कराने की कार्रवाई की जा सके।

चकबंदी विभाग का वरिष्ठ सहायक एवं पेशकार 50 हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार

मुरादाबाद।
उत्तर प्रदेश भ्रष्टाचार निवारण संगठन (एंटी करप्शन ब्यूरो) की टीम ने मंगलवार को जिले में चकबंदी विभाग के वरिष्ठ सहायक एवं पेशकार सुभाष चंद्र को 50 हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। आरोपित अपने कार्यालय में एक आदेश को ऑनलाइन न्यायालय की वेबसाइट पर अपलोड कराने के एवज में रिश्वत मांग रहा था। टीम ने कार्रवाई के बाद आरोपित के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कराई है। गिरफ्तार आरोपित को बुधवार को कोर्ट में पेश किया जाएगा।

पुलिस अधीक्षक (नगर) कुमार रण विजय सिंह ने बताया कि रिश्वत लेते पकड़ा गया आरोपित सुभाषचंद्र (55) चकबंदी विभाग में वरिष्ठ सहायक एवं पेशकार के पद पर तैनात है। मूंढापांडे थाना क्षेत्र के गनेशघाट निवासी ओमवीर सिंह का चकबंदी विभाग में जमीन से संबंधित वाद चल रहा था। वाद का निस्तारण 17 अप्रैल 2026 को हो गया था, लेकिन आदेश को अभी तक ऑनलाइन अपलोड नहीं किया गया था। किसान ओमवीर सिंह ने पेशकार सुभाष चन्द्र से संपर्क किया तो आदेश को ऑनलाइन करने के नाम 50 हजार रुपये की मांग की। इसके बाद किसान ने एंटी करप्शन ब्यूरो की टीम से संपर्क किया।

मंगलवार की दोपहर करीब साढ़े तीन बजे टीम ने किसान को 50 हजार रुपये लेकर पेशकार के पास भेज दिया। जैसे ही किसान ने पेशकार को रुपये दिए तो एंटी करप्शन ब्यूरो टीम ने उसे रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। इस कार्रवाई से चकबंदी विभाग के कार्यालय में हड़कंप मच गया। टीम उसे पकड़कर थाने ले गई। पूछताछ में आरोपित सुभाष चंद्र ने बताया कि वह सहारनपुर के सदर थाना क्षेत्र के हकीकत नगर मोहल्ला निवासी है। वर्तमान में वह नागफनी थाना क्षेत्र में कौशल्या इंटर कॉलेज के पास रहता है। बुधवार को आरोपित को कोर्ट में पेश किया जाएगा।

मुरादाबाद रेल मंडल : रोजा गुड्स शेड से बांग्लादेश के लिए गेहूं की पहली रेक लोड

मुरादाबाद।
उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद रेल मंडल ने माल परिवहन के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। मंडल रेल प्रबंधक विनीता श्रीवास्तव के मार्गदर्शन तथा वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक (फ्रेट) विपिन शर्मा के निर्देशन में बिजनेस डेवलपमेंट यूनिट द्वारा किए गए निरंतर प्रयासों एवं प्रभावी ग्राहक समन्वय के परिणामस्वरूप रोजा गुड्स शेड से बांग्लादेश के लिए गेहूं की पहली रेक सफलतापूर्वक लोड की गई। इस रेक से रेलवे को कुल 56,57,112 रुपये का मालभाड़ा प्राप्त हुआ है। यह उपलब्धि मंडल के माल राजस्व में वृद्धि के साथ-साथ रेल परिवहन के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय व्यापार को बढ़ावा देने की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम है।

उत्तर रेलवे के मुरादाबाद रेल मंडल वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक महेश यादव ने मंगलवार को बताया कि बीती सात सितंबर को रोजा गुड्स शेड की लाइन संख्या-01 से 42 वैगन वाली बीसीएन रेक में गेहूं लोड किया गया। यह रेक दर्शना, बांग्लादेश के लिए भेजी गई है। गेहूं की इस खेप को मैसर्स वीके उद्योग लिमिटेड द्वारा लोड किया गया।

यह उपलब्धि विशेष रूप से उल्लेखनीय है क्योंकि जून 2021 के बाद रोजा गुड्स शेड से बांग्लादेश के लिए यह पहली रेक है। लगभग पांच वर्षों के अंतराल के बाद रोजा से बांग्लादेश के लिए गेहूं की रेल खेप का पुनः संचालन मुरादाबाद मंडल के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

अबोध बच्ची के साथ अश्लीलता मामले में दोषी वृद्ध को 05 वर्ष का कठोर कारावास,05 हजार रुपये अर्थदण्ड

झांसी।
तीन वर्ष पूर्व तीन वर्षीय अबोध बच्ची के साथ अश्लील हरकतें कर छेड़छाड़ के मामले में दोषी 73 वर्षीय वृद्ध को अपर सत्र न्यायाधीश/विशेष न्यायाधीश (पॉक्सो एक्ट) मोहम्मद नेयाज अहमद अंसारी के न्यायालय ने 05 वर्ष के कठोर कारावास एवं 5 हजार रुपये अर्थदण्ड से दंडित किया।

विशेष लोक अभियोजक (पॉक्सो एक्ट) विजय सिंह कुशवाहा ने बताया कि वादी मुकदमा ने 10 अगस्त 2023 को थाना-बड़ागाँव में तहरीर देते हुए बताया था कि पीड़िता उम्र करीब 3 वर्ष ,08 अगस्त 2023 को अपने घर पर खेल रही थी, तभी गाँव का ही व्यक्ति देवप्रसाद पुत्र दयाराम उम्र करीब 70 वर्ष बेर देने के बहाने बहला-फुसलाकर घर से अपने घर ले गया और अश्लील हरकतें करते हुए उसके साथ छेड़खानी करने लगा, तभी उसकी माँ अपनी लड़की को तलाश करते हुए पहुंची तो उसकी लड़की रोते हुए निवस्त्र अवस्था में देवप्रसाद के घर के अन्दर से आ रही थी, उसने गेट के अन्दर झाँक कर देखा तो देवप्रसाद खड़ा था और उसने उसे देखकर दरवाजा बन्द कर कुण्डी लगा दी।

खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने में विद्या भारती की महत्वपूर्ण भूमिका : गिरीश चंद्र

सुलतानपुर।
उत्तर प्रदेश के खेल एवं युवा कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गिरीश चंद्र यादव ने मंगलवार को सुलतानपुर में विद्या भारती काशी प्रांत की 37वीं प्रांतीय खेलकूद प्रतियोगिता-2026 का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि खेल प्रतिभाओं को निखारने और उन्हें आगे बढ़ने का अवसर उपलब्ध कराने में विद्या भारती महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

विद्या भारती के तत्वावधान में आयोजित 37वें प्रांतीय खेलकूद समारोह का आयोजन सरस्वती शिशु मंदिर इंटर कॉलेज, सिरवारा मार्ग मे किया गया है। उन्होंने कहा कि खेल केवल शारीरिक विकास का माध्यम

नहीं है, बल्कि इससे अनुशासन, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और टीम भावना का भी विकास होता है। उन्होंने प्रतियोगिता में शामिल खिलाड़ियों को बेहतर प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दीं।

जर्जर स्कूल भवनों के सुधार को लेकर सरकार गंभीर

पत्रकारों से बातचीत में जिले के जर्जर विद्यालय भवनों और परिसरों से संबंधित सवाल पर खेल मंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार विद्यालयों की आधारभूत सुविधाओं को मजबूत करने के लिए गंभीरता से काम कर रही है।

प्राथमिक विद्यालयों में ऑपरेशन कायाकल्प के माध्यम से आवश्यक सुधार कराए जा रहे हैं, जबकि माध्यमिक एवं इंटर कॉलेजों की अवस्थापना सुविधाओं को मजबूत करने के लिए अलंकार योजना संचालित की जा रही है।

उन्होंने कहा कि हाल में हुई समीक्षा बैठक में जिलाधिकारी को निर्देश दिए गए हैं कि जिले में जर्जर विद्यालय भवनों को चिह्नित कर उनकी स्थिति का आकलन कराया जाए और आवश्यकतानुसार प्राथमिकता के आधार पर मरम्मत एवं सुधार कार्य कराया जाए।

जन्माष्टमी के मुद्दे पर विपक्ष पर पलटवार

सुलतानपुर में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के आयोजन और समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव के बयानों से जुड़े सवाल पर मंत्री ने कहा कि पूर्ववर्ती बसपा और सपा सरकारों के कार्यकाल में थानों, पुलिस चौकियों और पुलिस लाइनों में जन्माष्टमी के आयोजन को लेकर रोक की स्थिति रहती थी।

उन्होंने कहा कि वर्ष 2017 में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश में सरकार बनने के बाद थानों और पुलिस लाइनों में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का आयोजन धूमधाम से शुरू हुआ। उन्होंने इसके लिए मुख्यमंत्री का आभार जताया।

रूस-यूक्रेन युद्ध खत्म कराने की कोशिश में भारत, दोनों देशों के संपर्क में दिल्ली: विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली। विदेश मंत्रालय ने रूस-यूक्रेन संघर्ष पर भारत के पुराने रुख को दोहराया है। मंत्रालय ने मंगलवार को कहा कि भारत का मानना है कि युद्ध का समाधान युद्ध के मैदान से नहीं निकलेगा। विदेश मंत्रालय ने बताया कि नई दिल्ली इस युद्ध को खत्म करने के लिए मॉस्को और कीव दोनों के संपर्क में है और ऐसे सुझावों पर विचार कर रही है, जिससे संघर्ष को रोका जा सके। नई दिल्ली में द्वि-साप्ताहिक मीडिया ब्रीफिंग को संबोधित करते हुए विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर की हाल की पोलैंड और यूक्रेन यात्रा का जिक्र किया, जहां उन्होंने कहा था कि यह युद्ध का युग नहीं है और संघर्ष को समाप्त करने के लिए किसी भी तरह से मदद करने के लिए भारत की तत्परता व्यक्त की थी।

एक मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया था कि भारत रूस और यूक्रेन के बीच शांति में मध्यस्थता कर रहा है। इसे लेकर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, "विदेश मंत्री ने हाल ही में यूक्रेन और पोलैंड का दौरा किया था। इन दोनों देशों में, अपनी बातचीत के दौरान, उन्होंने कहा कि भारत ने लगातार यह बनाए रखा है कि यह युद्ध का युग नहीं है और समाधान युद्ध के मैदान से नहीं निकलेगा।"
रणधीर जायसवाल ने कहा, "उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी की इस टिप्पणी को भी रेखांकित किया कि अंतहीन युद्ध को अब युद्ध के अंत का रास्ता देना चाहिए। विदेश मंत्री ने रेखांकित किया कि यह संबंधित पक्षों पर निर्भर है कि वे कोई रास्ता निकालें, यदि भारत युद्ध को समाप्त करने के लिए किसी भी तरह से मदद कर सकता है, तो वह इसके लिए तैयार है। भारत यूक्रेन और रूस दोनों पक्षों के संपर्क में है और यह देखने की कोशिश कर रहा है कि क्या कोई ऐसे विचार और सुझाव हैं जो संघर्ष को समाप्त करने में योगदान दे सकते हैं।"
रूस-यूक्रेन संघर्ष की शुरूआत से ही भारत ने युद्ध को सुलझाने के लिए संवाद और कूटनीति का रास्ता अपनाने की अपील की है। 2022 में उज्बेकिस्तान के समरकंद में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ अपनी बैठक के दौरान, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था, "आज का युग युद्ध का युग नहीं है।"
पोलैंड की अपनी हालिया यात्रा के दौरान, विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा था कि भारत यूक्रेन और रूस दोनों के साथ लगातार संपर्क बनाए हुए है, और ऐसे विचारों और सुझावों पर काम कर रहा है जो दोनों देशों के बीच जारी संघर्ष को कम करने और इसे समाप्त करने का मार्ग प्रशस्त करने में मदद कर सकते हैं।4 सितंबर को वारसॉ में पोलिश विदेश मंत्री राडोस्लाव सिकोरस्की के साथ एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, विदेश मंत्री जयशंकर ने मॉस्को और कीव के बीच तनाव कम करने में भारत की भूमिका पर पूछे गए सवालों का भी जवाब दिया। विदेश मंत्री जयशंकर ने यूक्रेन में हाल ही में कहा था कि भारत दोनों देशों के बीच लंबे समय से चल रहे झगड़े को खत्म करने के लिए किसी भी तरह से मदद करने को तैयार है। विदेश मंत्री ने कीव में यूक्रेन के विदेश मंत्री एंड्री सिबिहा के साथ अपनी मीटिंग के दौरान मदद के लिए भारत की तैयारी जाहिर की थी।विदेश मंत्री जयशंकर ने 3 सितंबर को कहा था, "सिर्फ दो दिन पहले बिश्केक में, प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था कि अंतहीन युद्ध को अब युद्ध के अंत का रास्ता देना चाहिए। संघर्ष का हर बीतता दिन केवल और अधिक मौतों और अधिक विनाश का मतलब है। स्वाभाविक रूप से, यह संबंधित पक्षों पर निर्भर है कि वे कोई रास्ता निकालें। लेकिन अगर भारत किसी भी तरह से, किसी भी रूप में मदद कर सकता है, तो हम तैयार हैं। और आज अब तक विदेश मंत्री सिबिहा के साथ मेरी चर्चा का यही मुख्य विषय था।"

भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में है: राजनाथ सिंह

नई दिल्ली। आजादी के बाद भारत की अर्थव्यवस्था को एक ट्रिलियन डॉलर पहुंचने में साठ साल लगे। साल 2014 में भारत की अर्थव्यवस्था दो ट्रिलियन डॉलर की थी। पिछले दस-बारह सालों में वह दो गुनी हो गई है। जब सारी दुनिया अर्थव्यवस्था ग्रोथ को लेकर चुनौतियों का सामना कर रही है, ऐसे समय 2026-27 के पहले क्वार्टर में भारत की अर्थव्यवस्था 7.8 प्रतिशत की ग्रोथ पर है। यह बात मंगलवार के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कही। वह श्रीलंका में भारतीय समुदाय के लोगों को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि भारत का डिफेंस एक्सपोर्ट भी रिकॉर्ड 38 हजार करोड़ रुपए से ऊपर चला गया है। यह 2013-14 में 686 करोड़ रुपए था। यहां उन्होंने कहा, ‌भारत में पिछले दस-बारह सालों में एक डिजिटल क्रांति हुई है। आज हर हाथ में आपको स्मार्टफोन देखने को मिलेगा, जिसमें सारी सर्विसेज कंवर्ज हो रही हैं। साल 2014 में देश में 6 करोड़ ब्रॉडबैंड कनेक्शन थे, जो आज 100 करोड़ तक पहुंच गए हैं।

भारत की अर्थव्यवस्था, दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में गिनी जाती है। आज भारत, दुनिया की ग्रोथ में 16 परसेंट से ज्यादा का योगदान दे रहा है इन्वेस्टमेंट और निर्यात के मामले में भारत की वैश्विक हिस्सेदारी निरंतर बढ़ रही है। साल 2014 में भारत से एक्सपोर्ट होने वाली गुड्स एंड सर्विसेज की वैल्यू 45 लाख करोड़ रुपए की थी जो साल 2025-26 में बढ़ कर 79 लाख करोड़ पहुँच चुकी है ।‌ उन्होंने बताया कि देश में इलेक्ट्रिक गुड्स के प्रोडक्शन में एक क्रांति देखने को मिली है। साल 2014 में इलेक्ट्रिक वस्तुओं का उत्पादन की वैल्यू केवल 1.9 लाख करोड़ था, जो लगभग 500 परसेंट बढ़ कर 11 लाख करोड़ से अधिक हो चुका है। जबकि इसके एक्सपोर्ट्स में तो 700 परसेंट की वृद्धि हुई है। यानि इलेक्ट्रॉनिक गुड्स का एक्सपोर्ट जो करीब 38000 करोड़ रुपए का था, वह बढ़ कर तीन लाख करोड़ रुपए से अधिक हो गया है। इसी तरह मोबाइल मैनुफैक्चरिंग में भारत आज चीन के बाद दूसरा सबसे बड़ा मोबाइल निमार्ता है। साल 2014 में देश में केवल दो मैनुफैक्चरिंग यूनिट्स थी, आज करीब तीन सौ से अधिक मोबाइल मैनुफैक्चरिंग यूनिट्स हैं।
रक्षा मंत्री का कहना था कि 2014 तक भारत 50 हजार करोड़ रुपए के आसपास के ऑटोमोबाइल एक्सपोर्ट करता था। आज भारत एक साल में एक लाख बीस हजार करोड़ रुपए के ऑटोमोबाइल एक्सपोर्ट कर रहा है। मोबाइल मैनुफैक्चरिंग पहले केवल 18000 करोड़ रुपए की वैल्यू की थी, जो आज 28 गुना बढ़ कर 5.5 लाख करोड़ रुपए हो गई है। मोबाइल एक्सपोर्ट्स तो पहले नाम मात्र का था, जो करीब 163 गुना बढ़ कर 2.6 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गया है ।राजनाथ सिंह ने कहा कि पिछले बारह सालों में भारत में टैक्स सिस्टम में जबरदस्त रिफॉर्म्स हुए हैं। जीएसटी की बात करें तो इसके कारण देश में वन नेशन वन टैक्स की व्यवस्था लागू हुई है। पिछले बारह वर्षों में भारत ने 38 देशों के साथ ट्रेड डील्स की हैं। भारत और यूरोपियन यूनियन के बीच जो फ्री ट्रेड समझौता हुआ है, उसे मदर ऑफ ऑल डील्स कहा जा रहा है। यह समझौता लगभग 27 ट्रिलियन डॉलर के बड़े ईयू मार्केट का रास्ता खोलता है ।उन्होंने कहा, आपको आश्चर्य होगा कि केवल अगस्त महीने में रिकार्ड 23.66 बिलियन यूपीआई ट्रांजैक्शंस हुए हैं और इनकी वैल्यू है 29.88 लाख करोड़ रुपए। यह भी एक नया रिकार्ड है। आज यूपीआई की सुविधा कई देशों में भी पहुंच गई है। आज यूपीआई को लॉन्च हुए दस साल हो गए हैं और इन दस सालों में यूपीआई ने सारे रिकार्ड तोड़ दिए हैं। साल 2016-17 में यूपीआई लेनदेन की वैल्यू केवल 7000 करोड़ रुपए थी जो बढ़कर 2025-26 में 314 लाख करोड़ रुपए पहुंच गई है।

दिल्ली में पीजी और कोचिंग संस्थानों को लेकर नई नीति की तैयारी, मंत्री आशीष सूद ने छात्रों से की मुलाकात

नई दिल्ली । दिल्ली सरकार राजधानी में संचालित पेइंग गेस्ट (पीजी), छात्रावासों और कोचिंग संस्थानों के लिए नई नियामक नीति लाने की तैयारी कर रही है। दिल्ली के शिक्षा एवं शहरी विकास मंत्री आशीष सूद ने कहा कि छात्रों की सुरक्षा, बेहतर आवासीय सुविधाओं और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए सरकार जल्द ही ठोस कदम उठाएगी। उन्होंने बताया कि अगले 1 से 1.5 महीने में पीजी और कोचिंग सेंटरों को नियमित करने के लिए नीति या आवश्यक कानून तैयार किया जा सकता है। मंत्री आशीष सूद ने बताया कि शहरी विकास विभाग के तहत हाल ही में हुई एक उच्चस्तरीय बैठक में पीजी संचालन से संबंधित नियमों की समीक्षा, नए छात्रावासों के लिए दिशा-निर्देश तैयार करने और छात्रों को सुरक्षित आवास उपलब्ध कराने के उद्देश्य से एक समिति का गठन किया गया है। इसी कड़ी में मंगलवार को विभिन्न हितधारकों और छात्रों के साथ व्यापक चर्चा की गई। उन्होंने कहा कि सरकार ने दिल्ली विश्वविद्यालय, आईपी यूनिवर्सिटी और अन्य शैक्षणिक संस्थानों के लगभग 30 से 40 छात्रों से सीधे संवाद किया। इस दौरान छात्रों से पीजी आवासों में आने वाली समस्याओं, सुरक्षा संबंधी चिंताओं और आवश्यक कानूनी सुधारों पर सुझाव लिए गए। सूद ने कहा कि छात्र ही इन सुविधाओं के वास्तविक उपयोगकर्ता हैं, इसलिए उनकी राय नीति निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। आशीष सूद ने बताया कि पिछले दिन उपराज्यपाल और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में हुई उच्चस्तरीय बैठक में भी इस विषय पर विस्तार से चर्चा की गई थी। बैठक में राजधानी में संचालित कोचिंग संस्थानों और पीजी आवासों के लिए प्रभावी नियामक ढांचा तैयार करने पर सहमति बनी ।मंत्री ने कहा कि सरकार ने छात्रावासों के निर्माण और विस्तार को बढ़ावा देने के लिए फ्लोर एरिया रेशियो (एफएआर) बढ़ाने का निर्णय लिया है। उनका कहना था कि हर वर्ष दिल्ली में बाहर से दो लाख से अधिक छात्र शिक्षा प्राप्त करने आते हैं, जबकि सुरक्षित छात्र आवासों की उपलब्धता और मांग के बीच बड़ा अंतर है। इस कमी को दूर करने के लिए नए छात्रावासों के निर्माण को प्रोत्साहित किया जाएगा। आशीष सूद ने यह भी स्पष्ट किया कि असुरक्षित भवनों और नियमों की अनदेखी करने वाले पीजी संचालकों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि सरकार गौबा समिति की रिपोर्ट के कार्यान्वयन में तेजी लाएगी और युवाओं, अभिभावकों, संस्थान प्रबंधन तथा संबंधित एजेंसियों की चिंताओं को ध्यान में रखकर नीति तैयार करेगी। इस बैठक में शामिल छात्रों ने भी अपनी समस्याएं खुलकर रखीं। एक छात्र ने कहा कि सत्य निकेतन में हुई हालिया घटना बेहद दुखद थी और इसने पीजी आवासों की वास्तविक स्थिति को उजागर कर दिया। छात्र ने बताया कि वह स्वयं कुछ समय पहले उसी क्षेत्र में रह चुका है और वहां की खराब व्यवस्थाओं से परिचित है। उसने कहा कि पीजी लाइसेंसिंग से जुड़ी नीतियां पहले से मौजूद हैं, लेकिन उनका सही तरीके से पालन नहीं हो रहा है। छात्रों ने सरकार के सामने यह सवाल भी उठाया कि पीजी संचालकों की जवाबदेही तय होनी चाहिए। उनका कहना था कि कई स्थानों पर मकान मालिक मनमाने ढंग से किराया बढ़ाते हैं, भारी सुरक्षा राशि जमा कराते हैं, समय पर उसे वापस नहीं करते और अलग से बिजली के बिल वसूलते हैं। दूसरे राज्यों से पढ़ाई करने आने वाले छात्रों की शिकायतें सुनने और उनका समाधान करने के लिए प्रभावी व्यवस्था की आवश्यकता है। एक अन्य छात्र ने कहा कि दिल्ली देश का प्रमुख शिक्षा केंद्र है और यहां पढ़ने आने वाला प्रत्येक छात्र अपने परिवार की उम्मीदों और सपनों का प्रतिनिधित्व करता है। इसलिए छात्रों के लिए सुरक्षित, पारदर्शी और जवाबदेह आवास व्यवस्था सुनिश्चित करना बेहद जरूरी है।

दिल्ली में ब्रिक्स सम्मेलन के चलते दिल्ली की सड़कों पर नहीं दिखेंगे कुत्ते बंदर और छुट्टा गाय

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में होने वाले ब्रिक्स सम्मेलन में केवल सुरक्षा व सुंदरता का ही ख्याल ही नहीं रखा जा रहा, बल्कि सड़कों को सुरक्षित व सुंदर बनाया जा रहा है, जिसके तहत बेघर छुट्टा गोवंश व आवारा कुत्तों के साथ उछल कूद कर छलाँग लगाने वाले बंदरों पर भी ध्यान है। सम्मेलन के दौरान विदेशी मेहमानों को दिल्ली की सड़कों पर आवारा पशुओं का सामना न करना पड़े, इसके लिए सिविक एजेंसियों ने विशेष अभियान की शुरूआत की है। दरअसल आयोजन स्थलों, मेहमानों के ठहरने वाले होटलों और उनके आवागमन वाले प्रमुख मार्गों को छुट्टा कुत्ते बंदर और गायों को हटाकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है। भारत मंडपम और आसपास के क्षेत्र में अभियान शुरू भी कर दिया गया है। यहां से अब तक करीब 50 आवारा कुत्तों को हटाया जा चुका है। एमसीडी के एक अधिकारी के अनुसार, सम्मेलन के लिए प्रमुख मार्गों पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। इसके लिए टीमें गठित की गई है। जहां भी आवारा पशु दिखाई देंगे, उन्हें तत्काल हटाने के लिए टीम भेजी जाएगी। अभियान में सड़कों पर घूमने वाले गोवंश और आवारा कुत्तों को पकड़कर निर्धारित गोशालाओं और सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है।

वहीं, दिल्ली के विभिन्न हिस्सों में मौजूद बंदरों को पकड़ने के बाद वन क्षेत्रों में छोड़े जाने की योजना है। इसके लिए संबंधित विभागों के बीच समन्वय किया जा रहा है। सिविक एजेंसियां आयोजन स्थलों के अलावा होटल, पार्किंग क्षेत्र, प्रमुख चौराहों और मेहमानों के काफिले के गुजरने वाले रास्तों पर विशेष नजर रखेंगी। टीमों को संवेदनशील स्थानों की पहचान करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि सम्मेलन के दौरान किसी मार्ग पर अचानक आवारा पशुओं के पहुंचने से यातायात प्रभावित न हो। अधिकारियों का कहना है कि सम्मेलन समाप्त होने तक प्रमुख मार्गों पर निगरानी और पशुओं को हटाने की कार्रवाई जारी रखने की तैयारी है।

सत्य निकेतन हादसे के पीड़ित परजनों से ट्रॉमा सेंटर में मिलीं,मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता

नई दिल्ली। दिल्ली के सत्य निकेतन इलाके में पांच मंजिला इमारत गिरने से कई परिवारों की खुशियां मातम में बदल गईं। दिल्ली में सपने पूरे करने आए छात्र अब खुद एक सपने की तरह हो गए हैं। हादसे के बाद रेस्क्यू ऑपरेशन चला और घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। अब पीड़ित परिवारों से मिलने दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ट्रॉमा सेंटर पहुंचीं, जहां उन्होंने परिजनों से मुलाकात की, उन्हें गले से लगाया और उनका दुख साझा किया। इस हादसे ने सभी को झकझोर दिया है इसके साथ ही, दिल्ली में पुरानी और असुरक्षित इमारतों की निगरानी पर भी बड़े सवाल भी खड़े कर दिए हैं। जैसे क्या इमारत की सुरक्षा की पहले जांच हुई थी, अगर खतरा था तो समय रहते कार्रवाई क्यों नहीं हुई। ऐसे सवालों के बीच मुख्यमंत्री ने पीड़ित परिवारों को हर संभव मदद का भरोसा दिया और घायलों के इलाज की जानकारी ली।मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सत्य निकेतन में गिरी इमारत की घटना में घायल लोगों और मृतकों के परिवारों से मुलाकात की। साथ ही, डॉक्टरों और बाकि स्टाफ से मिलकर पीड़ितों की हालत के बारे में जाना। रेखा गुप्ता ने ट्रॉमा सेंटर में हादसे के पीड़ित परिवारों से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात की। उन्होंने परिजनों से बातचीत कर उनका हाल जाना, उन्हें गले लागाकर सांतवना दी। साथ ही, घटना को लेकर उनकी बातें सुनीं। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अस्पताल में भर्ती घायलों की स्थिति के बारे में डॉक्टरों और परिजनों से जानकारी ली। उन्होंने इलाज और स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर भी अधिकारियों से भी बात की। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि घायलों को बेहतर इलाज मिले और इलाज में किसी तरह की परेशानी न हो।पांच मंजिला इमारत गिरने से कई परिवारों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। हादसे के बाद करीब 28 घंटे तक बचाव अभियान चला लेकिन सभी को जिंदा नहीं बचाया जा सका। इसका दुख परिजनों के आंसूओं और कराह में साफ देखा जा सकता है।

सत्य निकेतन हादसे पर 10 सितंबर को सुनवाई करेगा सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, । दिल्ली के सत्य निकेतन इलाके में पीजी बिल्डिंग गिरने का मामला अब उच्चतम न्यायालय पहुंच गया है। इस मामले के एमिकस क्यूरी अजीत सिन्हा ने उच्चतम न्यायालय में रिपोर्ट दाखिल कर दिल्ली की सभी पीजी और हॉस्टलों की जांच की मांग की है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इस इलाके में बार-बार हादसे होना गंभीर चिंता की बात है। सुप्रीम कोर्ट इस मामले पर 10 सितंबर को सुनवाई करेगा। एमिकस क्यूरी की रिपोर्ट में कहा गया है कि दिल्ली के सभी कॉलेजों और यूनिवर्सिटी के आसपास बने पीजी, निजी हॉस्टल और छात्रों के रहने की जगहों का पूरा सुरक्षा आडिट कराया जाए। रिपोर्ट में कहा गया है कि सत्य निकेतन इलाके में ऐसी घटनाएं पहले भी हो चुकी हैं। अप्रैल 2022 में भी एक इमारत गिरी थी। इस इलाके में बार-बार होने वाले इन हादसों ने ये सवाल खड़ा कर दिया है कि यहां नियमों को सही तरीके से लागू क्यों नहीं किया जा रहा है ।प्रस्तावित जांच में बिल्डिंग का प्लान, निर्माण की गुणवत्ता, बेसमेंट का इस्तेमाल कैसे हो रहा है, ढांचा कितना मजबूत है, आग से बचाव के इंतजाम और आपातकालीन स्थिति में निकलने के रास्ते जैसी चीजों की बारीकी से जांच होगी।

आदर्श नगर इलाके में युवक की गोली लगने से मौत, ट्रांसपोर्ट सब्जी मंडी के पास मिला शव

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में हमलावरों के हौसले बुलंद, उत्तर पश्चिम जिले के थाना आदर्श नगर इलाके में देर रात गोली लगने से एक युवक की मौत हो गई है। मृतक की पहचान (28 वर्षीय) आलम के रूप में हुई है। घटना नई सब्जी मंडी,ट्रांसपोर्ट नगर की दुकान नंबर ए-1500 के पास की बताई जा रही है।
पुलिस की मिली जानकारी के अनुसार, घटना रात करीब पौने दो बजे हुई। गोली चलने के बाद सुबह के समय इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस ने आलम को गोली लगने के बाद गंभीर हालत में जहांगीरपुरी के बाबू जगजीवन राम मेमोरियल अस्पताल में पहुंचाया,जहां इलाज के दौरान डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची। घटनास्थल की जांच के समय पुलिस को खून के निशान और खाली कारतूस के खोके मिले है। वहीं क्राइम टीम को मौके पर बुलाया गया, जिसने घटनास्थल का जायजा लेकर आवश्यक साक्ष्य जुटाए। फिलहाल आदर्श नगर थाना पुलिस ने इस मामले में संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है। जांच टीम घटना के पूरे क्रम का पता लगाने के साथ-साथ गोली चलाने वाले और घटना में शामिल अन्य लोगों की पहचान करने में जुटी है। आदर्श नगर पुलिस टीम घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज और अन्य तकनीकी साक्ष्यों की भी जांच कर रही है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है।

ग्राहम स्टेंस हत्याकांड में दारा सिंह की रिहाई पर ओडिशा सरकार ले फैसला: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, । उच्चतम न्यायालय ने ओडिशा सरकार को निर्देश दिया कि ऑस्ट्रेलियाई मिशनरी ग्राहम स्टेंस और उनके दो नाबालिग बेटों की हत्या के मामले में उम्रकैद की सजा काट रहे दारा सिंह की सजा माफी याचिका पर फैसला लें। जस्टिस मनोज मिश्रा की अध्यक्षता वाली बेंच ने ओडिशा सरकार से कहा कि आप इसे लटकाए नहीं रख सकते हैं। मामले की अगली सुनवाई 17 सितंबर को होगी। इसके पहले 19 अगस्त को कोर्ट ने इस मामले पर फैसला नहीं करने पर ओडिशा सरकार को फटकार लगाई थी। कोर्ट बेंच ने ओडिशा सरकार को अंतिम अवसर दिया था। दारा सिंह की ओर से कहा गया है कि कि दारा सिंह 24 साल से ज्यादा समय से जेल में है। अपनी याचिका में दारा सिंह ने पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के हत्यारों की रिहाई का हवाला दिया है। याचिका में दारा सिंह ने कहा है कि वो दो दशक पहले किए अपराध को कबूल करता है और उस पर खेद है। दारा सिंह ने कहा है कि ग्राहम स्टेंस से उसकी कोई निजी दुश्मनी नहीं थी। ऐसे में उसकी सजा माफी पर विचार हो।

दिल्ली वक्फ बोर्ड के गठन संबंधी याचिका पर सुनवाई दिसंबर में

नई दिल्ली, । दिल्ली उच्च न्यायालय ने दिल्ली वक्फ बोर्ड के गठन को लेकर दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए दिल्ली सरकार, केंद्र सरकार और दिल्ली वक्फ बोर्ड को नोटिस जारी किया है। जस्टिस अनीश दयाल की बेंच मामले की अगली सुनवाई दिसंबर में करने का आदेश दिया। याचिका मोहम्मद शाहिद गंगोही ने दायर की है। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से वकील रिजवान अहमद और मोहम्मद वासिक खान ने कहा कि अधिकारी लंबे समय से वक्फ कानून के प्रावधानों के मुताबिक दिल्ली वक्फ बोर्ड का गठन करने में विफल रहे हैं। याचिका में कहा गया है कि दिल्ली वक्फ बोर्ड का औपचारिक रूप से 26 अगस्त 2023 से गठन नहीं हुआ है। पिछले तीन साल से अधिक समय से इसका कामकाज दिल्ली सरकार द्वारा नियुक्त एक प्रशासक के जरिये चलाया जा रहा है। याचिका में कहा गया है कि वैधानिक रुप से वक्फ बोर्ड का गठन नहीं होने से दिल्ली में वक्फ संपत्तियों के उचित प्रशासन और सुरक्षा पर गंभीर असर पड़ा है।

सत्य निकेतन हादसा: लेबर कॉन्ट्रैक्टर यूपी से गिरफ्तार, मालकिन और पति न्यायिक हिरासत में

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने उत्तर प्रदेश के कासगंज से उस लेबर कॉन्ट्रैक्टर को गिरफ्तार किया है जो सत्य निकेतन की उस दुर्भाग्यपूर्ण पीजी बिल्डिंग के बेसमेंट में मरम्मत का काम देख रहा था। साथ ही, बिल्डिंग के मालिक परिवार के तीन सदस्यों को अलग-अलग समय के लिए न्यायिक और पुलिस हिरासत में भेजा गया है। पुलिस ने बताया कि लेबर कॉन्ट्रैक्टर सनोज को कासगंज से पकड़ा गया और पूछताछ के लिए दिल्ली लाया जा रहा है। पुलिस ने बताया कि सानोज से शुरूआती पूछताछ में पता चला कि जिस दिन बिल्डिंग गिरी, उस दिन बेसमेंट के फर्श की मरम्मत हो रही थी क्योंकि पिछले 8-10 दिनों से बारिश के मौसम में वहां कचरा जमा हो रहा था। साथ ही, कमर्शियल मकसद से जगह बढ़ाने के लिए बिल्डिंग के ग्राउंड फ्लोर की भी मरम्मत की जा रही थी। इस बीच, बिल्डिंग की मालकिन 75 वर्षीय उर्मिला और उनके 81 वर्षीय रिटायर्ड पति हरिराम को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। एक अधिकारी ने बताया कि उनके बेटे महेश को दो दिन की पुलिस हिरासत में भेजा गया।पुलिस ने बताया कि पूछताछ के दौरान महेश ने बताया कि वह अपने माता-पिता की ओर से बिल्डिंग के रखरखाव का काम देखता था। उन्होंने अगस्त 2025 में यह बिल्डिंग पीजी ऑपरेटर 'हॉस्टल डेज' को लीज पर दी थी।इस बीच, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मंगलवार को कहा कि नगर निकाय उस जर्जर इमारत को गिराएगा जो सत्य निकेतन में गिरी उस दुर्भाग्यपूर्ण पेइंग गेस्ट (पीजी) बिल्डिंग के बगल में है।इस असुरक्षित इमारत को गिराने की योजना के बारे में जानकारी देते हुए मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) ने मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर कहा कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के निर्देश पर दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) को जनहित और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए दुर्घटना स्थल के बगल में स्थित जर्जर इमारत को गिराने का आदेश दिया गया है।सीएमओ ने आगे कहा कि इमारत के अंदर छात्रों का सामान दिल्ली फायर सर्विस के कर्मचारियों द्वारा व्यवस्थित तरीके से सुरक्षित बाहर निकाला जा रहा है। सभी छात्रों और स्थानीय निवासियों से अधिकारियों का सहयोग करने का अनुरोध किया जाता है।यह गिराने का आदेश धौला कुआं में दिल्ली यूनिवर्सिटी के साउथ कैंपस के पास स्थित कॉलोनी में अवैध निर्माण की जांच के लिए जिम्मेदार पांच नगर निकाय अधिकारियों को सस्पेंड करने की सख्त कार्रवाई के बाद आया है।

नंबर वन – नरेंद्र मोदी : एक व्यावहारिक प्रधानमंत्री से कहीं अधिक : एम. चुबा आओ

गाजियाबाद। वर्ष 2014 में भारत ने इतिहास रचा, जब नरेंद्र मोदी जी देश के प्रधानमंत्री निर्वाचित हुए। भारतीय जनता पार्टी को मिला जनादेश अभूतपूर्व था। यह कहना किसी स्पष्ट तथ्य को दोहराने जैसा होगा, लेकिन यह सत्य है कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा और कद में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

वर्ष 1950 में जन्मे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी आगामी 17 सितंबर को अपना जन्मदिन मनाएंगे। इस अवसर पर पूरा देश और भारतीय जनता पार्टी सामाजिक सरोकारों एवं जनकल्याण से जुड़े अनेक कार्यों के माध्यम से इस दिन को सार्थक बनाने का प्रयास करेगा।भारतीय जनता पार्टी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के जन्मदिवस तथा उनके सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक एक माह लंबे "सेवा संकल्प अभियान" का शुभारंभ करेगी।

आज वैश्विक स्तर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत विकासशील देशों और विशेष रूप से ग्लोबल साउथ से जुड़े मुद्दों को मजबूती से उठाने वाला देश बनकर उभरा है। यह भारतीय जनता पार्टी के मूल स्वभाव और विचारधारा का महत्वपूर्ण हिस्सा है। कोविड महामारी के दौरान वर्ष 2021-22 में चलाए गए वैक्सीन मैत्री अभियान में इसकी स्पष्ट झलक देखने को मिली।

इन सभी प्रयासों में भारत का मध्यवर्ग और नव-मध्यवर्ग स्वयं एक बड़े गेम-चेंजर के रूप में उभरा है।विश्व आर्थिक मंच (हएञ) के अनुसार भारत में मध्यवर्गीय उपभोग के स्वरूप में एक महत्वपूर्ण संरचनात्मक बदलाव देखने को मिल रहा है। अनुमान है कि शहरी उपभोक्ता वृद्धि का 93 प्रतिशत हिस्सा देश के पांच प्रमुख महानगरों—नई दिल्ली, कोलकाता, मुंबई, बेंगलुरु और चेन्नई—से बाहर होगा।आने वाले समय में देश में लगभग 500 नए "कंज्यूमर सिटीज" यानी प्रमुख उपभोक्ता शहरों के उभरने की संभावना है।

इसका सीधा अर्थ है—आय में वृद्धि और मध्यवर्ग का विस्तार। यह विकास और उपभोक्ता-अनुकूल आर्थिक दृष्टिकोण के बिना संभव नहीं है। WEF का यह भी अनुमान है कि वर्ष 2036 तक भारत के मध्यवर्ग और समृद्ध उपभोक्ता देश के कुल उपभोग व्यय का लगभग 93 प्रतिशत हिस्सा वहन करेंगे, जो वर्ष 2026 में लगभग 80 प्रतिशत है।हमें इस पूरे परिदृश्य की बड़ी तस्वीर को समझना चाहिए। आने वाले वर्षों में यह बदलाव विभिन्न आयु वर्गों के लिए उपयोगी उत्पादों और सेवाओं के निर्माण तथा नए व्यवसायों के विस्तार के व्यापक अवसर पैदा करेगा। दूसरे शब्दों में कहें तो भारत आने वाले समय में आर्थिक उछाल के एक नए दौर में प्रवेश कर सकता है। सुधारों से सशक्त हुआ भारत का मध्यवर्ग ।

पिछले 12 वर्षों के दौरान प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की सरकार ने व्यापक आर्थिक एवं सामाजिक सुधारों के माध्यम से भारत के मध्यवर्ग को सशक्त बनाने का कार्य किया है।सरल कर व्यवस्था, मजबूत बैंकिंग प्रणाली, बीमा और पेंशन क्षेत्र में विस्तार जैसे कदमों ने आम परिवारों को अधिक वित्तीय सुरक्षा प्रदान की है। इसी भावना के अनुरूप शहरी विकास, बेहतर कनेक्टिविटी और मजबूत बुनियादी ढांचे ने देश के विभिन्न हिस्सों में नए अवसरों के द्वार खोले हैं।बुनियादी सुविधाओं तक बेहतर पहुंच, सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं, शिक्षा एवं कौशल विकास को बढ़ावा और निर्बाध डिजिटल शासन ने आम नागरिकों के दैनिक जीवन को अधिक सुविधाजनक बनाया है।

घरेलू वित्तीय व्यवस्था में बीमा के बढ़ते महत्व को भी इससे समझा जा सकता है। वित्त वर्ष 2018-19 में घरेलू वित्त में बीमा और पेंशन

फंड की हिस्सेदारी 28.6 प्रतिशत थी, जो वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़कर 29.6 प्रतिशत हो गई। यह परिवारों में बढ़ती वित्तीय जागरूकता और दीर्घकालिक आर्थिक सुरक्षा की ओर बढ़ते रुझान को दर्शाती है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पूर्वोत्तर भारत को भी देश की विकास गाथा के केंद्र में रखा है। पिछले 12 वर्षों में पूर्वोत्तर क्षेत्र के विकास के परिदृश्य में उल्लेखनीय परिवर्तन आया है। यह बदलाव निरंतर नीतिगत समर्थन, बुनियादी ढांचे के विस्तार और समावेशी विकास की विभिन्न पहलों से संभव हुआ है।सड़क, रेल, हवाई और डिजिटल कनेक्टिविटी में सुधार ने पूर्वोत्तर की दशकों पुरानी भौगोलिक दूरी और अलगाव को कम किया है। इससे क्षेत्रीय एकीकरण और आर्थिक गतिविधियों को भी गति मिली है।पूर्वोत्तर आज भारत के स्वच्छ ऊर्जा संक्रमण और एक्ट ईस्ट नीति का भी एक महत्वपूर्ण स्तंभ बनकर उभरा है। जलविद्युत, गैस अवसंरचना और सीमापार कनेक्टिविटी में निवेश ने इस क्षेत्र की आर्थिक संभावनाओं को और मजबूत किया है।

इन सभी प्रयासों ने पूर्वोत्तर के आठ राज्यों—अष्टलक्ष्मी—को विकसित भारत के निर्माण में सतत और समावेशी विकास के एक महत्वपूर्ण मॉडल के रूप में स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण आधार तैयार किया है।पिछले 12 वर्षों में भारत में सरकार की योजनाओं और सार्वजनिक हस्तक्षेपों ने आवश्यक सेवाओं तक लोगों की पहुंच का विस्तार किया है।

इससे समाज के वंचित और कमजोर वर्गों के जीवन में महत्वपूर्ण परिवर्तन आया है।लगभग 25 करोड़ लोग बहुआयामी गरीबी से बाहर आए हैं। विस्तारित कल्याणकारी योजनाओं और सामाजिक सुरक्षा उपायों ने गरीब एवं वंचित परिवारों को मजबूत आधार प्रदान किया है।ग्रामीण क्षेत्रों में नल से जल की सुविधा वाले घरों की संख्या वर्ष 2019 में 3.23 करोड़ से बढ़कर मई 2026 तक 15.84 करोड़ हो गई। इसी प्रकार 12.11 करोड़ से अधिक घरेलू शौचालयों का निर्माण किया गया, जिससे ग्रामीण स्वच्छता कवरेज वर्ष 2014 के 39 प्रतिशत से बढ़कर सार्वभौमिक कवरेज तक पहुंची।प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के माध्यम से 10.57 करोड़ से अधिक मुफ्त एलपीजी कनेक्शन प्रदान किए गए। इससे महिलाओं के स्वास्थ्य में सुधार के साथ-साथ घरों के भीतर होने वाले धुएं और प्रदूषण को कम करने में भी मदद मिली है।आकांक्षी जिलों और जनजातीय क्षेत्रों में भी लक्षित जल, स्वच्छता और आजीविका संबंधी पहलों के माध्यम से कल्याणकारी योजनाओं की पहुंच को विस्तार दिया गया है।

सामाजिक और राजनीतिक संदर्भ में भारतीय जनता पार्टी तथा विशेष रूप से प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी को लगातार अनेक चुनौतियों का सामना करना पड़ा है। हमने लगभग हर चुनौती का सामना किया है और अनेक कठिन परिस्थितियों को पार किया है।

हमारे आलोचक कई अवसरों पर सरकार और भाजपा के लिए 'दुर्दिन' की भविष्यवाणी करते रहे हैं। लेकिन चुनौतियां आती-जाती रहती हैं।

मथुरा में दर्दनाक वारदात: चुनरी से गला घोंटकर पत्नी की हत्या, पति फरार

मथुरा। जमुनापार थाना क्षेत्र के अंतर्गत जमुनाबिहार कॉलोनी में मंगलवार दोपहर एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई। आपसी कलह के चलते एक पति ने अपनी 35 वर्षीय पत्नी की उसी की चुनरी से गला घोंटकर निर्मम हत्या कर दी। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी पति मौके से फरार हो गया। सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन और फॉरेंसिक टीम ने तुरंत मौके पर पहुंचकर जांच-पड़ताल शुरू कर दी है।पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, जमुनाबिहार कॉलोनी निवासी जगदेव ने मंगलवार पूर्वाह्न करीब 11 बजे अपनी पत्नी पूजा देवी की चुनरी से गला घोंटकर हत्या कर दी। दिनदहाड़े हुई इस सनसनीखेज वारदात से इलाके में सनसनी फैल गई और घर के बाहर आसपास के लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई।

पुलिस और फॉरेंसिक जांच मौके पर साक्ष्य संकलनः सूचना मिलते ही थाना पुलिस मौके पर पहुंची। फॉरेंसिक विभाग की टीम ने घटनास्थल का बारिकी से मुआयना किया और आवश्यक साक्ष्य जुटाए।

मासूम बेटाः बताया जा रहा है कि इस दंपत्ति का एक 2 साल का मासूम बेटा भी है, जिसके सिर से मां का साया उठ गया है।आरोपी की तलाशः घटना के बाद से आरोपी पति जगदेव फरार है। थाना प्रभारी ने बताया कि हत्या के स्पष्ट कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है और आरोपी की गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है।शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस अग्रिम वैधानिक कार्रवाई में जुटी है।

25 हजार का इनामी सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर हाजी सलमान चित्तौड़गढ़ से गिरफ्तार

गाजियाबाद। गाजियाबाद की स्वाट टीम और क्राइम ब्रांच ने 25 हजार रुपये के इनामी सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर हाजी सलमान को राजस्थान के चित्तौड़गढ़ से गिरफ्तार कर लिया है। हाजी सलमान पर लोनी से भाजपा विधायक नंदकिशोर गुर्जर के खिलाफ अभद्र भाषा का इस्तेमाल करने और धमकी देने का आरोप है।

?हाल ही में सोशल मीडिया पर हाजी सलमान का एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें उसने विधायक के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणियां की थीं। इसके अलावा लोनी क्षेत्र में हुई एक अन्य मारपीट की घटना में भी उसका नाम सामने आया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने उस पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था और टीमों का गठन कर राजस्थान से उसे हिरासत में ले लिया।?सलमान की गिरफ्तारी के बाद उसके अधिवक्ताओं ने पुलिस कस्टडी में उसकी सुरक्षा को लेकर चिंता जताई है और मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है। फिलहाल क्राइम ब्रांच आरोपी से इस पूरे विवाद और इसमें शामिल अन्य लोगों के बारे में पूछताछ कर रही है।

मथुरा में महिलाओं की सुरक्षा के लिए स्थानीय परिवाद समिति गठित, डॉ. सोनिका शर्मा बनीं अध्यक्ष

मथुरा। कार्यस्थल पर महिलाओं के लैंगिक उत्पीड़न की रोकथाम और उन्हें सुरक्षित कार्य वातावरण प्रदान करने के लिए जिला प्रशासन मथुरा ने "कार्यस्थल पर महिलाओं का लैंगिक उत्पीड़न निवारण, प्रतिषेध एवं प्रतितोष) अधिनियम, 2013" के प्रावधानों के अंतर्गत स्थानीय परिवाद समिति Local Complaints Committee गठन किया है। जिला प्रोबेशन अधिकारी विकास चन्द्र ने इस संबंध में विस्तृत जानकारी साझा की है।

समिति का कार्यक्षेत्र और अधिकारजिलाधिकारी कार्यालय द्वारा जारी आदेश के अनुसार, यह समिति विशेष रूप से निम्नलिखित मामलों की सुनवाई करेगी:ऐसे संस्थान या कार्यस्थल जहाँ 10 से कम कर्मचारी कार्यरत होने के कारण आंतरिक परिवाद समिति (ICC) का गठन नहीं किया गया है।वे प्रकरण या शिकायतें जो सीधे संस्थान के नियोक्ता (Employer) के विरुद्ध दर्ज की गई हों।

समिति की संरचना एवं सदस्य अधिनियम की धारा 7(1) के अंतर्गत गठित इस समिति में विभिन्न क्षेत्रों के अनुभवी और जिम्मेदार चेहरों को शामिल किया गया है: अध्यक्षः डॉ. सोनिका शर्मा शशि मिश्राः बाल विकास परियोजना अधिकारी (सीडीपीओ) – सदस्य

पूजा चौधरीः एनजीओ प्रतिनिधि – सदस्य

मंजू रानीः विधि पृष्ठभूमि – सदस्य जिला प्रोबेशन अधिकारी, मथुराः पदेन सदस्य सुरक्षित और भयमुक्त वातावरण की प्रतिबद्धता इस समिति का प्रमुख उद्देश्य कार्यस्थल पर महिलाओं के साथ होने वाले लैंगिक उत्पीड़न से संबंधित शिकायतों के निस्तारण के लिए एक प्रभावी और सुलभ मंच प्रदान करना है। नवनियुक्त अध्यक्ष डॉ. सोनिका शर्मा ने कहा कि कार्यस्थल पर प्रत्येक महिला को सम्मानजनक, सुरक्षित एवं भयमुक्त माहौल मिलना उसका अधिकार है। यह समिति महिलाओं की शिकायतों को पूरी संवेदनशीलता, गोपनीयता और विधिसम्मत प्रक्रिया के साथ सुनेगी और उनके न्यायसंगत निस्तारण के लिए प्रतिबद्ध रहेगी। जिला प्रशासन ने समिति के अध्यक्ष और सभी सदस्यों को अधिनियम के प्रावधानों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

जज के घर को बनाया निशाना आवास से बड़ी चोरी, लाइसेंसी पिस्टल और नकदी ले उड़े चोर

मथुरा। कानून व्यवस्था में सुरक्षित मानी जाने वाली जजेज कॉलोनी में चोरों ने कानून-व्यवस्था को चुनौती देते हुए अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (एसीजेएम) के आवास का ताला तोड़कर सनसनीखेज चोरी को अंजाम दिया। चोर घर से सोने-चांदी के आभूषण, नकदी के साथ-साथ न्यायिक अधिकारी की लाइसेंसी पिस्टल और कारतूस भी चुरा ले गए। सदर बाजार थाने में मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने खुलासे के लिए छह टीमों का गठन किया है।

गृह जनपद गए थे न्यायिक अधिकारी सदर बाजार थाने में दी गई तहरीर के अनुसार, एसीजेएम की पत्नी प्रिया कुमारी ने बताया कि वह और उनके पति चार सितंबर को दोपहर करीब दो बजे आवास संख्या जे-9 में ताला लगाकर अपने गृह जनपद रोहतक गए थे। छह सितंबर की सुबह करीब 11:15 बजे एक डिलीवरी बॉय से बातचीत के दौरान उन्हें घर का ताला खुला होने की जानकारी मिली। इसके बाद वीडियो कॉल के माध्यम से स्थिति देखने पर मुख्य दरवाजे की कुंडी और बेडरूम का ताला टूटा हुआ मिला।

चोरी गए सामान का विवरण असलाह व नकदीः 25 हजार रुपये नकद, न्यायिक अधिकारी की लाइसेंसी .32 बोर पिस्टल और जिंदा कारतूस।

स्वर्ण आभूषणः 8 जोड़ी सोने के कुंडल, 2 सोने की अंगूठियां, पेंडल वाली सोने की चेन, रुद्राक्ष वाली सोने की चेन और 2 सोने की नथिया।

रजत आभूषण व अन्यः 2 चांदी के सिक्के और लगभग 100 ग्राम वजनी चांदी का बिस्किट। पुलिस महकमे में हड़कंप और जांच जारी घटना की सूचना मिलते ही पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। सीओ रिफाइनरी प्रवीन कुमार तिवारी ने घटनास्थल का निरीक्षण कर फील्ड यूनिट और श्वान दस्ते के साथ साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी है। घटना के खुलासे और चोरों की गिरफ्तारी के लिए कुल छह विशेष टीमों का गठन किया गया है।

मौरम लदे डंपर की टक्कर से बाइक सवार बैंक अफसर की मौत

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश में हमीरपुर जिले के मुख्यालय से बाइक से गांव लौट रहे एचडीबी बैंक कर्मी की मौरम लदे डंपर की जोरदार टक्कर में मौत हो गई। हादसे के बाद डंपर बाइक को करीब 50 मीटर तक घसीटता हुआ ले गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने डंपर को कब्जे में लेकर थाना परिसर में खड़ा कराया, जबकि चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

बिवांर थाना क्षेत्र के बांधुर बुजुर्ग गांव निवासी दीपांशु शुक्ला (25) मुख्यालय स्थित एचडीबी बैंक में फाइनेंसर के पद पर कार्यरत थे। वह बाइक से हमीरपुर से अपने गांव लौट रहे थे। बिवार कस्बे से करीब दो किलोमीटर दूर बिवार-जलालपुर मार्ग पर बड़ी पुलिया के पास जलालपुर की ओर से आ रहे मौरम लदे डंपर ने उनकी बाइक में सामने से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक डंपर के नीचे घुस गई और डंपर उसे करीब 50 मीटर तक घसीटता ले गया। हादसे में दीपांशु गंभीर रूप से घायल होकर अचेत हो गए।

राहगीरों ने घटना की जानकारी परिवार को दी। मौके पर पहुंची 112 नंबर पुलिस की मौजूदगी में परिजन घायल को निजी वाहन से बिवार लेकर आए, जहां से एंबुलेंस ने सदर चिकित्सालय हमीरपुर ले जाया गया। चिकित्सकों ने जांच के बाद दीपांशु को मृत घोषित कर दिया।

शव को पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी में रखवाया गया है। मृतक दो भाइयों में छोटा था। थानाध्यक्ष विनोद कुमार ने मंगलवार को बताया कि डंपर को कब्जे में लेकर थाना परिसर में खड़ा करा दिया गया है। चालक मौके से फरार है। अभी तहरीर नहीं मिली है। तहरीर मिलने पर चालक की तलाश कर कार्रवाई की जाएगी।

श्रीधाम वृंदावन में 13 से 19 सितंबर तक मनेगा स्वामी हरिदास जी का 546वां आविर्भाव महोत्सव

शोभायात्रा, महाअभिषेक, ध्रुपद-धमार संगीत और विशाल भंडारे के साथ सजेगा संतों का दरबार

वृंदावन। संगीत सम्राट और रसिक संत श्री स्वामी हरिदास जी महाराज का 546वां आविर्भाव महोत्सव इस वर्ष 13 से 19 सितंबर 2026 तक श्रीधाम वृंदावन में अत्यंत धूमधाम और भव्यता के साथ आयोजित किया जाएगा। सात दिनों तक चलने वाले इस आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक अनुष्ठान को लेकर सोमवार (7 सितंबर) को अटल्ला चुंगी स्थित होटल बसेरा में एक प्रेसवार्ता का आयोजन किया गया, जिसमें महोत्सव के विस्तृत कार्यक्रमों की रूपरेखा साझा की गई। श्री स्वामी हरिदासीय रसोपासना पीठ एवं श्री स्वामी हरिदासीय राधा प्रसाद सेवा ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में परिक्रमा मार्ग स्थित श्री राधा प्रसाद धाम (गोपाल खार) में यह महोत्सव संपन्न होगा।

महोत्सव के मुख्य आकर्षण एवं कार्यक्रम

13 सितंबर (रविवार): प्रातः 8 बजे स्वामी जी का महाअभिषेक, तत्पश्चात प्रातः 9 बजे श्री ललित कुंज से श्री राधा प्रसाद धाम तक भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी।

शाम को सुमधुर भजन संध्या होगी।14 सितंबर (सोमवार): देश के प्रतिष्ठित कलाकारों की सहभागिता से विशेष ध्रुपद-धमार संगीत समारोह का आयोजन किया जाएगा।15 सितंबर (मंगलवार): सांस्कृतिक कार्यक्रम, ब्रजवासी बालक-बालिकाओं की प्रस्तुतियां और भक्तिमय भजन संध्या सजेगी।

16 सितंबर (बुधवार): 546 कमल पुष्पों से पुष्पचयन और सायंकाल यमुना महारानी की आरती होगी।

17 सितंबर (गुरुवार): समाजसेवा, कला, साहित्य, धर्म और पत्रकारिता के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाली विभूतियों का सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा।18 सितंबर (शुक्रवार): प्रातः 10 बजे से विविध धार्मिक, आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियां होंगी।19 सितंबर (शनिवार): विशेष धार्मिक अनुष्ठानों, महाअभिषेक और विशाल भंडारे के साथ सात दिवसीय महोत्सव का समापन होगा।

प्रमुख हस्तियों की उपस्थिति प्रेसवार्ता में महंत मोहिनी बिहारी शरण महाराज, आचार्य बद्रीश, स्वामी अतुल कृष्ण महाराज, समाजसेवी राम किशन अग्रवाल और ध्यान मूर्ति फाउंडेशन से हरिओम शर्मा ने संयुक्त रूप से सभी श्रद्धालुओं से इस सात दिवसीय महोत्सव में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आह्वान किया।

सात-आठ साल से जलभराव में डूबा बेरनी गांव, गलियों में 2 से 3 फीट पानी; ग्रामीणों ने एसडीएम से लगाई गुहार

नालियों की निकासी व्यवस्था ध्वस्त होने से बिगड़े हालात, गंदे पानी और संक्रामक बीमारियों का बढ़ा खतरा

एटा/जलेसर। तहसील जलेसर क्षेत्र के ग्राम बेरनी में लंबे समय से जलभराव की समस्या ग्रामीणों के लिए परेशानी का सबब बनी हुई है। गांव की गलियों में करीब 2 से 3 फीट तक पानी भरने से आवागमन प्रभावित है। समस्या से परेशान ग्रामीणों ने उपजिलाधिकारी जलेसर को प्रार्थना पत्र देकर जल निकासी एवं सफाई की समुचित व्यवस्था कराने की मांग की है।

ग्रामीणों के अनुसार गांव में पिछले सात-आठ वर्षों से जलभराव की गंभीर समस्या बनी हुई है। बरसात के दिनों में स्थिति और विकराल हो जाती है। गंदा पानी गलियों में भरा रहने के कारण ग्रामीणों, विशेषकर स्कूली बच्चों और बुजुर्गों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है।

ग्रामीणों ने बताया कि लंबे समय से गांव की गलियों का पानी नालियों के माध्यम से गांव से बाहर निकलता था, लेकिन वर्ष 1985 में चकबंदी के बाद नाली का नक्शा लेखपाल द्वारा तैयार किए जाने के बाद से जल निकासी की व्यवस्था प्रभावित हो गई। ग्रामीणों का आरोप है कि करीब 7-8 वर्ष पूर्व गली के सामने स्थित स्त्रोत पर बांध लगाए जाने से पानी की निकासी पूरी तरह बाधित हो गई।

जलभराव के कारण गंदगी और मच्छरों का प्रकोप बढ़ने से डेंगू, मलेरिया समेत संक्रामक बीमारियों का खतरा भी ग्रामीणों को सता रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि समस्या का स्थायी समाधान नहीं होने पर आने वाले दिनों में स्थिति और गंभीर हो सकती है।

ग्रामीणों ने एसडीएम जलेसर से मामले का संज्ञान लेकर संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करने तथा जल निकासी और सफाई की उचित व्यवस्था तत्काल कराने की मांग की है। इस मौके पर जि.पं.प्र. जितेन्द्र यादव जीतू, मोनू गौतम प्रतेन्द्र सिसोदिया आदि ग्रामीणों के हस्ताक्षर भी किए गए हैं।

उत्तर प्रदेश में अब रिटायर डॉक्टरों की पुनः नियुक्ति का आदेश जारी : ब्रजेश पाठक

अमेठी। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि उत्तर प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं को सीधे मरीजों से जोड़ने के लिए महत्वपूर्ण पहल की गई है। इसके लिए अब रिटायर डॉक्टरों की पुनः नियुक्ति की जाएगी। डाक्टर रिटायरमेंट के बाद पुनः नियुक्ति के माध्यम से सत्तर साल तक अपनी सेवाएं दे सकेंगे। वर्तमान व्यवस्था के तहत सरकारी डॉक्टर 65 वर्ष की आयु तक सेवाएं दे रहे हैं। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव स्तर से इस संबंध में आदेश जारी करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

प्रदेश के सरकारी अस्पतालों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (सीएचसी) और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों (पीएचसी) में प्रतिदिन बड़ी संख्या में मरीज उपचार के लिए पहुंचते हैं। ऐसे में अनुभवी चिकित्सकों की सेवाएं लंबे समय तक उपलब्ध होने से मरीजों को विशेषज्ञ चिकित्सा परामर्श और बेहतर उपचार की सुविधा मिल सकेगी। अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों को भी इस पहल से राहत मिलेगी। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि प्रांतीय चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा संवर्ग स्वास्थ्य विभाग का प्रमुख चिकित्सकीय संवर्ग है। इसमें चिकित्सा अधिकारी एवं विशेषज्ञ चिकित्सक शामिल हैं, जो प्रदेश के सरकारी अस्पतालों, सीएचसी और पीएचसी में स्वास्थ्य सेवाओं की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी संभालते हैं। उन्होंने कहा कि सेवानिवृत्ति के बाद योग्य एवं अनुभवी चिकित्सकों को 70 वर्ष की आयु तक सेवाएं देने का अवसर मिलने से उनके लंबे अनुभव का सीधा लाभ मरीजों को मिलेगा। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने बताया कि इस निर्णय से विशेष रूप से विशेषज्ञ चिकित्सकों की कमी वाले चिकित्सकीय विभागों में यह व्यवस्था प्रभावी साबित होगी।

ग्रामीण क्षेत्रों की स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत करने में भी अनुभवी डॉक्टरों की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव को चिकित्सकों की सेवानिवृत्ति के बाद 70 वर्ष की आयु तक पुनर्नियुक्ति संबंधी आदेश जारी करने की प्रक्रिया आगे बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं। सरकार का उद्देश्य अनुभवी चिकित्सकों की विशेषज्ञता का अधिकतम उपयोग करते हुए प्रदेश की सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सक्षम, सुलभ एवं गुणवत्तापूर्ण बनाना है।

गाजियाबाद के पॉश इलाकों में सबसे अधिक मिल रहा डेंगू का लार्वा

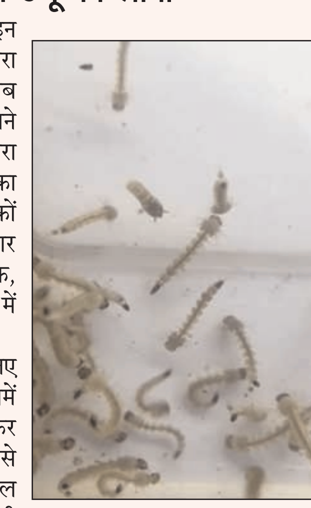

गाजियाबाद । जिले में स्वाइन फ्लू के साथ-साथ डेंगू का खतरा भी तेजी से बढ़ रहा है और अब तक 10 से अधिक मामले सामने आ चुके हैं। स्वास्थ्य विभाग द्वारा कराए जा रहे सर्वे में डेंगू का लार्वा सबसे अधिक पॉश इलाकों जैसे लोहियानगर, राजनगर एक्सटेंशन, क्रॉसिंग्स रिपब्लिक, वसुंधरा, वैशाली और कौशांबी में पाया गया है।

स्थिति से निपटने के लिए स्वास्थ्य विभाग की 40 टीमें रोजाना घर-घर जाकर जांच कर रही हैं और अब तक 2000 से अधिक स्थानों पर लार्वा मिल चुका है। लार्वा मिलने वाली जगहों पर दवा का छिड़काव किया जा रहा है और रोजाना 400 से 500 लोगों की जांच भी की जा रही है।

मथुरा नगर निगम में 'संभव' कार्यक्रम के तहत जनसुनवाई आयोजित, कई शिकायतों का मौके पर निस्तारण के आदेश

मथुरा। मथुरा में जनसमस्याओं के समयबद्ध और प्रभावी समाधान के लिए चलाए जा रहे 'संभव' (संतुष्टि एवं समृद्धि) कार्यक्रम के तहत मंगलवार को नगर निगम के विभिन्न कार्यालयों में जनसुनवाई का आयोजन किया गया। इस दौरान अधिकारियों ने आम जनता की समस्याएं सुनीं और कई मामलों का त्वरित निस्तारण किया गया।प्रमुख कार्यालयों में जनसुनवाई का विवरण भूतेश्वर मुख्य कार्यालयः अपर नगर आयुक्त सौरभ सिंह ने आम जनता की शिकायतें सुनीं।

यहाँ कुल 7 शिकायतें दर्ज की गईं–

अतिक्रमणः 2 स्ट्रीट लाइटः 2 (दोनों का मौके पर निस्तारण) सफाई व्यवस्था एक जलकल विभागः 1 निर्माण कार्यः 1 (मौके पर निस्तारण) वृंदावन जोन कार्यालयः सहायक नगर आयुक्त नीरज शर्मा ने कमान संभाली। यहाँ कुल 8 शिकायतें प्राप्त हुईं–

सीवर एवं पेयजल (जलकल): 4

निर्माण कार्यः 2

नजूल विभागः 2 सिटी जोन (जनरल गंज) कार्यालयः यहाँ अवर अभियंता अजय कुमार ने जनसुनवाई की और लोगों की समस्याएं सुनीं।

अधिकारियों के कड़े निर्देश अपर नगर आयुक्त सौरभ सिंह ने सभी शिकायतों को बेहद गंभीरता से लिया और संबंधित विभागीय अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि शेष बची सभी शिकायतों का निस्तारण निर्धारित समय-सीमा के भीतर और गुणवत्तापूर्ण ढंग से सुनिश्चित किया जाए, ताकि आम जनमानस को वास्तविक राहत मिल सके। प्रमुख अधिकारियों की उपस्थिति जनसुनवाई के दौरान नगर निगम के तमाम प्रमुख अधिकारी मौके पर मौजूद रहे, जिनमें मुख्य रूप से सहायक नगर आयुक्त अनुज कौशिक मुख्य अभियंता (निर्माण) संजय सिंह जलकल महाप्रबंधक मोहम्मद अनवर ख्वाजा अवर अभियंता (विद्युत एवं यांत्रिकी) शैलेश तथा अन्य विभागीय अधिकारी मौजूद।

सबसे तेज प्रयागराज, मुद्रक, प्रकाशक, स्वामी संपादक हनुमान प्रसाद शुक्ल द्वारा विपिन इंटरप्राइजेस 1/6सी/1 मास्टर जरूहुल हसन रोड़, कटरा, प्रयागराज से मुद्रित कराकर, करीमुददीनपुर पोस्ट अटरामपुर नवाबगंज प्रयागराज से प्रकाशित। मो नं. 9452842169। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आ.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद का निपटारा इलाहाबाद न्यायालय में होगा। आपत्तियां एक सप्ताह के अंदर ही स्वीकार की जाएगी। समाचार पत्र की जिम्मेदारी लेखक व संवाददाता की होगी